रांची, गुरुवार
13.08.2026
वर्ष : 11, अंक : 252, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

झारखंड के छह जिलों में 14 अगस्त को बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

रांची। झारखंड के छह जिलों में 14 अगस्त को बहुत भारी बारिश होने की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनमें गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, गुमला और लोहरदगा शामिल हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार, 16 अगस्त तक राज्य के कई हिस्सों में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। कई स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। इसे देखते हुए राज्य के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में राज्य के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की जा रही है। हालांकि, एक जून से 12 अगस्त तक झारखंड में कुल 492.8 मिलीमीटर बारिश हुई है, जबकि इस अवधि में सामान्य बारिश का आंकड़ा 627.6 मिलीमीटर है। इस लिहाज से राज्य में अब तक सामान्य से 21 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है।

राज्यसभा से केरल नाम परिवर्तन विधेयक पारित, केरल का नाम होगा केरलम

नई दिल्ली। संसद ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण विधेयक पारित करते हुए केरल का नाम बदलकर ह्यकेरलमह्व करने को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित किया, जबकि लोकसभा ने इसे मंगलवार को ही मंजूरी दे दी थी। केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य संविधान की पहली अनुसूची में दर्ज राज्य के नाम को संशोधित कर केरल से केरलम करना है। केरल विधानसभा ने वर्ष 2024 में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से राज्य का नाम बदलने के लिए कानून लाने की सिफारिश की थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने विधेयक को आगे बढ़ाया। विधेयक के पारित होने के बाद अब इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा, जिसके बाद आधिकारिक रूप से राज्य का नाम बदलकर केरलम कर दिया जाएगा। राज्य सभा में इस विधेयक पर चर्चा के बाद इस पर जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि यह बदलाव राज्य की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान को अधिक सटीक रूप से दर्शाने के उद्देश्य से किया गया है।

झारखंड के 29 पुलिस अधिकारियों-कर्मियों को स्वतंत्रता दिवस पर मिलेगा पुलिस पदक

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के तीन भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों समेत 29 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उनकी विशिष्ट, वीरतापूर्ण और सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। गृह विभाग ने पदक पाने वाले अधिकारियों और कर्मियों की सूची जारी कर दी है।

जारी सूची के अनुसार, एक एएसआई को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक, पांच पुलिसकर्मियों को वीरता पदक और तीन आईपीएस अधिकारियों समेत 23 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक प्रदान किया जाएगा। इस बार सम्मान पाने वालों में पांच महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

विशिष्ट सेवा के लिए जैप-1 के एएसआई कैलाश प्रसाद श्रेष्ठ को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, वीरता पदक पाने वालों में लातेहार के अवर निरीक्षक विनय कुमार, आईआरबी-4 लातेहार के सहायक उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार राय, लातेहार जिला बल के आरक्षी वेद प्रकाश महतो और रामचंद्र कुमार महतो तथा आईआरबी-1 जामताड़ा के आरक्षी कृष्णा मुर्मू शामिल हैं।

सराहनीय सेवा के लिए पदक पाने वालों में महानिरीक्षक रेल डॉ. माइकल राज एस, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात आईपीएस अधिकारी अन्नेपु विजयालक्ष्मी और कोल्हान के उपमहानिरीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा शामिल हैं।

इनके अलावा स्पेशल ब्रांच के उपाधीक्षक नीरज कुमार, वायरलेस के इंस्पेक्टर अरुण कुमार, एसटीएफ के इंस्पेक्टर मनोज कुमार राय, आईटीएस रांची के इंस्पेक्टर असित कुमार मोदी, एसटीएफ के एएसआई अरविंद कुमार पालित, वशिष्ठ कुंवर, संजीव कुमार झा और विजय कुमार को भी सराहनीय सेवा पदक दिया जाएगा।

रांची जिला के एएसआई दीपक पुंज, सीआईडी के एएसआई महेंद्र महतो, एसटीएफ के हवलदार इकबाल, हवलदार बिन्दराय मुण्डरी और हवलदार विजय थापा भी सराहनीय सेवा के लिए सम्मानित होंगे।

इस बार पदक पाने वालों में पांच महिला पुलिसकर्मी शामिल हैं। जैप-10 होटवार की महिला आरक्षी मान्ती खलखो और प्रभा देवी तथा महिला हवलदार रंजिता कुजूर को सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा जैप-10 की महिला आरक्षी पुष्पा ओड़ेया को भी सराहनीय सेवा के लिए पदक प्रदान किया जाएगा। गढ़वा के आरक्षी विदेशी मांझी, चतरा के आरक्षी अजय कुमार दूबे और गुमला के आरक्षी दीपक कुमार सिंह को भी सराहनीय सेवा पदक मिलेगा।

पुलिस मुख्यालय ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को निर्देश दिया है कि पदक प्राप्त करने वाले अधिकारी और कर्मी 13 अगस्त 2026 की अपराह्न तक वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची के समक्ष रिपोर्ट करें।

पुलिस मुख्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी पदक प्राप्तकर्ता का इस बीच स्थानांतरण या पदस्थापन हो गया है तो संबंधित वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक अथवा नियंत्रक पदाधिकारी इसकी सूचना पुलिस मुख्यालय को उपलब्ध कराएंगे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिया जाने वाला यह सम्मान पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की विशिष्ट, वीरतापूर्ण एवं सराहनीय सेवाओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

भारत में दुनिया के 60 प्रतिशत से अधिक जंगली एशियाई हाथी, 33 अभयारण्य संरक्षण प्रयासों को दे रहे मजबूती : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व हाथी दिवस पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाथी को भारत की पारिस्थितिकी विरासत का अभिन्न हिस्सा बताते हुए देश के मजबूत संरक्षण प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया के 60 प्रतिशत से अधिक जंगली एशियाई हाथी पाए जाते हैं।

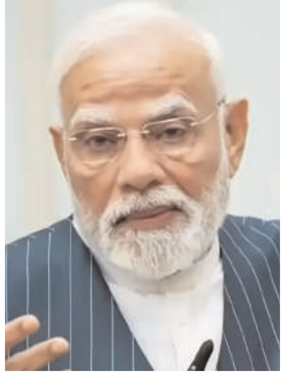

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में 33 हाथी अभयारण्य हैं, जो हाथियों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके दीर्घकालिक संरक्षण के प्रयासों को मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

मोदी ने हाथी संरक्षण के प्रयासों में योगदान देने वाले वनकर्मियों, वैज्ञानिकों, पशु चिकित्सकों, महावतों और स्थानीय समुदायों के प्रति गर्व और आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्व पर एक पोस्ट में कहा कि विश्व हाथी दिवस पर हम उस विशालकाय और गौरवशाली हाथी का उत्सव मनाते हैं, जो भारत की पारिस्थितिकी विरासत का अभिन्न हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि भारत दुनिया के 60 प्रतिशत से अधिक जंगली एशियाई हाथियों का घर है।

उन्होंने कहा कि देश के 33 हाथी अभयारण्य हाथियों के लिए आवास उपलब्ध कराते हैं और उनके दीर्घकालिक संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को मजबूत करते हैं। प्रधानमंत्री ने संरक्षण से जुड़े सभी वनकर्मियों, वैज्ञानिकों, पशु चिकित्सकों, महावतों और स्थानीय समुदायों की भूमिका की भी सराहना की।

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन 19वें दिन जारी

बिभा संवाददाता

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच समेत अन्य मांगों को लेकर छात्रों का आंदोलन बुधवार को लगातार 19वें दिन भी जारी रहा। वहीं, आमरण अनशन का नौवां दिन रहा। आंदोलनकारी छात्र परीक्षाओं में पारदर्शिता, कथित गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं।

आंदोलनकारी छात्र विनय मेहता ने कहा कि छात्र जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में शांतिपूर्ण तरीके से आमरण अनशन कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं कर रही है। देर रात धरना स्थल पर पुलिस प्रशासन की सक्रियता को लेकर उन्होंने आशंका जताई कि कहीं आंदोलन को दबाने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा है। उन्होंने सरकार से छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की।

इसी बीच, आंदोलनकारी उम्मा हबीब की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें देर रात अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे पहले छात्र-अभ्यर्थी राहुल कुमार और देवेंद्रनाथ महतो को भी सदर अस्पताल ले जाकर इलाज कराया गया था। आंदोलनकारियों ने कहा कि अनशनकारियों का इलाज जारी रहने के बावजूद देर रात धरना स्थल पर प्रशासन की मौजूदगी कई सवाल खड़े करती है।

छात्र आंदोलनकारी कुणाल प्रताप सिंह समेत अन्य ने कहा कि भर्ती परीक्षाओं से जुड़े मामलों में उठे सवालों का स्पष्ट और संतोषजनक समाधान जरूरी है। उनका आरोप है कि सरकार मामले की गंभीरता से बचने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर अभ्यर्थियों में असंतोष बढ़ा है। पूरे मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराकर तथ्यों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि अभ्यर्थियों का परीक्षा व्यवस्था पर भरोसा कायम रह सके।

छात्र रोहित कुजूर ने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित कराना है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अभ्यर्थी वर्षों मेहनत करते हैं। ऐसे में परीक्षा में कथित धांधली के आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार सीजीएल परीक्षा रद्द कर सीबीआई जांच कराने से क्यों परहेज कर रही है।

उधर, स्टेडियम परिसर में मौजूद अनशनकारी छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। आंदोलनकारियों ने कहा कि प्रमुख मांगों पर ठोस निर्णय होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभ्यर्थी और अन्य लोग मौजूद रहे।

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन का इस्तीफा

नई दिल्ली। टाटा समूह से जुड़ी इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आई है। एन चंद्रशेखरन ने टाटा संस के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया है और वे दोबारा से अपॉइनमेंट की मांग नहीं करेंगे। एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल फरवरी 2027 में पूरा होगा। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कंपनी की 18 अगस्त को होने वाली सालाना आम बैठक से पहले पद छोड़ने का एलान किया है, और बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। दरअसल, डायरेक्टर के तौर पर उनके दोबारा चुने जाने को लेकर अनिश्चितता बढ़ रही थी और टाटा ग्रुप के अंदर तनाव बना हुआ था। एन चंद्रशेखरन ने कहा, मैंने टाटा ग्रुप में अपने प्रोफेशनल जीवन के 40 साल पूरे कर लिए हैं। इस प्रतिष्ठित संस्थान में योगदान देने का मौका मिलना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा है और मैं इसके लिए आभारी हूँ। पिछले एक दशक से टाटा संस का नेतृत्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान और बड़ी ज़िम्मेदारी की बात रही है।

छात्रों की मांगों को सरकार ने एक सप्ताह में माना तो करेंगे अनशन : रघुवर दास

बिभा संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास बुधवार को जेपीएससी-जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्र-अभ्यर्थियों से मिलने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने आंदोलनकारी छात्रों से मुलाकात कर उनकी मांगों और अब तक चले आंदोलन की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार को दो टूक चेतावनी देते हुए छात्रों की मांगों पर एक सप्ताह में सकारात्मक निर्णय लेने का समय दिया।

मौके पर रघुवर दास ने कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर सरकार छात्रों की जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो वह स्वयं आंदोलन में उतरेंगे। उन्होंने घोषणा की कि एक सप्ताह बाद बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर अनशन शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।

लंबे समय से आंदोलन कर रहे छात्रों की मांगों को गंभीरता से लेकर सरकार को उचित समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उनकी समस्याओं का समाधान करे। विधानसभा मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि छात्रों के आंदोलन को दबाने के बजाय उनकी मांगों पर बातचीत कर समाधान निकालने की जरूरत है। रघुवर दास ने आंदोलनकारी छात्रों से कहा कि उनके भविष्य और अधिकार से जुड़े इस संघर्ष को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनके एक सप्ताह के अल्टीमेटम और इसके बाद अनशन की घोषणा से छात्र आंदोलन को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है।

रेलवन ऐप के डाउनलोड 4.76 करोड़ के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के रेलवन ऐप के डाउनलोड की संख्या 4.76 करोड़ से अधिक हो गई है और इस ऐप के माध्यम से रोजाना औसतन 10 लाख टिकट बुक किए जा रहे हैं। इनमें 2.79 लाख आरक्षित और 7.24 लाख अनारक्षित टिकट शामिल हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यात्रियों को आरक्षित और अनारक्षित टिकट मोबाइल फोन से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवन ऐप को 01 जुलाई 2025 को शुरू किया गया था।

रेलवन ऐप पर भारतीय रेलवे की यात्रियों से जुड़ी कई सेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराया गया है। इनमें आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट और प्लेटफॉर्म टिकट की बुकिंग, ट्रेन की जानकारी, पीएनआर की जानकारी और रेल मदद जैसी सेवाएं शामिल हैं। एक ही लॉगिन के जरिए इन सेवाओं का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे यात्रियों को अलग-अलग रेलवे ऐप डाउनलोड करने और कई पासवर्ड याद रखने की जरूरत नहीं पड़ती।

मंत्री ने बताया कि वर्ष 2000 में शुरू की गई राष्ट्रीय ट्रेन पूछताछ प्रणाली (एनटीईएस) यात्रियों को ट्रेन के चलने की लगभग वास्तविक समय की जानकारी उपलब्ध कराती है। इसमें ट्रेन के आने-जाने का समय, ट्रेन का समय-सारिणी, किसी ट्रेन की मौजूदा स्थिति और दो स्टेशनों के बीच चलने वाली ट्रेनों की जानकारी शामिल है।

सरकार संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन पर चर्चा को तैयार : शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा कि सरकार संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष से चर्चा कर इस विषय पर पर्याप्त समय आवंटित करने का अनुरोध किया है।

अमित शाह ने पत्र में कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में सरकार की ओर से संसद में नीट परीक्षा को लेकर छात्र आंदोलन के मुद्दे पर चर्चा के लिए सहमति दी है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के आग्रह पर पहले ही संसद के मौजूदा सत्र में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा हो चुकी है, जिसमें विपक्ष के किसी भी सांसद ने नीट परीक्षा के संबंध में सदन में कोई विचार व्यक्त नहीं किया। इसके बावजूद सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए फिर तैयार है।

गृहमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष से अनुरोध किया कि विपक्ष से चर्चा कर आपसी सहमति से आज से जितना समय और जितने घंटे उचित समझें, उतना समय इस मुद्दे पर चर्चा के लिए आवंटित किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय के दौरान वह सदन में उपस्थित रहकर इस मुद्दे पर चर्चा में भाग लेना चाहते हैं और विपक्ष के सभी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तैयार हैं।

शाह ने कहा कि लोकतंत्र में चर्चा और संवाद से ही समाधान निकलता है। उन्होंने कहा कि उन्हें लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं में अटूट विश्वास है और उनका मानना है कि सदन चर्चा और संवाद के लिए ही है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से विपक्ष के नेताओं से चर्चा कर इस महत्वपूर्ण विषय पर सदन में अच्छा वातावरण बनाने का आग्रह किया ताकि पक्ष और विपक्ष के सभी सदस्य इस मुद्दे पर अपने विचार प्रस्तुत कर सकें।

जनगणना-2027 की तैयारियां तेज, 31 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में मकान सूचीकरण का काम पूरा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में जनगणना-2027 की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। जनगणना के पहले चरण में मकान सूचीकरण और आवास गणना का काम 31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पूरा हो चुका है। बाकी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में यह काम सितंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनगणना के दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना की तैयारियां भी पूरी की जा रही हैं। भारत के राजपत्र में 03 अगस्त 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार, लद्दाख तथा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फबारी वाले इलाकों में जनसंख्या गणना 01 सितंबर से 30 सितंबर तक कराई जाएगी। इसके बाद 01 से 05 अक्टूबर तक दोबारा जांच और सुधार का काम किया जाएगा।

इन इलाकों के लोगों को 17 अगस्त से 31 अगस्त तक ऑनलाइन खुद जनगणना में जानकारी दर्ज करने की सुविधा भी दी जाएगी। जनगणना में पहली बार लोगों को यह ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

सरकार ने बताया कि जनगणना के पहले चरण में आंकड़े जुटाने के लिए मोबाइल एप और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर इस्तेमाल में लाए जा रहे हैं। इनमें जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली (सीएमएमएस) पोर्टल भी शामिल है।

जनगणना के दूसरे चरण के लिए भी डिजिटल उपकरण तैयार किए जा चुके हैं। इससे जनगणना के दौरान आंकड़े जुटाने और उनकी निगरानी की प्रक्रिया को अधिक आसान और प्रभावी बनाया जा सकेगा।

पहले चरण के लिए मास्टर ट्रेनर, फील्ड ट्रेनर, जनगणना कर्मचारी और पर्यवेक्षकों समेत जनगणना कर्मियों का प्रशिक्षण राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सहयोग से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा किया जा चुका है या जारी है।

सरकार ने जनगणना से जुड़े विभिन्न कार्यों के लिए अब तक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 4,102 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इस राशि का इस्तेमाल जनगणना कर्मियों के प्रशिक्षण, कर्मचारियों की व्यवस्था, तकनीकी ढांचे, जनगणना कर्मियों को मानदेय देने और अन्य जरूरी कार्यों में किया जा रहा है।

जनगणना-2027 में डिजिटल तकनीक के व्यापक इस्तेमाल और पहली बार ऑनलाइन खुद जनगणना में जानकारी देने की सुविधा से प्रक्रिया को पहले की तुलना में अधिक सरल और सुविधाजनक बनाने की तैयारी है।

राज्यसभा से राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक 2026 ध्वनिमत से पारित

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा ने बुधवार को करीब एक घंटे तक चली चर्चा के बाद राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इससे पहले यह विधेयक मंगलवार को लोकसभा से भी पारित हो चुका है। इस बीच कांग्रेस ने सदन से गृहमंत्री के सदन में जवाब की मांग को लेकर बहिर्गमन किया।

सहकारिता राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल द्वारा प्रस्तुत यह विधेयक राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) अधिनियम, 1962 में संशोधन करता है, जिससे सहकारी समितियों को सीधा वित्त पोषण और ऋण मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस संशोधन विधेयक का उद्देश्य राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की वित्तीय क्षमता और अधिकारों का विस्तार करना है ताकि वह सहकारी क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं और परियोजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से वित्तीय सहायता दे सके।

विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि देश में 8 लाख से अधिक सहकारी संस्थाएं हैं, जिनसे करीब 30 करोड़ लोग जुड़े हुए हैं। उन्होंने बताया कि सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद पिछले पांच वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि 3,000 करोड़ रुपये की लागत से देश की 80,000 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के कंप्यूटरीकरण का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक के कानून बनने से अब पात्र सहकारी समितियों और सहकारिता विकास से जुड़ी संस्थाओं को सीधे ऋण और वित्तीय सहायता प्रदान कर सकेगा।

निगम के सहायता दायरे में कृषि और पशुधन के अलावा प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद तथा केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित अन्य वस्तुएं भी शामिल की गई हैं। विभिन्न सहकारी संस्थाओं और विकास से जुड़ी इकाइयों की शेयर पूंजी में भी निवेश कर सकेगा। औद्योगिक वस्तुओं और संबंधित सेवाओं पर लागू कुछ पुराने भौगोलिक प्रतिबंध हटाए गए हैं, जिससे देशभर में सहकारी संस्थाओं तक वित्तीय सहायता पहुंचाना आसान होगा।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर डॉ मयंक मुरारी को राज्यपाल ने किया सम्मानित

समाज सेवा और आदिवासी लेखन के लिए मिला पुरस्कार

बिभा संवाददता

रांची। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने ग्रामीण विकास और आदिवासी तथा सृजनात्मक लेखन के लिए प्रदेश के चिंतक, लेखक और ग्रामीण विकास के सक्रिय प्रबंधक डॉ मयंक मुरारी को सम्मानित किया है।। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और एटसेक के संयुक्त माध्यम से आयोजित किया गया।

डॉ मयंक मुरारी ग्रामीण विकास के लिए समर्पित होने के बाद भी सृजनात्मक लेखन से समाज को दिशाा दे रहे है। आज उनके प्रयासों के कारण टाटीसिलवे के इर्द गिर्द के गांवों में स्वास्थ्य, शिक्षा आजीविका, मानव संसाधन पर लच्छित कार्यक्रम चले रहे हैं। कार्यक्रम में डॉ मयंक मुरारी को शाला ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर उनको प्रशिस्त पत्र भी प्रदान किया गया।

अनेक पुरस्कारों से सम्मानित हुए हैं डॉ मयंक मुरारी

रांची। झारखंड के चिंतक एवं आदिवासी विषय के लेखक डॉ मयंक मुरारी वर्ष 1991 लगातार लेखन, चिंतन और अध्यवसाय में लगे है। सार्वजनिक जीवन में लेखन एवं ग्रामीण विकास के कार्यों के लिए उनको कई सम्मान एवं पुरस्कार मिल चुका है। इनमें प्रमुख है- झारखंड विधानसभा से सृजनात्मक लेखन सम्मान, शब्दशिल्प सम्मान-जमशेदपुर लिटरेचर फेस्टिवल, तुलसी सारस्वत सम्मान- झारखंड, साहित्योदय का गौरव सम्मान, सिद्धनाथ कुमार साहित्य स्मृति सम्मान, साहित्य अकादमी रामदयाल मुंडा कथेतर सम्मान, जयशंकर प्रसाद सम्मान, जुसारू-मीडिया का सृजनात्मक लेखन के लिए सम्मान, प्रभात खबर का झारखंड गौरव सम्मान, विद्यावाचस्पति सम्मान, एक्सीलेंस इन विलेज डेवलपमेंट-दी टाइम्स ऑफ इंडिया, क्वालिटी एडुकेशन फॉर ट्राइबल चिल्डेज्न-वनबंधु परिषद, और झारखंड रत्न प्रमुख है।

डा मयंक मुरारी एक विचारक और सक्रिय लेखक हैं। उनके संपूर्ण लेखन का उद्देश्य भारतीय जीवन और संस्कृति की ज्ञानात्मक समृद्धि से परिचय कराना, इतिहास, परंपरा और विरासत का वैज्ञानिक विश्लेषण करना और लोकजीवन में निहित नैतिक एवं जीवन मूल्यों को प्रस्तुत करना है। प्राचीन भारत की ज्ञान परंपरा के उपयोगी एवं अनुकरणीय तत्वों का वर्तमान सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में उसकी उपयोगिता एवं आवश्यकता पर चिंतन व शोध करते है। उन्होंने 30 सालों में अभी तक 20 से अधिक किताबें और 700 से अधिक रिपोर्ट, भारतीय समाचार पत्र और पत्रिका में लिख चुके हैं। वह उषा मार्टिन में महाप्रबंधक सीएसआर और पीआर के रूप में काम कर रहे हैं, जहां पिछले 15 सालों से गांवों के टिकाऊ विकास के प्रति संकल्पित है। वह हमारे समाज की सामूहिक जागरूकता के लिए विभिन्न मंचों से व्याख्यान भी देते है।

हेलमेट लगाओ अभियान से इटकी में सड़क सुरक्षा का संदेश

बिभा संवाददाता

इटकी : इटकी प्रशासन एवं नवां बिहान क्लब के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को हेलमेट लगाओ अभियान चलाया गया।अभियान की शुरूआत इटकी थाना परिसर से थाना प्रभारी शिव नारायण तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर की। अभियान के दौरान इटकी मोड़, साहेब मोड़, तिरविंदा चौक और इटकी स्टेशन तक लोगों को हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों को समझाइश दी। वहीं, नाबालिगों के दोपहिया चलाने और ट्रिपल लोडिंग के मामलों में भी लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। नवां बिहान क्लब के सदस्यों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य कार्रवाई करना नहीं, बल्कि लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और हेलमेट पहनने की आदत को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में थाना अधिकारी सहित पुलिस टीम और क्लब के सदस्य विनोद सिन्हा, किशोर गोप, संदीप, अजय गोप, शिशु गोप, नरुल हक, प्रीति, तलिता, शीला, किरण, आसिया, गीतांजलि, अनुपम, प्रीतम, अरुण, आरिफ, मोहम्मद शेखावत, इजाउल हक एवं साकेत शामिल रहे।

यूसीआईएल विस्थापितों के हक के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले, विधायक संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका विधायक संजीव सरदार ने यूसीआईएल के तुरामडीह, नरवा, जादूगोड़ा, बांदूहुड़ांग एवं बागजामदा माइंस से प्रभावित एवं विस्थापित परिवारों की लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। विधायक ने मुख्यमंत्री से मामले में हस्तक्षेप करते हुए केंद्र सरकार के समक्ष विस्थापितों के मुद्दे को उठाने और उन्हें उनका हक दिलाने की मांग की। इस दौरान घाटशिला विधायक सोमेश सोरेन एवं बहरागोड़ा विधायक समीर मोहंती भी मौजूद रहे। विधायक ने मुख्यमंत्री को बताया कि कई परिवारों ने यूसीआईएल की परियोजनाओं के लिए अपनी जमीन दी और विस्थापित हुए, लेकिन अब तक उन्हें नौकरी नहीं मिली। वहीं नौकरी के दौरान जिन विस्थापितों की मृत्यु हो गई, उनके आश्रितों को भी नौकरी नहीं दी गई। कई कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन उनके आश्रित रोजगार के इंतजार में हैं, जबकि परिवार की जमीन परियोजना के लिए चली गई। उन्होंने रोजगार के साथ पुनर्वास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की मांग विधायक संजीव सरदार ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि यू सीआईएल के साथ पूर्व में कई दौर की वार्ता एवं जिला प्रशासन के स्तर पर त्रिपक्षीय वार्ता हो चुकी है। समझौते में बिंदुओं पर सहमति बनने के बावजूद बाद में उन्हें लागू नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि कंपनी द्वारा कागज पर सहमति जताने के बाद भी धरातल पर कार्रवाई नहीं होने से विस्थापितों में निराशा है। ऐसे में मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से ही केंद्र सरकार के समक्ष मामला मजबूती से रखकर विस्थापितों को उनका वास्तविक अधिकार दिलाया जा सकता है।

विधायक ने कहा कि जिन परिवारों ने विकास और देशहित की परियोजनाओं के लिए अपनी जमीन दी है, उनके साथ न्याय होना चाहिए। लंबित रोजगार एवं आश्रितों के नौकरी के मामलों का नियमानुसार शीघ्र निष्पादन होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री के स्तर से पहल के बाद विस्थापित परिवारों की वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने कहा की इस मामले में जल्द ही सरकार की ओर से पहल की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

सीजीपीसी के पूर्व प्रधान महेंद्र सिंह बोझां की स्मृति में शोक सभा आयोजित

जमशेदपुर(बिभा) : सीजीपीसी के पूर्व प्रधान स्वर्गीय महेंद्र सिंह बोझा की स्मृति में सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक के कमेटी कार्यालय में एक शोक सभा का आयोजन किया गया शोक सभा मे सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ,सभी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटीया, सेंट्रल सिख स्त्री सत्संग सभा, सेंट्रल नौजवान सभा, नमदा बस्ती स्त्री सत्संग सभा, रंगरेट महासभा एवं स्वर्गीय महेंद्र सिंह के परिवार के लोग शामिल हुए। श्री हरि मंदिर जी पटना साहिब के महासचिव इंद्रजीत सिंह सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान भगवान सिंह चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह गुरमीत सिंह वरीय उपाध्यक्ष नरेंद्र पाल सिंह सुखविंदर सिंह राजू गुरमेल सिंह महासचिव अमरजीत सिंह गुरचरण सिंह बिल्ला कोषाध्यक्ष गुरनाम सिंह बेदी मुख्य सलाहकार हरविंदर सिंह मंटू अजीत सिंह गंभीर रंगरेटा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मनजीत सिंह गिल सोनारी गुरुद्वारा के प्रधान बलवीर सिंह प्रधान लखविंदर सिंह प्रधान रविंद्र सिंह प्रधान परमजीत सिंह रोशन प्रधान रणजीत सिंह माथारू प्रधान दलजीत सिंह प्रधान सतबीर सिंह प्रधान इंद्रजीत सिंह प्रधान दलबीर सिंह प्रधान महेंद्र पाल सिंह प्रधान सुरेंद्र सिंह प्रधान मलकीत सिंह प्रधान बलकार सिंह रामगढ़िया सभा उपाध्यक्ष सतविंदर सिंह बब्बू मनजीत सिंह मलटू सलाहकार हरदीप सिंह सिंगारा सिंह सुखदेव सिंह बिट्टू सुरेंद्र सिंह शिंदे अजीत सिंह सरबजीत सिंह ग्रेवाल समाजसेवी रॉकी सिंह सिमरन भाटिया ओंकार सिंह मनमोहन सिंह रणजीत सिंह गुरदीप सिंह सुखविंदर सिंह सेंट्रल नौजवान सभा के महासचिव सुखवंत सिंह सुक्कू रणजीत सिंह सेंट्रल सेंट्रल स्त्री सत्संग सभा की प्रधान रविंदर कौर चेयरमैन कमलजीत कौर उपाध्यक्ष पलविंदर कौर बलविंदर कौर महासचिव सुखवंत कौर समाजसेवी कमलजीत कौर गिल चरणजीत कौर भाटिया आशा कौर बेबी कार मनजीत कौर जसबीर कौर पाली कौर सुखविंदर कौर समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

सुनील गुप्ता के प्रयास से लोगों को मिली राहत, करीब 50 घरों में जलापूर्ति भी बहाल

जमशेदपुर(बिभा)। बागबेड़ा कॉलोनी पंचायत के पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता के लगातार प्रयास एवं पीएचईडी विभाग के कार्यपालक अभियंता से किए गए पत्राचार के बाद बागबेड़ा कॉलोनी के कुंवर सिंह मैदान, रोड नंबर-3 के समीप मुख्य सड़क पर महीनों से पड़ा कचरे एवं मलबे का ढेर हटा दिया गया। कचरा हटने से स्थानीय लोगों को आवागमन में राहत मिली है। बताया गया कि उक्त क्षेत्र के करीब 50 घरों में लंबे समय से सप्लाई वाले पानी की समस्या थी। पीएचईडी विभाग द्वारा पाइपलाइन इंटरकनेक्शन का कार्य पूरा कर जलापूर्ति बहाल कर दी गई। कार्य के दौरान सड़क पर जमा हुए कचरे एवं मलबे को नहीं हटाए जाने से लोगों को परेशानी हो रही थी। इस मामले को लेकर पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने पीएचईडी विभाग के कार्यपालक अभियंता से लगातार पत्राचार कर संवेदक से सड़क की सफाई कराने की मांग की। इसके बाद संवेदक द्वारा मुख्य सड़क से कचरे एवं मलबे का ढेर हटा दिया गया। स्थानीय लोगों ने कचरा हटाए जाने पर राहत जताते हुए सुनील गुप्ता के प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया।

टाटा स्टील के लैंड डिपार्टमेंट ने जिला प्रशासन के सहयोग से सिदगोड़ा पेट्रोल पंप के पास अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया

जमशेदपुर(बिभा): टाटा स्टील के लैंड डिपार्टमेंट ने आज जिला प्रशासन और पुलिस के सहयोग से जमशेदपुर के सिदगोड़ा पेट्रोल पंप के पास अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। सिदगोड़ा पेट्रोल पंप के पास स्थित लगभग 17,000 वर्ग फुट की उक्त भूमि वर्तमान में न्यायालय के विचाराधीन है और यह मामला सक्षम न्यायालय में उप-न्यायिक प्रक्रिया के तहत लंबित है। हाल के दिनों में उक्त स्थान पर अवैध कब्जे की गतिविधियों की जानकारी मिली थी। कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा जमीन पर कब्जा करने और बिना अनुमति के काम करने की कोशिश की जा रही थी, जिसमें चारदीवारी का निर्माण भी शामिल था। टाटा स्टील के लैंड डिपार्टमेंट ने बिना अनुमति बनाई गई चारदीवारी को हटाने और कंपनी की जमीन वापस लेने के लिए जिला प्रशासन से सहयोग मांगा। इसके तहत, धालभूम के एसडीओ ने अतिक्रमण की गई जमीन को खाली कराने का आदेश दिया। मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती की गई। यह कार्रवाई जिला प्रशासन के निर्देश और लागू कानूनी प्रावधानों के अनुसार की गई। टाटा स्टील न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करती है और पुनः स्पष्ट करती है कि जमीन से जुड़े सभी मामलों को देश के कानून के अनुसार ही निपटाया जाएगा। कंपनी की संपत्ति की सुरक्षा और अतिक्रमण रोकने के लिए टाटा स्टील जिला प्रशासन और कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों को हर जरूरी सहयोग और समर्थन देती रहेगी।

स्वच्छ एवं सुंदर बेड़ो के लिए उमंग यूथ क्लब ने चलाया व्यापक स्वच्छता अभियान

बच्चों, युवाओं, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा, जागरूकता रैली निकालकर स्वच्छता का दिया संदेश

बिभा संवाददाता

बेड़ो। स्वच्छ एवं सुंदर बेड़ो के निर्माण तथा लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उमंग यूथ क्लब के तत्वावधान में बुधवार को व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का शुभारंभ बेड़ो पंचायत की मुखिया सुशांति भगत ने किया।

अभियान में विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान बेड़ो शहर की सड़कों की सफाई की गई। वहीं विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। रैली में डीएवी स्कूल, मॉडल स्कूल, प्रोजेक्ट स्कूल और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

रैली के माध्यम से लोगों से कचरा निर्धारित स्थान पर डालने, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की अपील की गई। अभियान में बेड़ो के प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल उरांव का विशेष सहयोग रहा।

उमंग यूथ क्लब के रंजन, शशि, पवन, आरती, सृष्टि, कंचन, सुहानी, निफत, दिव्या, अस्निति, खुशी, प्रभा, प्रतीक, यश, अनमोल और नमन ने अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। अभियान को सफल बनाने में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन का भी सहयोग रहा।

आयोजकों ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नियमित जिम्मेदारी है। बच्चों, युवाओं, प्रशासन, विद्यालयों और समुदाय की सामूहिक भागीदारी से ही बेड़ो को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाया जा सकता है।

डॉ इरफान अंसारी से मिले विधायक संजीव सरदार, पोटका विधानसभा में स्वास्थ्य सुविधाओं के उद्घाटन का दिया निमंत्रण

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका विधायक संजीव सरदार ने रांची स्थित मंत्रालय में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री इरफान अंसारी से मुलाकात कर पोटका विधानसभा क्षेत्र के डुमरिया, पोटका सीएचसी समेत अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं के उद्घाटन के लिए आग्रह किया। विधायक के आग्रह पर स्वास्थ्य मंत्री ने सहमति जताते हुए कहा कि वे स्वयं मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। विधायक संजीव सरदार ने कहा कि डुमरिया समेत पूरे पोटका विधानसभा क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। विधायक श्री सरदार ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में स्वास्थ मंत्री डॉ इरफान अंसारी के साथ राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। डुमरिया में अत्याधुनिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण इसी सोच का परिणाम है, जिससे क्षेत्र के हजारों लोगों को बेहतर इलाज की सुविधा स्थानीय स्तर पर मिलेगी।

डीएवी विवेकानंद के बच्चों ने उठाई झाड़ू, दिया स्वच्छ बेड़ो-सुंदर बेड़ो का संदेश स्वच्छता से ही स्वस्थ समाज की नींव : कैलाश

बिभा संवाददाता

बेड़ो। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देते हुए बुधवार को डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, बेड़ो के विद्यार्थियों ने बेड़ो चौक से बिनय बगीचा तक वृहद स्वच्छता अभियान चलाया। उमंग युवा क्लब, बेड़ो के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अभियान में स्कूली बच्चों, शिक्षकों और स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अभियान की शुरूआत बेड़ो चौक स्थित गुमला रोड से हुई। विद्यार्थियों ने हाथों में झाड़ू और कचरा संग्रह करने वाले थैले लेकर सड़क किनारे फैले प्लास्टिक एवं अन्य कचरे को एकत्र कर साफ-सफाई की। बच्चों के हाथों में स्वच्छता से जुड़े स्लोगन और रंग-बिरंगे पोस्टर भी थे। पोस्टरों के माध्यम से राहगीरों और दुकानदारों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए अपने आसपास साफ-सफाई रखने का संदेश दिया गया।

विद्यालय के निदेशक कैलाश कुमार ने बच्चों और युवाओं के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल आदत नहीं, बल्कि जीवन का महत्वपूर्ण संस्कार है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास का वातावरण स्वच्छ रखे तो स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बचपन से स्वच्छता की आदत बच्चों में जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करती है।

उमंग युवा क्लब के नेतृत्व में आयोजित अभियान में विद्यालय के शिक्षक और बेड़ो के युवाओं ने भी बच्चों के साथ कदम से कदम मिलाया। चौक-चौराहों और मुख्य मार्ग पर सफाई करते बच्चों को देखकर स्थानीय लोगों ने उनके प्रयास की सराहना की। इस दौरान लोगों ने भी अपने घर और दुकानों के आसपास नियमित रूप से साफ-सफाई बनाए रखने का संकल्प लिया।

संत जगत ज्ञान एम.एम. पब्लिक स्कूल में पाक-कला खाद्य मेले का आयोजन

विद्यार्थियों ने स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर दिखाई पाक-कला व रचनात्मक प्रतिभा: संदीप कुमार राज

बिभा संवाददाता

बेड़ो। संत जगत ज्ञान एम.एम. पब्लिक स्कूल में बुधवार को आकर्षक एवं आनंदमय पाक-कला खाद्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए और अपनी पाक-कला, रचनात्मकता एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए विभिन्न खाद्य स्टॉल मेले में आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे। विद्यार्थियों ने स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ-साथ उनकी आकर्षक प्रस्तुति पर भी विशेष ध्यान दिया। इस आयोजन के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता, टीमवर्क, जिम्मेदारी, अनुशासन, प्रस्तुति कौशल एवं आत्मनिर्भरता जैसे महत्वपूर्ण गुणों को सीखने का अवसर मिला।

कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में विद्यालय के प्रधानाचार्य संदीप कुमार राज एवं भावना मैम की उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए व्यंजनों की गुणवत्ता, स्वाद, स्वच्छता, प्रस्तुति एवं रचनात्मकता का मूल्यांकन किया। निर्णायकों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य संदीप कुमार राज ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पाक-कला मेले के माध्यम से बच्चों को केवल भोजन बनाने का ही नहीं, बल्कि स्वच्छता, जिम्मेदारी, सहयोग, अनुशासन और आत्मनिर्भरता का भी व्यावहारिक ज्ञान मिलता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए इस तरह के मंच मिलना जरूरी है। विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उनके उत्साह, मेहनत और रचनात्मकता के लिए बधाई दी गई। खाद्य मेला विद्यार्थियों के लिए सीखने, आनंद लेने और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का शानदार अवसर साबित हुआ।

केपीएस कदमा बना यूनेस्को अस्पनेट से जुड़ने वाला झारखंड का पहला स्कूल

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : के पी एस पब्लिक स्कूल (केपीएस), कदमा ने शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। 6 मार्च 2026 को यूनेस्को, पेरिस से आधिकारिक प्रमाण पत्र प्राप्त कर यह स्कूल यूनेस्को एसोसिएटेड स्कूल्स नेटवर्क (अस्पनेट) में शामिल होने वाला झारखंड का पहला शैक्षणिक संस्थान बन गया है। 167 देशों के लगभग 10,000 चुनिंदा संस्थानों वाले इस वैश्विक नेटवर्क में भारत के केवल 81 मेंबर शामिल हैं। 2024 (ग्लोबल कनेक्ट): छात्रों ने अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, तुर्की, अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के विद्यार्थियों के साथ विचार साझा किए। यूनेस्को ऑनलाइन कैंपस के जरिए सस्टेनेबिलिटी और रीजेनरेटिव इकोनॉमिक्स जैसे गंभीर विषयों पर संवाद किया। 2025 (क्लाइमेट एक्शन): ह्यग्लेशियर संरक्षण के अंतरराष्ट्रीय वर्षह्ल के तहत ह्लबर्फ की सख्त जरूरत है झ अभी कार्रवाई करें !ह्ल और ह्लक्लासरूम टू क्लाइमेट एक्शन क्रुसेडर्स" अभियान चलाया गए। ह्यसोलर मैन ऑफ इंडियाह्ल डॉ. चेतन सिंह सोलंकी और अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की ग्लेशियोलॉजिस्ट प्रो. रेम्या नंबूदरी जैसे विशेषज्ञों को सीधे छात्रों से जोड़ा गया। 2026 में राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा करते हुए केपीएस कदमा ने अस्पनेट की आधिकारिक सदस्यता हासिल की।कक्षा की दीवारों से परे वैश्विक अवसर स्कूल का मानना है कि इस उपलब्धि का असली मूल्य केवल प्रमाण पत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे छात्रों के लिए खुलने वाले नए अवसरों में है। केपीएस कदमा ने दक्षिण एशिया के लिए यूनेस्को के क्षेत्रीय निदेशक श्री टिम कर्टिस के साथ अपने छात्र पॉडकास्ट और शैक्षणिक दृष्टिकोण साझा किए हैं। इसके अलावा, दुनिया की शीर्ष पांच महिला वैज्ञानिकों में शामिल दो दिग्गजों (जिनमें दक्षिण अफ्रीका की प्रोफेसर लीजल जुहिके शामिल हैं) के साथ छात्रों का सीधा संवाद तय हुआ है। इस पहल ने यह साबित किया है कि सही मार्गदर्शन से स्थानीय क्लासरूम को वैश्विक मंच से जोड़कर विद्यार्थियों को भविष्य के नेतृत्व के लिए तैयार किया जा सकता है।इस अवसर पर शरत चंद्रन नायर, निदेशक, केरल पब्लिक स्कूल सुश्री शांता वैद्यनाथन, एसोसिएट डायरेक्टर, केरल पब्लिक स्कूल्स सुश्री लक्ष्मी आर, एकेडमिक डायरेक्टर, केरल पब्लिक स्कूल्स मनमोहन सिंह, विद्यालय प्रबंधन समिति राघवन सोमनाथ, सुश्री शर्मिला मुखर्जी, प्राचार्या, केरला पब्लिक स्कूल कदमा सुश्री अलामेलु रविशंकर, प्रधानाध्यापिका, केरला पब्लिक स्कूल कदमा शामिल हुए

नरकोपी में इजान स्टोर्स की नई शुरूआत, ग्राहकों को मिलेगी बेहतर सुविधा : मुदस्सिर हक

बिभा संवाददाता

नरकोपी। मेन रोड स्थित कब्रिस्तान मोहल्ला, नरकोपी में इजान स्टोर्स का शुभारंभ बुधवार को हर्षोल्लास के साथ हुआ। प्रतिष्ठान का उद्घाटन रिबन काटकर बेड़ो उपप्रमुख सह मंत्री प्रतिनिधि मुदस्सिर हक, फैमिली केयर हॉस्पिटल बेड़ो की मार्केटिंग मैनेजर संगीता खलखो, करकरी पंचायत की मुखिया सरिता एक्का, करकरी पंचायत के सरपंच मकबूल अंसारी एवं रविंदर प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया।

उद्घाटन समारोह के अवसर पर इजान स्टोर्स की ओर से अली मेडिको एंड बेसिक हेल्थ केयर में निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इसका स्थानीय लोगों ने लाभ उठाया।

इस अवसर पर इजान स्टोर्स के प्रोपराइटर मोहम्मद मसूद राजा ने कहा कि प्रतिष्ठान खोलने का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को रोजमर्रा की आवश्यक घरेलू वस्तुएं, कॉस्मेटिक्स, स्टेशनरी, सिलाई सामग्री सहित अन्य जरूरी सामान उचित एवं किफायती कीमतों पर एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों की सुविधा और संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने उद्घाटन समारोह में शामिल सभी अतिथियों, शुभचिंतकों एवं स्थानीय लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग और शुभकामनाओं से प्रतिष्ठान की नई शुरूआत को नई ऊर्जा मिली है। मौके पर वसीम जौहर, मोहम्मद अतीक, तबरेज आलम, सरताज अंसारी, शमीम अंसारी, इरशाद अंसारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समारोह का समापन आपसी सौहार्द, शुभकामनाओं और क्षेत्र के लोगों की सेवा के संकल्प के साथ हुआ।

रांची में कांग्रेस मंत्रियों का भाजपा पर पलटवार : कहा- छात्रों की आड़ में राजनीति कर रही है भाजपा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार के मंत्रियों ने गुरुवार को रांची स्थित कांग्रेस भवन में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन कर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के आरोपों का कड़ा खंडन किया है। मंत्रियों ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार छात्रों के मुद्दे पर पूरी तरह गंभीर है और बातचीत के जरिए समाधान चाहती है, जबकि भाजपा राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए इस शांतिपूर्ण आंदोलन को हिंसक रूप देने का प्रयास कर रही है।

मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि सरकार विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार थी, लेकिन भाजपा विधायकों ने सुबह 7 बजे से ही मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरना देकर यह स्पष्ट कर दिया कि उनकी मंशा चर्चा करने की नहीं है। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन ने काफी संयम बरता है, जबकि छात्रों ने भी खुद स्वीकार किया है कि आंदोलन में कुछ बाहरी उपद्रवियों ने घुसकर हिंसा फैलाई। उन्होंने भाजपा को उसका इतिहास याद दिलाते हुए कहा कि बाबूलाल मरांडी के कार्यकाल में 2001 में कोयलकारो में प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलवाई गई थीं, जिसमें 8 लोगों की मौत हुई थी। अर्जुन मुंडा और रघुवर दास के समय भी पुलिसिया कार्रवाई में प्रदर्शनकारियों की जान गई है। संवाददाता सम्मेलन में झारखंड प्रदेश मीडिया एवं कम्युनिकेशन विभाग के राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ. एम तौसीफ, प्रवक्ता सोनाल शांति, कलम ठाकुर, उज्ज्वल तिवारी, मृदुल राज और मो. खालिद मुख्य रूप से उपस्थित थे।

सीबीआई जांच का ट्रैक रिकॉर्ड शून्य: दीपिका पांडेय

सरकार की ओर से वार्ता दल का हिस्सा रहीं मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने सीबीआई जांच की मांग पर कड़े आंकड़े पेश किए। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों की हर मांग पूरी करना चाहती है, लेकिन सीबीआई का ट्रैक रिकॉर्ड निराशाजनक है। 2015 से अब तक सीबीआई को NEET UG, UGC-NET, SSC CGL सहित 17 परीक्षाओं की जांच सौंपी गई है, लेकिन प्रगति शून्य है। अब तक केवल एक मामले (हरियाणा न्यायिक सेवा) में सजा हुई है और वह जांच भी चंडीगढ़ एसआईटी ने की थी, सीबीआई ने नहीं।

बीमार छात्रों का हो रहा मुफ्त इलाज: डॉ. इरफान अंसारी

मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी पर आरोप लगाना 'चांद पर थूकने' के बराबर है। राहुल गांधी आज पूरे देश में छात्रों की मजबूत आवाज बनकर उभरे हैं और झारखंड के लिए भी उनका संदेश स्पष्ट है कि वे हिंसा के खिलाफ हैं और संवाद से समाधान चाहते हैं। स्वास्थ्य मंत्री के तौर पर डॉ. अंसारी ने बताया कि आंदोलन के दौरान बीमार पड़ रहे छात्रों का उनकी देखरेख में मुफ्त इलाज किया जा रहा है और वह नियमित रूप से उनसे मिल भी रहे हैं।

हताशा में बयानबाजी कर रही भाजपा: शिल्पी नेहा तिर्की

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राहुल गांधी ने सीधे आंदोलनकारी छात्रों से बात की है और किसी भी तरह की पुलिस कार्रवाई की निंदा की है, जिससे भाजपा हताश और निराश हो गई है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जो पार्टी आज छात्रों की हितैषी होने का दिखावा कर रही है, उसी ने अपने शासनकाल में पत्थलगड़ी आंदोलन के दौरान 10 हजार से अधिक आदिवासी युवाओं पर राष्ट्रद्रोह के मुकदमे लाद दिए थे। सरकार छात्रों के साथ है और राज्य का अमन-चैन बिगाड़ने के भाजपा के हर प्रयास को विफल कर देगी।

मंत्री शिल्पी ने सदर अस्पताल में देवेंद्रनाथ का लिया हालचाल

बिभा संवाददाता

रांची। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की बुधवार को सदर अस्पताल पहुंचीं और वहां इलाजरत छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान मंत्री के साथ उनकी जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों और छात्रों के आंदोलन को लेकर भी चर्चा हुई।

इसके बाद कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी और खिजरी विधायक राजेश कच्छप भी सदर अस्पताल पहुंचे। दोनों विधायकों ने देवेंद्रनाथ महतो से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का हाल जाना और चिकित्सकीय स्थिति की जानकारी ली। मुलाकात के दौरान आंदोलन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी बातचीत हुई। देवेंद्रनाथ महतो ने जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, छात्रों की मांगों और आंदोलन की वर्तमान स्थिति से मंत्री एवं विधायकों को अवगत कराया।

उल्लेखनीय है कि देवेंद्रनाथ महतो जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ विगत 10 अगस्तत 2026 को विधानसभा मार्च में हुई लाठीजार्च के बाद देवेन्द्रानाथ महतो को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के दौरान स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए 311 अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी नियुक्त

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के कार्यों में तेजी लाने और मतदाताओं की सुविधा के लिए 311 अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य के सभी जिलों से प्राप्त प्रस्तावों को अपनी स्वीकृति दे दी है। इन पदाधिकारियों की नियुक्ति से आवेदनों की सुनवाई, नोटिस जारी करने, दस्तावेजों के सत्यापन और मामलों के पारदर्शी व त्वरित निष्पादन में बड़ी मदद मिलेगी।

इस विशेष अभियान के तहत नोटिस और क्लेम-ऑब्जेक्शन से जुड़े मामलों का निस्तारण 5 अगस्त से 3 अक्टूबर 2026 के बीच समयबद्ध तरीके से किया जाएगा। वहीं, मतदाता सूची में विसंगतियों, नो-मैप और अन्य त्रुटियों को सुधारने के लिए 24 अगस्त से विशेष सुनवाई की प्रक्रिया शुरू होगी। नियुक्त किए गए ये अधिकारी डोर-टू-डोर सत्यापन कर यह सुनिश्चित करेंगे कि एक परिवार के सभी मतदाताओं का नाम एक ही मतदान केंद्र पर हो, कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से न छूटे और किसी भी विदेशी नागरिक का नाम इसमें न जुड़ पाए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि इन अधिकारियों की नियुक्तियां विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 की पूरी प्रक्रिया संपन्न होने तक प्रभावी रहेंगी।

संक्षिप्त खबरें

मारवाड़ी कॉलेज में 'वंदे मातरम राष्ट्रगीत गायन अभियान' की शुरूआत

रांची(बिभा)। मारवाड़ी महाविद्यालय की एनसीसी कंपनी द्वारा बुधवार को कॉलेज परिसर में ₹वंदे मातरम्‍ राष्ट्रगीत गाना अभियान₹ का शुभारंभ किया गया। यह देशभक्ति से ओत-प्रोत अभियान आगामी 14 अगस्त तक चलेगा। 3- झारखंड बटालियन एनसीसी के निदेर्शानुसार इस कार्यक्रम का नेतृत्व 2- मारवाड़ी महाविद्यालय एनसीसी कंपनी के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. अवध बिहारी महतो ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने सभी एनसीसी कैडेटों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रगीत हमारे भीतर राष्ट्रप्रेम की भावना को बढ़ाता है। यह पूरे राष्ट्र को एकजुट करने की एक अहम पहल है, जिसे सफल बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। वहीं, लेफ्टिनेंट डॉ. अवध बिहारी महतो ने कैडेटों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि राष्ट्रगीत का सम्मान सीधे तौर पर हमारे राष्ट्र का सम्मान है। यह गीत हमारी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है, इसलिए इसे गाते या सुनते समय सम्मानस्वरूप खड़ा होना चाहिए। इस मौके पर वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. शहाबुद्दीन और डॉ. उमेश कुमार ने भी इस राष्ट्र-समर्पित कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। अभियान के आयोजन और इसे सफल बनाने में सीनियर कैडेट अमित कुमार सिंह, कुमार शानू, विशाल कुमार, सूरज मरांडी, कैडेट अंजली तिग्गा, गुलाब कुमार, रोहिता एक्का, दिव्या कुमारी, सत्यम कुमार पाण्डेय, लक्षिता कश्यप, श्रीशा मनु, मनीता उरांव, रिया कुमारी और पंकज तिर्की सहित अन्य कैडेट्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

डिबडीह में जलजमाव की सूचना पर महापौर ने किया स्थल निरीक्षण

रांची(बिभा)। डिबडीह क्षेत्र में जलजमाव की सूचना मिलने पर रांची नगर निगम की महापौर रोशनी खलखो ने निगम के अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में जलजमाव की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। महापौर के निर्देश पर निगम की टीम ने तत्काल नालियों की सफाई एवं जलनिकासी की व्यवस्था शुरू कराई, जिससे जलजमाव की समस्या के त्वरित समाधान का प्रयास किया गया। रांची नगर निगम के कर्मी क्षेत्र में लगातार कार्यरत हैं और जलजमाव की स्थिति वाले स्थानों को चिन्हित कर आवश्यकतानुसार नालियों की सफाई, जलनिकासी एवं अन्य जरूरी कार्य कराए जा रहे हैं।

विधानसभा घेराव मामले में पुलिस का बड़ा एक्शन, 600 प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर दर्ज

रांची(बिभा)। जेपीएससी परीक्षाओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर झारखंड विधानसभा का घेराव करने वाले प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। घेराव के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प के मामले में करीब 100 नामजद और 500 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। पुलिस ने इन प्रदर्शनकारियों पर सरकारी काम में बाधा डालने, पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट, अभद्र व्यवहार और पथराव करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही, 8 अगस्त को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा निकाले गए मार्च को लेकर भी रांची के लालपुर थाने में एक अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं, सोमवार को मुख्यमंत्री आवास के घेराव के दौरान पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए भारतीय जनता पार्टी के करीब 102 नेताओं और कार्यकताओं को निजी मुचलके पर छोड़ दिया गया है। पुलिस प्रशासन के अनुसार, इन सभी मामलों की फिलहाल गहनता से जांच की जा रही है और उपद्रव करने वालों की पहचान कर आगे की उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रांची विश्वविद्यालय में एम.ए. एजुकेशन में नामांकन प्रारंभ

रांची(बिभा)। रांची विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन में सत्र 2026 -28 से एम.ए. एजुकेशन कोर्स की शुरूआत की जा रही है। एम.ए. एजुकेशन कोर्स में नामांकन चांसलर पोर्टल के माध्यम से होगा। किसी भी विषय में 45 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक योग्यता रखने वाले छात्र-छात्राएं नामांकन हेतु ऑनलाइन आवेदन 14 अगस्त 2026 से 22 अगस्त 2026 तक कर सकते है। दो वर्षीय एम.ए.एजुकेशन कोर्स के प्रथम वर्ष का शुल्क बीस हजार रुपए है। इस कोर्स में कुल 60 सीटें है। जिसमे नामांकन हेतु झारखण्ड सरकार के आरक्षण रोस्टर का पालन किया जाएगा।

रिम्स में यूजी की 250 और पीजी की 275 सीटें करने की तैयारी, 830 करोड़ की योजनाओं पर चर्चा

बिभा संवाददाता

रांची। रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में मेडिकल शिक्षा के विस्तार और अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार को लेकर बुधवार को नेपाल हाउस में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में मेडिकल सीटों में वृद्धि के साथ आधारभूत संरचना के विस्तार, मरीजों की भर्ती-डिस्चार्ज व्यवस्था और संस्थान की नियमावली में बदलाव को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर चर्चा हुई। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि रिम्स में यूजी सीटों की संख्या 180 से बढ़ाकर 250 करने की तैयारी है। इसके लिए डीपीआर तैयार की जा रही है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने सीट वृद्धि के लिए सैद्धांतिक रूप से शर्तों के साथ मंजूरी दी है। वहीं, पीजी सीटों को 176 से बढ़ाकर 275 और पोस्ट-पीजी सीटों को 11 से बढ़ाकर 100 करने के लिए भी डीपीआर तैयार करने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सीटों में वृद्धि के अनुरूप रिम्स के पुराने आईपीडी, ओपीडी और एकेडमिक ब्लॉक के रेनोवेशन एवं विस्तार की जरूरत होगी। इन कार्यों का प्रस्ताव सेंट्रल स्पॉन्सर्ड स्कीम के तहत भेजा जाएगा। इन पर करीब 380 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। रिम्स के नॉर्थ और साउथ कैंपस स्थित हॉस्टल एवं क्वार्टर के रेनोवेशन को भी इस योजना में शामिल किया जाएगा।

पीजी एवं पोस्ट-पीजी हॉस्टल और स्टेडियम कॉम्प्लेक्स के विकास का प्रस्ताव पीपीपी मोड में तैयार किया जा रहा है। इन कार्यों पर करीब 450 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

बैठक में मरीजों के एडमिशन और डिस्चार्ज के लिए स्पष्ट एसओपी तैयार करने का निर्देश दिया गया। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि उपचार पूरा होने के बाद चिकित्सकीय सलाह के अनुसार मरीजों को समय पर डिस्चार्ज किया जाए, ताकि गंभीर मरीजों के लिए बेड उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बिना रेफरल मरीजों की भर्ती को नियंत्रित करने और केवल आवश्यक मामलों में ही भर्ती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इसके अलावा 2014 की रिम्स नियमावली को वर्तमान जरूरतों के अनुरूप पुनर्गठित करने तथा स्वीकृत एवं कार्यरत पदों की संरचना की समीक्षा करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में अपर सचिव शशि प्रकाश सिंह, रिम्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. डीके सिन्हा, सहायक निदेशक बाघमारे प्रसाद कृष्ण सहित रिम्स एवं स्वास्थ्य विभाग के कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

राहुल गांधी छात्रों की मांगें पूरी कराएं या हेमंत सरकार से समर्थन वापस लें: आदित्य साहू

बिभा संवाददाता

नई दिल्ली/रांची। झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुए पुलिसिया एक्शन के खिलाफ संसद भवन परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के नेतृत्व में झारखंड और ओडिशा के एनडीए सांसदों ने मकर द्वार पर तख्तियां लेकर कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। आदित्य साहू ने कांग्रेस पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी या तो राज्य सरकार पर दबाव बनाकर छात्रों की जायज मांगें पूरी करवाएं या फिर हेमंत सोरेन सरकार से अपना नाता तोड़ लें।

सांसद साहू ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि दिल्ली में न्याय की बात करने वाले राहुल गांधी झारखंड के मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके इशारे पर ही लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे छात्रों पर बर्बर लाठीचार्ज किया गया, जिसमें छात्राओं और मीडियाकर्मियों तक को नहीं बख्शा गया। छात्रों की एकमात्र मांग पिछले सात सालों में हुई जेपीएससी, जेएसएससी, सीजीएल और उत्पाद सिपाही जैसी सभी भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराने की है। साहू ने कहा कि राहुल गांधी छात्रों से फोन पर बात करने का दिखावा करते हैं, लेकिन राज्य सरकार पर दबाव नहीं डालते क्योंकि कांग्रेस वहां सत्ता का सुख भोग रही है और भ्रष्टाचार में बराबर की साझीदार है।

रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में आधी रात को हुई प्रशासनिक कार्रवाई को साहू ने बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि आधी रात को डीसी और एसएसपी द्वारा भारी पुलिस बल के साथ आंदोलनस्थल की बिजली काटकर छात्रों को जबरन हटाने का प्रयास सरकार की दमनकारी नीति को दर्शाता है। भाजपा नेताओं के वहां पहुंचते ही प्रशासन का पीछे हटना इस बात का प्रमाण है कि सरकार पुलिस के बल पर आवाज कुचलना चाहती है। उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि युवाओं के साथ कोई भी ज्यादती हुई, तो भाजपा सड़क से लेकर सदन तक आर-पार की लड़ाई लड़ेगी और छात्रों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

पत्रकार हित और सुरक्षा के मुद्दों पर राज्यपाल से मिला भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में पत्रकारों के हित, सुरक्षा और कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं। संघ के प्रदेशाध्यक्ष धर्मेंद्र गिरी, जिलाध्यक्ष जावेद अख्तर एवं उपाध्यक्ष विनय मुर्मू ने पत्रकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने, पत्रकारों एवं उनके आश्रित परिवारों के लिए बीमा योजना शुरू करने तथा पत्रकारों के लिए आवास योजना शुरू करने की मांग रखी। इसके अलावा पत्रकारों पर दर्ज मामलों की निष्पक्ष समीक्षा और पत्रकारिता के दौरान आने वाली विभिन्न समस्याओं के समाधान का मुद्दा भी उठाया गया।

मुलाकात के दौरान प्रोजेक्ट भवन में बिना आईडी कार्ड पत्रकारों के प्रवेश पर रोक के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। संघ के प्रतिनिधियों ने कहा कि पत्रकारों को समाचार संकलन के दौरान आवश्यक सुविधाएं और सुगम प्रवेश मिलना चाहिए, ताकि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन बेहतर तरीके से कर सकें। प्रतिनिधिमंडल ने पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार के स्तर पर सकारात्मक पहल किए जाने का आग्रह किया। संघ ने कहा कि राज्य में पत्रकारों को सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके सामाजिक और आर्थिक हितों की रक्षा भी जरूरी है।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों और पत्रकारों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि पत्रकार हित से जुड़े इन मुद्दों को लेकर वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बातचीत करेंगे और उचित स्तर पर विषय को उठाएंगे। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ ने राज्यपाल के सकारात्मक रुख का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर सरकार जल्द ठोस पहल करेगी।

आश्वासन समिति ने विधानसभा अध्यक्ष को सौंपी रिपोर्ट, इमरजेंसी सेल बनाने की अनुशंसा

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा की सरकारी आश्वासन समिति ने बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो को तीन महत्वपूर्ण रिपोर्ट सौंपीं। समिति के सभापति अरूप चटर्जी के नेतृत्व में सदस्यों ने 50वीं, 51वीं और 52वीं रिपोर्ट की प्रतियां विधानसभा अध्यक्ष को पेश कीं। इस दौरान समिति के सदस्य कुमार उज्ज्वल, ममता देवी और उदय शंकर सिंह मौजूद रहे।

समिति की रिपोर्ट में वर्ष 2010 से अब तक लंबित सरकारी आश्वासनों की स्थिति का विस्तृत उल्लेख किया गया है। आश्वासनों के निष्पादन को लेकर विभागीय एवं समीक्षा बैठकें आयोजित की गई और उनकी कार्रवाई की स्थिति की भी जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कुल चार प्रमुख अनुशंसाएं की गई हैं।

समिति ने कहा कि लंबित सरकारी आश्वासनों के क्रियान्वयन में विभागीय अधिकारियों को गंभीरता दिखानी चाहिए। सरकार को भी इसकी नियमित समीक्षा और जानकारी लेनी चाहिए। समिति ने कहा कि लंबित आश्वासनों का समय पर निष्पादन सीधे जनहित से जुड़ा है। इसलिए सरकार को इस दिशा में विशेष ध्यान देना चाहिए।

समिति ने लंबित आश्वासनों के क्रियान्वयन के लिए अलग से इमरजेंसी सेल गठित करने की अनुशंसा की है। साथ ही, विभागीय अधिकारियों को समिति की बैठकों में दिए गए निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

रिपोर्ट में शिक्षा विभाग से जुड़े कई लंबित मामलों के निष्पादन की जानकारी भी दी गई है। झरिया के जामाडोबा स्थित उर्दू मध्य विद्यालय में पाइपलाइन के माध्यम से पेयजल की व्यवस्था कर दी गई है। इससे विद्यार्थियों को नियमित रूप से पानी उपलब्ध हो रहा है। प्राथमिक शिक्षकों के अंतर-जिला स्थानांतरण की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से कई शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया है। जामताड़ा स्थित वेटरनरी कॉलेज से जुड़े लंबित मामले में भी आवश्यक कार्रवाई पूरी किए जाने की जानकारी समिति ने दी है। समिति ने कहा कि सरकार सदन में दिए गए आश्वासनों को पूरा करने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

सरकारी आश्वासन समिति अब तक कुल 14 बैठकें कर चुकी है। इनमें आठ विभागीय और छह समीक्षात्मक बैठकें शामिल हैं। इन बैठकों में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ लंबित मामलों की समीक्षा की गई और उनके शीघ्र निष्पादन पर जोर दिया गया।

समिति के सभापति अरूप चटर्जी ने कहा कि समिति के समक्ष लंबित आश्वासनों की लंबी सूची थी। अधिकारियों के सहयोग से अधिकांश आश्वासनों के क्रियान्वयन का लगातार प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी आश्वासनों का समयबद्ध क्रियान्वयन जरूरी है।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा

विधुत (परिचालन) विभाग, धनबाद से सम्बंधित कार्य हेतु खुले ई–निविदा के लिए निविदा सूचना की प्रति

मंडल रेल प्रबंधक (विधुत / परिचालन), पूर्व मध्य रेल, धनवाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु सक्षम संविदाकारों से ई निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **ई–निविदा संख्या: GEM/2026/B/7904751, dated 11/08/2026, 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन की अवधि :** धनवाद मंडल अंतर्गत चोपन, सिंगरौली और कृष्णशिला स्टेशनों पर लोकोमोटिव में आर.डी.एस.ओ. विनिर्देश AAR M-916-51 के अनुसार 01 वर्ष के लिए बालू की आपूर्ति और भरने संबंधी कार्य का आउटसोर्सिंग हेतु। **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि:** रु. 1,36,49,590.00, 3. अग्रधन राशि : रु. 2,18,500.00, **4. ई–निविदा बंद होने और खुलने की तिथि एवं समय :** ई–निविदा का बंद होना : 02.09.2026 को 17:00 बजे ई–निविदा का खुलना रु 02.09.2026 को 17.30 बजे, **5. वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट: **http://gem.gov.in,** विशेष: ई–निविदा के तहत किसी भी प्रकार के मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विधुत/परि०)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0724/डी०एच०एन०/ईएलईसीटी/टी/26–27/32

खासमहल कोलियरी में पेलोडर से चोटील खलासी की मौके पर मौत

आरकेटी कम्पनी में खलासी के पद पर कार्यरत था मृतक

12 लाख रुपए नगद मुआवजा एवं 11 हजार रुपए प्रत्येक माह 40 वर्षों तक एवं दाह संस्कार के लिए 75 हजार रुपए देने पर बनी सहमति

बिभा संवाददाता

बोकारो। पेटरवार प्रखंड के चलकरी दक्षिणी पंचायत निवासी लगभग 20 वर्षीय करण कुमार रजवार की जानकारी अनुसार सीसीएल बिएनके क्षेत्र खासमहल कोलियरी में आरकेटी कम्पनी के पेलोडर से चोटील होने से मौके पर मौत हो गई मृतक उक्त कम्पनी में खलासी के पद पर कार्यरत था घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, करण बीती रात लोडिंग के इंतजार में हाइवा के ऊपर केबिन में सो रहा था। इसी दौरान पेलोडर के बकेट से उसे गंभीर चोट लग गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। शव को क्षेत्रीय अस्पताल ढोरी में रखा गया। घटना के बाद बुधवार सुबह ग्रामीण एवं पंचायत प्रतिनिधि मुआवजे की मांग को लेकर अस्पताल में डटे रहे। ग्रामीणों का कहना था कि जब तक मृतक के परिजन को उचित मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक शव नहीं उठाया जाएगा।

इसके बाद आरकेटी कंपनी, आउटसोर्सिंग कंपनी के प्रबंधन एवं पंचायत प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई। वार्ता में मृतक के परिजन को 12 लाख रुपये मुआवजा देने तथा प्रति माह 11 हजार रुपये की राशि 40 वर्षों तक देने पर सहमति बनी। सहमति बनने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल से ले जाया गया।

वार्ता में आजसू नेता संतोष महतो, मुखिया प्रतिनिधि दुर्गा सोरेन, मुखिया अखिलेश्वर ठाकुर, धर्मेंद्र कपद्दार, पूर्व मुखिया श्याम रजवार समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे। घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

कसमारः पंचायत स्तर पर हुआ बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति का गठन

बिभा संवाददाता

कसमार : बच्चों के सर्वांगीण विकास, उनके अधिकारों की रक्षा और बाल शोषण तथा बाल श्रम पर प्रभावी रोकथाम लगाने के उद्देश्य से पंचायत स्तर पर बुधवार को बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति का गठन किया गया। इस दौरान प्रखंड के खैराचातर एवं पोंडा पंचायत मे आयोजित बैठक मे जनप्रतिनिधियों तथा समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। खैराचातर मे मुखिया विजय कुमार जायसवाल एवं पोंडा पंचायत मे हारु रजवार को समिति का अध्यक्ष चुना गया। जबकि उन सात सदस्यों में आंगनबाड़ी की सेविका वार्ड वार्ड सदस्य एवं गांव के एक आमंत्रित सदस्य को चुना गया। इस दौरान बताया गया कि गठित समिति का मुख्य उद्देश्य गांव के प्रत्येक बच्चे को शिक्षा के अधिकार से जोड़ना, बाल मजदूरी, बाल विवाह और शोषण जैसी सामाजिक बुराइयों को जड़ से समाप्त करना है। इधर पोंडा के मुखिया हारू रजवार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे ही देश का भविष्य हैं। यदि पंचायत स्तर पर ही सुरक्षा चक्र मजबूत रहेगा, तो कोई भी बच्चा शिक्षा और विकास के मूलभूत अधिकारों से वंचित नहीं रहेगा।बैठक मे खैराचातर उपमुखिया अनिल कपरदार, मंजू देवी पुष्पा देवी सूर्यमणि देवी, प्रकाश कुमार महतो, नीलम जायसवाल , पोंडा पंचायत समिति रवि कुमार, अर्चना कुमारी, खीरी देवी, सावित्री , कांति, लक्ष्मी सहित सहयोगिनी की सूर्यमणि देवी, प्रकाश महतो, पुष्पा देवी आदि मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय हाथी दिवस पर सेंट मैरीज नर्सरी स्कूल में विशेष आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : सेंट मैरीज नर्सरी स्कूल, बोकारो स्टील सिटी में आज अंतरराष्ट्रीय हाथी दिवस उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में विशेष आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को हाथियों के महत्व, उनके संरक्षण तथा प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने के प्रति जागरूक किया गया।

विशेष सभा के दौरान शिक्षकों ने बच्चों को बताया कि हाथी हमारे पर्यावरण और वन-परिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। बच्चों को यह भी समझाया गया कि हाथियों की रक्षा के साथ-साथ जंगलों और उनके प्राकृतिक आवास को बचाना भी हमारी जिम्मेदारी है।

पूरे दिन विद्यालय में हाथियों से जुड़ी विभिन्न रोचक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से नन्हे-मुन्ने बच्चों ने हाथियों के जीवन, उनके रहने के स्थान और प्रकृति में उनके महत्व के बारे में सरल एवं मनोरंजक तरीके से जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने यह संदेश भी सीखा कि वन्यजीवों के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता रखते हुए हमें उनके संरक्षण के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य रेवरेन्ड फादर डिनू एम. डैनियल ने बच्चों को प्रकृति और वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों में छोटी उम्र से ही पर्यावरण और वन्यजीवों के प्रति प्रेम एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय हाथी दिवस का यह आयोजन बच्चों के लिए ज्ञान, संवेदना और प्रकृति-प्रेम से भरा एक सार्थक अनुभव रहा, जिसने उन्हें हाथी बचाएँ, जंगल बचाएँ और प्रकृति बचाएँ का संदेश दिया।

संक्षिप्त खबरें

नारी शक्ति क्लब ने चिरा चास में हर्षोल्लास के साथ मनाया सावन महोत्सव

बोकारो(बिभा) : नारी शक्ति क्लब, बोकारो द्वारा बुधवार को चिरा चास स्थित एस एस वाटिका में सावन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। हरियाली से सजी वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने गीत, नृत्य और मनोरंजन प्रतियोगिताओं के माध्यम से सावन की रौनक बढ़ाई और माहौल को उत्साह से भर दिया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक गीतों पर समूह नृत्य प्रस्तुत किए। विशेष रूप से 'चूड़ी मजा ना देगी' और 'मेरे हाथों में नौ-नौ चूड़ियां' जैसे गीतों पर उपस्थित दर्शक झूम उठे। उत्सव के दौरान महिलाएं पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार एक-दूसरे को चूड़ी, बिंदी और सिंदूर दान कर सुहाग की लंबी उम्र की कामना भी की गई। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के आयोजन महिलाओं के बीच आपसी जुड़ाव और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण में सहायक होते हैं। क्लब की आयोजन समिति में ज्योत्सना आनंद, सविता कुमारी, इंदु, सोनाली, सपना, खुशबू, टुंपा मलिक, पूनम, अमिता, गीता, संगीता सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मेलजोल से सामुदायिक सद्भाव और सांस्कृतिक धरोहर को मजबूती मिलती है। आयोजन का समापन स्नेह-विनिमय और मिलन समारोह के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित लोगों ने भविष्य में और भी नियमित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया।

नेतृत्व की शुरूआत जिम्मेदारी, अनुशासन और सेवा से होती है

बोकारो(बिभा)। गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर-5/बी, बोकारो स्टील सिटी में प्राथमिक विंग का अलंकरण समारोह 12 अगस्त 2026 को माता सुंदरी जी सभागार में प्रधानाचार्य श्री अभिषेक कुमार के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ तिलक समारोह, प्रार्थना एवं पुष्पगुच्छ भेंट के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रेरणादायक विजय गाथा नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। नव-नियुक्त विद्यार्थी परिषद के सदस्यों के नामों की घोषणा की गई जिसमें विद्यालय हेड बॉय प्रियांक कुमार, हेड गर्ल स्मृति सुमन, अनुशासन प्रभारी सौम्या झाऔर प्रियांशु, सांस्कृतिक प्रभारी एलिना नाजमी और अनुराग प्रताप सिंह,खेल प्रभारी विनायक शर्मा और शौर्य श्रीवास्तव,पवन सदन से कप्तान मोहम्मद अरहान हक और उप कप्तान मन्नत प्रीत कौर, पानी सदन से कप्तान आलोक चौहान और उप कप्तान कुमार तेजस, धरत सदन से पार्थ किशोर कप्तान और प्रज्ञा उप कप्तान, आकाश सदन से कप्तान मोहुल चन्द्रभूषण रमन, उप कप्तान वंशिका टंडन चयनित किए गए तथा उन्हें गर्वपूर्वक बैज एवं सैश प्रदान किए गए। इसके बाद शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय जया कुमारी, कार्यपालक दंडाधिकारी, चास, बोकारो की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनकी उपस्थिति ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए युवा नेतृत्वकताओं को अपनी जिम्मेदारियों कोआत्मविश्वास, ईमानदारी, अनुशासन एवं समर्पण के साथ निभाने के लिए प्रेरित किया। जी.जी. इ.एस. के अध्यक्ष तरसेम सिंह जी, सचिव एस. पी. सिंह जी, प्रधानाचार्य अभिषेक कुमार, उप-प्रधानाचार्य अमोलक सिंह तथा प्राथमिक विंग की प्रभारी सुश्री शिल्पी कुमारी ने युवा नेतृत्वकताओं की सराहना की तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को समारोह की शानदार सफलता के लिए बधाई दी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसने सभी के हृदय को गर्व, देशभक्ति और जिम्मेदारी की नई भावना से भर दिया।

सावन महोत्सव मनाया गया

बोकारो(बिभा)। जरीडीह प्रखंड अंतर्गत तांतरी दक्षिणी पंचायत स्थित नुतनडीह आंगनबाड़ी केंद्र में बुधवार को तांतरी उत्तरी ,दक्षिणी, व खुटरी पंचायत की दर्जनों से सेविका, सहायिकाओं संयुक्त रूप से सावन महोत्सव धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गायत्री देवी तथा संचालन रेनू कुमार ओर अनिता देवी ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत केक काटकर किया गया। गायत्री देवी और रेनू कुमार ने बताया कि सावन महोत्सव का उद्देश्य अपने परंपरा और संस्कृति विरासत सहेज कर रखना है। सावन उत्सव हमें आस्था और प्रकृति के साथ जोड़ती है। इसी माह शिव पार्वती की पवित्र पूजा और आराधना होती है। महिलाएं इसी माह साकाहार अपना कर शिव पार्वती की भक्ति में लीन रहती है। महिलाएं अपने पति के दीघार्यु होने का वर मांगती है। कार्यक्रम में गीत संगीत, अंताक्षरी ,मेहंदी प्रतियोगिता, कुर्सी रेस आदि के भी खेल हुए। मौके शांति देवी,सावित्री, जहां अरा, श्यामा ,संध्या, सुनीता, गीता, नुनी बाला, कौशल्या समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

डीपीएस बोकारो के आदि आयुष्मान ने 16वीं झारखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में जीते 2 स्वर्ण, एक कांस्य

बिभा संवाददाता

बोकारो। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के 12वीं कक्षा के विद्यार्थी आदि आयुष्मान ने आसनसोल में आयोजित 16वीं झारखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। इसी उपलब्धि के साथ उन्होंने 25-30 अगस्त 2026 को होने वाले 10वीं ईस्ट जोनल शूटिंग प्रतियोगिता (पिस्टल/राइफल) तथा आगामी प्री-नेशनल इवेंट के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

प्रतियोगिता की ओपन साइट 50 मीटर राइफल (मेन्?स इंडिविजुअल) और ओपन साइट 50 मीटर जूनियर राइफल (इंडिविजुअल) दोनों स्पधाओं में आदि ने प्रथम स्थान हासिल कर दो स्वर्ण पदक जीते। वहीं, पीप साइट 50 मीटर राइफल (यूथ इंडिविजुअल) स्पर्धा में तीसरा स्थान पाकर उन्होंने कांस्य पदक भी अपने नाम किया।

झारखंड स्टेट राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में रांची, हजारीबाग, चतरा, रामगढ़, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, खूंटी, धनबाद, देवघर, गिरिडीह, गढ़वा और लोहरदगा समेत कई जिलों के शूटर्स ने भाग लिया। प्रतियोगिता में दिखाए उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए.एस. गंगवार ने बुधवार को में आदि को मेडल पहनाकर सम्मानित किया और जोनल व राष्ट्रीय स्तर पर सफल प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य ने कहा कि आदि की यह उपलब्धि विद्यालय व पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है और विद्यालय प्रतिभा निखारने के हर अवसर प्रदान करता रहेगा। आदि आयुष्मान पहले भी लगातार तीन वर्षों तक राज्य स्तर की राइफल शूटिंग प्रतियोगिताओं में शीर्ष स्थानों पर रहे हैं। उन्होंने पहले राष्ट्रीय खिलाड़ी रहे अरिंदम बोस को हराकर भी जीत दर्ज की थी। आदि छत्तीसगढ़ के बीजापुर में तैनात सीआरपीएफ के उप-समादेष्टा विनोद कुमार यादव और गृहिणी मनोरमा देवी के सुपुत्र हैं। वे बताते हैं कि निशानेबाजी की बारीकियाँ सबसे पहले उनके पिता ने सिखाईं और माता-पिता तथा विद्यालय से निरंतर प्रोत्साहन मिलता रहा है। आदि धनबाद राइफल क्लब में भी प्रशिक्षण लेते हैं। पढ़ाई के साथ-साथ वे बैडमिंटन में भी सक्रिय हैं और भविष्य में पुलिस या सैन्य सेवा में जाने की इच्छा रखते हैं।

झारखंड के बोकारो में दहेज हत्याकांड में पति को सश्रम आजीवन कारावास, 20 हजार रुपए का जुर्माना

बिभा संवाददाता

बोकारो । बोकारो जिले अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (चतुर्थ) गरिमा मिश्रा की अदालत ने दहेज हत्या कांड मे पति को सश्रम आजीवन कारावास की सजा और 20000 जुमार्ना का सजा सुनाया है। विशेष लोग अभियोजन राकेश कुमार राय में आज यहां बताया कि बोकारो जिले के पुपुनकी गांव निवासी उमेश गोप की शादी विगत वर्ष 2014 में धनबाद जिले के महुदा थाना क्षेत्र के भूरूगिया गांव निवासी रिंकी देवी के साथ में हुई थी ।शादी के बाद एक पुत्र और एक पुत्री का जन्म हुआ । पुत्री के जन्म के बाद द्वारा पति दो लाख रुपया और एक मोटरसाइकिल दहेज के रूप में मांग किया जाने लगा। नहीं देने पर उसके साथ अत्याचार किया जाने लगा। पीड़िता रिंकी देवी ने उस मामले को लेकर धनबाद न्यायालय में एक मुकदमा दायर किया था । विगत 22 फरवरी 2024 को उमेश अपनी पत्नी के पास गया और उसे ठीक से रखने का वादा कर उसे फिर अपना घर लाया और उसी रात उसने फिर अपनी पत्नी के साथ मारपीट की और उसी के साड़ी से गला घोटकर उसकी हत्या कर दी।

बीजीएच के निजीकरण के खिलाफ बीएकेएस का कड़ा विरोध, दी जनआंदोलन की चेतावनी

बिभा संवाददाता

बोकारोः बोकारो जेनरल अस्पताल (बीजीएच) परिसर में बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में अस्पताल प्रबंधन द्वारा विभागों को आउटसोर्सिंग के जरिए निजीकरण की ओर ले जाने का कड़ा विरोध किया गया। यूनियन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि प्रबंधन का यह रवैया जारी रहा, तो वे व्यापक जनआंदोलन करने को मजबूर होंगे।

बैठक में कर्मचारियों ने कई अहम मुद्दे उठाए, जिनमें बीजीएच के विभिन्न सेक्शन को आउटसोर्स करने की प्रक्रिया तुरंत बंद करने, कर्मियों को नर्सिंग एवं मेडिकल रिस्क भत्ता, इंसेंटिव, वाशिंग भत्ता और फ्री वाई-फाई की सुविधा देने की मांग मुख्य रूप से शामिल है। इसके अलावा नियमित मैनपावर की कमी दूर करने, फामेर्सी में फार्मासिस्ट की नियुक्ति करने और नर्सिंग स्टाफ से डेटा एंट्री जैसे गैर-जरूरी काम न लेने पर जोर दिया गया। बुनियादी जरूरतों को लेकर भी आवाज उठाई गई, जिसमें महिला कर्मियों के बच्चों के लिए अस्पताल में क्रेच की व्यवस्था करने, भोजन और टी-ब्रेक जैसी सुविधाएं बहाल करने तथा छुट्टियों के आवेदन में होने वाले भेदभाव को खत्म करने की मांग की गई। कर्मचारियों ने उन पर अनावश्यक दबाव डालने, टार्गेट-बेस्ड प्रताड़ना और धमकीपूर्ण व्यवहार पर तुरंत रोक लगाने की बात भी कही।

यूनियन की प्रतिनिधि चुन्नी कुमारी ने जोर देते हुए कहा कि बीजीएच कोयलांचल का एक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान है। मरीजों को बेहतर इलाज तभी मिलेगा जब कर्मचारियों की जायज मांगों का समय पर समाधान होगा। यूनियन ने प्रबंधन से शीघ्र वार्ता की मांग की है और स्पष्ट किया है कि समस्याओं का उचित समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बैंक कर्मियों का विशाल प्रदर्शनः यूएफबीयू ने पांच दिवसीय कार्यदिवस लागू करने की मांग दोहराई

बिभा संवाददाता

चास/बोकारो : यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर आज यहाँ चास-कोर इलाके में स्थित केनरा बैंक, बोकारो स्टील सिटी शाखा के समक्ष सैकड़ों बैंक कर्मचारी व अधिकारी एकत्र हुए और देशव्यापी प्रदर्शन के रूप में जोरदार विरोध प्रकट किया। प्रदर्शन का उद्देश्य बैंकों में पांच दिवसीय कार्य दिवस लागू करने की मांग को बल देना था। यूएफबीयू के जिला संयोजक सिद्धेश नारायण दास ने सभा को संबोधित करते हुए सरकार एवं इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए) व वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा निदेशालय (डीएफएस) द्वारा दिए गए आश्वासनों के बावजूद अभी तक पांच दिवसीय कार्यदिवस की आधिकारिक घोषणा न होने पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह मामले से खिलवाड़ के समान है तथा यदि शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो संघ और अधिक तीव्र आंदोलन करेगा।

प्रदर्शन में महिला सदस्यों की भी विशेष भागीदारी रही। संबोधन में उपस्थित अन्य नेताओं में राजेश ओझा, कृष्ण मुरारी, सुधीर कुमार, अरुण कुमार, राकेश मिश्रा, राघव कुमार सिंह, अवधेश प्रसाद, राजीव कुमार सिंह तथा अतुल दुबे प्रमुख थे। वक्ताओं का कहना था कि पांच दिवसीय कार्यदिवस लागू होने से कार्यक्षमता में सुधार होगा और ग्राहकों को बेहतर सेवा मिल सकेगी।

यूएफबीयू ने बताया कि इससे पहले संघ ने कई मंचों पर प्रदर्शन व धरना दिया है तथा 27 जनवरी 2026 को एक दिवसीय सफल हड़ताल भी कर चुका है। उस हड़ताल के बाद आईबीए ने भी लागू करने का आश्वासन दिया था, परंतु अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। नेताओं ने कहा कि आज का प्रदर्शन भी देश भर की राजधानियों और प्रमुख केंद्रों में किए जा रहे समवेत प्रदर्शनों का हिस्सा है और इसका आशय सरकार पर दबाव बनाकर मांगों का शीघ्र निवारण कराना है।

प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और स्थानीय पुलिस ने आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की। यूएफबीयू ने प्रदर्शन के बाद भी सरकार से वार्ता और त्वरित निर्णय की उम्मीद जताई है तथा अन्याय न होने पर आगे के कदम उठाने की चेतावनी दी है।

राखी के रंगों में सजी डीपीएस चास की रचनात्मकता कला और संस्कृति का दिखा अनूठा संगम

162 विद्यार्थियों ने लिया राखी निर्माण प्रतियोगिता में हिस्सा, इंडिया पोस्ट की विशेष पहल से देशभर में पहुंचेंगी बच्चों की राखियां

बिभा संवाददाता

चास(बोकारो)। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर डीपीएस चास, बोकारो में बुधवार को कक्षा पाँचवीं से नवमीं तक के विद्यार्थियों के लिए राखी निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न वर्गों से कुल 162 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता, सृजनात्मक सोच और कलात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए एक से बढ़कर एक आकर्षक राखियाँ तैयार कीं। इस आयोजन को इंडिया पोस्ट, धनबाद डिवीजन की विशेष पहल से भी जोड़ा गया है। रक्षाबंधन के अवसर पर इंडिया पोस्ट द्वारा विद्यालयी विद्यार्थियों के लिए विशेष राखी निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों द्वारा बनाई गई हस्तनिर्मित राखियों को उनके व्यक्तिगत संदेशों के साथ देश के किसी भी हिस्से में रहने वाले उनके भाई-बहनों तक सुरक्षित रूप से पहुँचाना है। इस विशेष पहल के तहत विभाग की ओर से विद्यार्थियों को रेशमी धागे, तिलक पैक एवं संदेश लिखने के लिए ए-4 शीट उपलब्ध कराई गई । विद्यार्थी अपनी पसंद और कल्पना के अनुसार राखी तैयार करने के साथ अपने भाई या बहन के लिए छोटा-सा पत्र अथवा शुभकामना संदेश भी लिखे। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय के प्रार्थना सभागार परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। विद्यार्थियों ने रंगीन धागों, मोतियों, रिबन, कागज, सजावटी वस्तुओं तथा अन्य सामग्रियों का प्रयोग कर सुंदर एवं आकर्षक राखियाँ बनाईं। कई विद्यार्थियों ने पारंपरिक राखियों के साथ-साथ अपनी रचनात्मक सोच को दर्शाते हुए नवीन डिजाइन की राखियां भी तैयार कीं। उनकी कलात्मक प्रतिभा और मेहनत ने प्रतियोगिता को विशेष रूप से आकर्षक बना दिया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, कलात्मक अभिरुचि, आत्मविश्वास और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था। रक्षाबंधन के माध्यम से भाई-बहन के बीच प्रेम, स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के भाव को समझने का अवसर भी विद्यार्थियों को मिला।

प्रेषित संदेश में विद्यालय के प्रो-वाइस चेयरमैन श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा को मंच देना आवश्यक है। भारतीय त्योहार और सांस्कृतिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अपनी गौरवशाली परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। राखी निर्माण प्रतियोगिता जैसी गतिविधियाँ बच्चों की कल्पनाशक्ति को विकसित करने के साथ उन्हें अपनी प्रतिभा को आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करती हैं। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशिका/प्रधानाचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में प्रेम, विश्वास और पारिवारिक मूल्यों का प्रतीक भी है। बच्चों द्वारा स्वयं राखी तैयार करना उन्हें हमारी परंपराओं से भावनात्मक रूप से जोड़ता है। बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए रचनात्मक एवं गतिविधि आधारित कार्यक्रम भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। वहीं, डी.एस. मेमोरियल सोसाइटी के सचिव श्री सुरेश अग्रवाल ने कहा उन्होंने विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चिन्मय विद्यालय बोकारो एवं डीएवी 6 के विद्यार्थियों ने निकाली प्रभात फेरी

बिभा संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो एवं डीएवी 6 के एनसीसी कैडेट विद्यार्थियों ने बुधवार, 12 अगस्त को प्रभात फेरी निकालकर देश प्रेम एवं सदभावना का संदेश दिया। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार और उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा मौजूद रहे। विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में ध्वजारोहण कर वंदे मातरम गाया एवं विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प किया। सभी विद्यार्थियों ने इस देशभक्ति मुहिम में अपनी भागीदारी निभाई और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न किया।

विद्यालय के एनसीसी कैडेट विद्यार्थियों ने सुबह बोकारो मॉल से गांधी चौक तक प्रभात फेरी निकाली।इस दौरान अनुशासन के साथ मार्च पास्ट करते हुए विद्यार्थी आगे बढ़े और देश भक्ति भाव के साथ भारत माता की जय एवं वंदे मातरम का नारा लगाया। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रेरणादायक पंक्तियों के साथ बोकारो वासियों को देश भक्ति के प्रति जागरूक भी किया। इसके बाद विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों ने राष्ट्र ध्वज का ध्वजारोहण किया और विस्तृत वंदे मातरम गाया। इसके बाद विद्यालय से सभी विद्यार्थियों ने विकसित राष्ट्र के निर्माण का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम का संचालन प्रांजल साकिया, संजीव कुमार एवं ललिता ने किया। प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि वंदे मातरम हमारे देश की वो धरोहर है, जिसे सुरक्षित रखना नई पीढ़ी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान के माध्यम से हर देशवासी में भारत के प्रति आदर, प्रेम, सम्मान एवं उत्साह की भावना जाग उठती है। साथ ही उन्होंने सभी विद्यार्थियों को हर घर तिरंगा के प्रति भी जागरूक किया और कहा कि तिरंगा का सम्मान करना और इसे गर्व से अपनाना हमारे राष्ट्र के प्रति हमारी सकारात्मक भावना को दशार्ता है।

डीसी ने किया रामगढ़ सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण, ड्यूटी से नदारद मिले तीन डॉक्टर, वेतन पर लगी रोक

बिभा संवाददाता

रामगढ़: उपायुक्त ऋतुराज ने बुधवार को सदर अस्पताल रामगढ़ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति, ओपीडी संचालन, साफ-सफाई, दवा एवं जांच की व्यवस्था सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के क्रम में तीन चिकित्सक–ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. कीर्ति सिन्हा, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. राजन पांडे एवं डमेटोलॉजिस्ट डॉ. अजीत कुमार सिंह–अनुपस्थित पाए गए। उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीनों चिकित्सकों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के साथ अगले आदेश तक उनके वेतन पर रोक लगाने का निर्देश दिया।

सदर अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीजों के आने को देखते हुए उपायुक्त ने सिविल सर्जन रामगढ़ को ऑर्थो, गायनो एवं मेडिसिन विभाग में प्रतिदिन दो ओपीडी संचालित कराने का निर्देश दिया, ताकि मरीजों को बेहतर एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें तथा उन्हें अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

उपायुक्त ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित पदाधिकारियों को अस्पताल परिसर एवं सभी वार्डों में नियमित रूप से बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा करते हुए सभी योग्य लाभुकों को योजना से आच्छादित कर इसका लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न वार्डों में जाकर मरीजों से सीधे संवाद किया। उन्होंने मरीजों से अस्पताल में मिल रही चिकित्सा सुविधाओं, दवाओं, जांच, भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं से अवगत हुए।

इसके अलावा उपायुक्त ने सदर अस्पताल में संचालित सभी ओपीडी, लैब, रजिस्ट्रेशन काउंटर, शौचालय, मेस, अल्ट्रासाउंड रूम एवं एक्स-रे रूम सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने रजिस्ट्रेशन काउंटर पर मरीजों को होने वाली परेशानियों को दूर करने तथा अस्पताल की विभिन्न सेवाओं को सुव्यवस्थित एवं सुगम बनाने के निर्देश दिए।

मेस के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मरीजों को निर्धारित समय पर भोजन उपलब्ध कराने तथा निर्धारित मेन्यू के अनुरूप ही गुणवत्तापूर्ण भोजन देने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को अस्पताल में मरीजों की सुविधा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि सदर अस्पताल जिले की प्रमुख स्वास्थ्य संस्थाओं में से एक है और यहां आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं चिकित्सकों को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने तथा मरीजों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

दिव्यांगजनों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल

60 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले 25 लाभुकों के बीच बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: उपायुक्त हेमन्त सती के निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज 60 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले 25 पात्र लाभुकों के बीच बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण किया गया।इससे पूर्व जिला प्रशासन की पहल पर 50 दिव्यांग लाभुकों के बीच बैटरी चालित ट्राईसाइकिल का वितरण किया जा चुका है। वहीं, गुरुवार को 25 अन्य पात्र दिव्यांग लाभुकों के बीच ट्राईसाइकिल का वितरण किया जाएगा। इस प्रकार चार चरणों में कुल 100 दिव्यांग लाभुकों को बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जा रही है। वितरण के दौरान डीएसडब्ल्यूओ के कर्मियों द्वारा दिव्यागों को ट्राइसाइकिल ड्राइविंग का प्रशिक्षण भी दिया गया।जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगो को दिव्यांग उपकरण उपलब्ध कराने हेतु जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा कराई गई प्रचार प्रसार के दौरान कई आवेदन प्राप्त हुए हैं। आने वाले दिनों में जिला प्रशासन द्वारा प्राप्त आवेदनों पर दिव्यांगों को उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। उपायुक्त हेमन्त सती ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। दिव्यांगजनों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बैटरी चालित ट्राईसाइकिल से लाभुकों को अपने दैनिक कार्यों, शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक गतिविधियों में आने-जाने में सुविधा होगी।उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसी जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूती मिलेगी।उपविकास आयुक्त रिया सिंह ने कहा कि बैटरी चालित ट्राईसाइकिल दिव्यांगजनों के लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन की ओर आगे बढ़ाने का माध्यम है। इससे विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों तक पहुंचने तथा कामकाजी लाभुकों को अपने कार्यस्थल तक आने-जाने में सुविधा मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त के नाम एवं तस्वीर का दुरुपयोग कर बनाई गई फर्जी व्हाट्सएप आईडी, सतर्क रहने की अपील

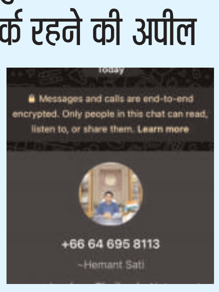

हजारीबाग(बिभा): उपायुक्त हजारीबाग के नाम एवं तस्वीर का दुरुपयोग कर फर्जी व्हाट्सएप आईडी बनाई गई है। +66 646958113 नंबर से जिले के पदाधिकारियों एवं अन्य लोगों से संपर्क किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उक्त नंबर का उपायुक्त अथवा जिला प्रशासन से कोई संबंध नहीं है और यह साइबर ठगी का प्रयास है। मामले की सूचना पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को दे दी गई है तथा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों, कर्मियों, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि उक्त नंबर अथवा किसी अन्य संदिग्ध नंबर से प्राप्त संदेश, कॉल या धनराशि की मांग पर विश्वास न करें और कोई व्यक्तिगत अथवा वित्तीय जानकारी साझा न करें। संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम थाना अथवा साइबर पुलिस को दें। जिला प्रशासन ने नागरिकों से सतर्क रहने एवं किसी भी अनधिकृत संदेश की सत्यता की पुष्टि करने की अपील की है।

फर्जी व्हाट्सएप आईडी बनाकर दैनिक अखबार के डायरेक्टर के नाम व तस्वीर का दुरुपयोग

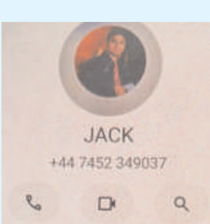

हजारीबाग(बिभा)। दैनिक अखबार के डायरेक्टर हेमन्त कुमार के नाम और तस्वीर का दुरुपयोग कर किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फर्जी व्हाट्सएप आईडी बनाए जाने का मामला सामने आया है। फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट के जरिए लोगों से संपर्क किए जाने की जानकारी मिलने के बाद हेमन्त कुमार ने लोगों से सावधान और सतर्क रहने की अपील की है। बताया गया कि किसी असामाजिक तत्व ने हेमन्त कुमार की तस्वीर और नाम का इस्तेमाल करते हुए फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल तैयार की है। इस फर्जी आईडी से यदि किसी व्यक्ति को मैसेज, कॉल या किसी प्रकार की आर्थिक मदद अथवा अन्य मांग की जाती है, तो उस पर भरोसा नहीं करने की अपील की गई है। हेमन्त कुमार ने स्पष्ट किया है कि उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर बनाई गई उक्त व्हाट्सएप आईडी से उनका कोई संबंध नहीं है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि ऐसे किसी भी संदिग्ध संदेश या कॉल का जवाब देने से पहले उसकी पूरी तरह पुष्टि कर लें। उन्होंने कहा कि फर्जी आईडी के माध्यम से किसी भी व्यक्ति से पैसे की मांग, बैंक संबंधी जानकारी, ओटीपी, निजी दस्तावेज अथवा अन्य संवेदनशील जानकारी मांगी जा सकती है। ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार की जानकारी साझा न करें और संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना संबंधित साइबर थाना या पुलिस को दें।

शिक्षा में एआई का बढ़ता प्रभाव: वैयक्तिकृत अधिगम, मूल्यांकन एवं नैतिकता का समन्वित परिप्रेक्ष्य : डॉ. मनोहर दास

हजारीबाग(बिभा) : एस.बी.एम. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हजारीबाग तथा श्री रामकृष्ण शारदा आश्रम शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हजारीबाग के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठों द्वारा संयुक्त रूप से तथा शैक्षणिक सहयोगी आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के सहयोग से ह्लउन्नत शिक्षण एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ अनुसंधानह्व विषय पर आधारित एक सप्ताहव्यापी व्याख्यानमाला कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।सप्ताहव्यापी कार्यक्रम के अंतिम दिन अतिथि सह मुख्य वक्ता डॉ. मनोहर कुमार दास, सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड, श्री रामकृष्ण शारदा आश्रम शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समाप्ति कुमार पाल, एस.बी.एम. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत यादव ,दोनों महाविद्यालयों के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठों के समन्वयक श्री अमित सिंह एवं डॉ. परीक्षित लायक व्याख्यानमाला के समन्वयक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. अपोलिना बाखला, डॉ. कल्पना प्रिया एवं डॉ. जीतू घोष, तथा दोनों महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानन्द जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

जनगणना-2027 की तैयारी शुरू, 'जिला जनगणना हस्तपुस्तिका' के लिए क्षेत्रीय कर्मियों का प्रशिक्षण आयोजित

बिभा संवाददाता

लातेहार। भारत की जनगणना-2027 के तहत 'जिला जनगणना हस्तपुस्तिका' (DCHB-2027) तैयार करने के उद्देश्य से विकास भवन स्थित उप विकास आयुक्त सभागार में क्षेत्रीय कर्मियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता और शुभारंभ जिले के उपायुक्त संदीप कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना देश की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति का महत्वपूर्ण आधार है। उपायुक्त ने आंकड़ों के संकलन और सत्यापन में पूरी सावधानी, निष्पक्षता और पारदर्शिता बरतने का निर्देश दिया, ताकि तैयार होने वाली हस्तपुस्तिका विश्वसनीय और त्रुटिरहित हो।

प्रशिक्षण के दौरान कर्मियों को जिला जनगणना हस्तपुस्तिका तैयार करने, आवश्यक सूचनाओं के संकलन, अभिलेखों के सत्यापन और प्रपत्रों में सटीक जानकारी दर्ज करने के तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अलावा क्षेत्र भ्रमण के दौरान आने वाली संभावित कठिनाइयों और उनके समाधान पर भी आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

इस कार्यक्रम में लातेहार, चंदवा और नगर पंचायत लातेहार क्षेत्र के जनसेवक, राजस्व उप निरीक्षक और पंचायत सचिव मुख्य रूप से शामिल हुए। मौके पर जिला योजना पदाधिकारी समीर कुल्लू, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी ओमेंद्र कुमार सिंह, लातेहार बीडीओ मनोज कुमार तिवारी, जनगणना कार्य निदेशालय (झारखंड, रांची) के प्रशिक्षक सहित संबंधित विभागों के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

चंदवा में डीटीओ ने चलाया सघन वाहन जांच अभियान,35 गाड़ी का चालान कटा

लातेहार/चंदवा(बिभा): 26 जनवरी के ध्यान में रखते हुए और बढ़ती सड़क हादसा को लेकर ,लातेहार उपायुक्त के निर्देश पर डीटीओ उमेश मंडल ने आज बुधवार 12 अगस्त को चंदवा प्रखंड में थाना के पास दो पहिया और चार पहिया वाहन का जांच अभियान चलाया, जांच के क्रम में कुल 35 वाहनों का 63500 रुपए का चालान कटा। आए दिन चंदवा में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही है जिसे लेकर सघन जांच अभियान चलाया गया ताकि दुर्डीघटनाएं कम हो,डीटीओ ने लोगों से अपील की है कि बिना हेलमेट ना चलाएं और सावधानी से गाड़ी को चलाएं ,ट्रिपल लोड ना चले ,सीट बेल्ट लगा कर चलें, क्योंकि दिनों दिन सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही है लोग जागरूक हो, वाहन जांच अभियान में चंदवा थाना पुलिस और परिवहन विभाग के कर्मी मौजूद थे।

सीबीएसई ईस्ट जोन हॉकी टुर्नामेंट में श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल ने लहराया परचम

बिभा संवाददाता

रामगढ़: बी.एन. पब्लिक स्कूल, गोरखपुर में आयोजित सीबीएसई ईस्ट जोन हॉकी टूर्नामेंट में झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश की टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल, रामगढ़ की तीनों हॉकी टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया। अंडर-14 बालिका एवं अंडर-17 बालिका टीम ने उपविजेता, जबकि अंडर-17 बालक टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अंडर-14 बालिका टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय देते हुए उपविजेता का गौरव हासिल किया। टीम में श्रेया कुमारी, इशिका कौर, राज नंदनी, पिऊ करमाकर, रुही पटेल, आराध्या गोस्वामी, रिशिका कुमारी,सौम्या कुमारी, अंकिता आर्या, स्नेहल धनजी पवार, शैली खंडेलवाल, साक्षी कुमारी एवं सृष्टि आर्या शामिल रहीं।

अंडर-17 बालक टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान हासिल किया। खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल, अनुशासन और संघर्षशील भावना से सभी को प्रभावित किया।

टीम में हेमंत कुमार, गौरव चौधरी, सत्यजीत बेदिया, आदर्श कुमार, कुमार सानू, समीर कुमार, अंश शर्मा, कुमार आदित्य, भरत कुमार, सुमित कुमार एवं दिव्यांश कुमार शामिल रहे।

अंडर-17 बालिका टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल और संघर्षशील प्रदर्शन का परिचय देते हुए उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। टीम में रिया रानी, एंजेल राय, ऐलिना सोनी, राफिया नाज, शालू कुमारी, प्रसिद्धि पांडेय, हर्षा कुमारी, सुजाता कुमारी, अस्मिता पॉल, प्रियांशी कुमारी वर्मा, रितिका बनर्जी एवं परी कुमारी शामिल रहीं।

विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह ने तीनों टीमों की शानदार उपलब्धि पर खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन, टीम भावना और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रोत्साहित करता रहेगा।

विद्यालय प्रबंधन की ओर से गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के प्रधान परमदीप सिंह कालरा तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के सम्माननीय सदस्य मनमोहन सिंह लांबा, हरपाल सिंह अरोड़ा, सरदार सुरिंदर पाल सिंह चंडोक, वरिंदर सिंह चंडोक, गुरप्रीत सिंह जॉली, नरेंद्र पाल सिंह गुजराल, पुषविंदर पाल सिंह, गुरदीप सिंह सैनी, सतिंदर सिंह होरा, विक्रमजीत सिंह कोहली, गुरप्रीत सिंह चाना, रमन बेदी एवं करमजीत सिंह जग्गी ने खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई दी।

पूत के पाँव पालने में ही दिख जाते हैं... करण जायसवाल पर चरितार्थ हो रही कहावत, जन्मभूमि के प्रति कर्तव्य निभाकर समाजसेवा में बना रहे अलग पहचान

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। आज अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस है। यह दिन युवाओं को उनकी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ राष्ट्र और समाज के विकास में उनकी भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। ऐसे में हजारीबाग के एक युवा का उल्लेख जरूरी हो जाता है, जिन्होंने कम उम्र में ही समाजसेवा, खेल और युवाओं के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। हम बात कर रहे हैं करण जायसवाल उर्फ सन्नी की, जो प्रतिष्ठित जायसवाल परिवार से आते हैं और हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के पुत्र हैं।

ह्यपूत के पाँव पालने में ही दिख जाते हैंह्न वाली कहावत करण जायसवाल के व्यक्तित्व पर बिल्कुल सटीक बैठती है। पुणे से एमबीए की पढ़ाई पूरी करने के बाद वर्ष 2016 में उन्होंने हजारीबाग लौटकर अपनी जन्मभूमि से जुड़ने और समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभाने का निर्णय लिया। पारिवारिक व्यवसाय की जिम्मेदारियां संभालने के साथ-साथ उन्होंने सामाजिक गतिविधियों में भी अपनी सक्रिय भागीदारी शुरू की।

करण जायसवाल का जन्म 11 जुलाई 1992 को हुआ। उनकी प्रारंभिक शिक्षा हजारीबाग के सेंट जेवियर स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने कोलकाता के सेंट जेम्स स्कूल से कॉमर्स में माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। कोलकाता के सेंट जेवियर कॉलेज से स्नातक करने के बाद उन्होंने पुणे के सिम्बायोसिस कॉलेज से एमबीए की डिग्री हासिल की।

शिक्षा पूरी करने के बाद जब वह हजारीबाग लौटे तो उन्होंने अपनी जन्मभूमि के प्रति जिम्मेदारी को प्राथमिकता देते हुए युवाओं और समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभानी शुरू की। धीरे-धीरे उनकी पहचान एक ऐसे युवा के रूप में बनने लगी, जो सामाजिक कार्यों के साथ-साथ खेल और युवाओं से जुड़े आयोजनों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

वर्तमान में करण जायसवाल हजारीबाग यूथ विंग के अध्यक्ष, हजारीबाग गौशाला के सह-मंत्री, हजारीबाग जिला चेस संघ के उपाध्यक्ष तथा हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

हजारीबाग यूथ विंग के माध्यम से उनके नेतृत्व में लगातार सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहा है। रक्तदान, जरूरतमंदों की सहायता और विभिन्न जनसेवा से जुड़े कार्यों में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में भी वह सक्रिय रहे हैं। उनके प्रयासों से आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों में जिले में बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया और रिकॉर्ड कायम करने की उपलब्धि भी हासिल हुई।

महिलाओं से संबंधित कानूनों पर पियर लीडर्स एवं पारा लीगल वालंटियर्स के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

रामगढ़: प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रामगढ़ मो. तौफीकुल हसन के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिल कुमार के तत्वावधान मे कॉन्फ्रेंस हॉल व्यवहार न्यायाल मे 90 दिवसीय जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं लड़कियों से संबंधित कानूनों, उनके विधिक अधिकारों तथा उपलब्ध विधिक सहायता के संबंध में पियर लीडर्स एवं पारा लीगल वॉलंटियर्स (लड़कियों एवं महिलाओं) के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पियर लीडर्स एवं पारा लीगल वॉलंटियर्स को महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकारों तथा उनके संरक्षण से संबंधित विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी प्रदान करना एवं उन्हें समाज में जरूरतमंद महिलाओं तक विधिक जानकारी एवं सहायता पहुँचाने हेतु सक्षम बनाना था ।

प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनों एवं प्रावधानों, जैसे घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण) अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम सहित महिलाओं एवं बालिकाओं को प्राप्त विधिक अधिकारों एवं संरक्षण के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को निःशुल्क विधिक सहायता, जिला विधिक सेवा? प्राधिकार की भूमिका, पीड़ित महिलाओं के लिए उपलब्ध सहायता एवं संबंधित सरकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, महिलाओं के विरूद्ध होने वाली हिंसा, उत्पीड़न एवं भेदभाव की घटनाओ में पीड़ित को उचित विधिक सहायता एवं संबंधित प्राधिकार तक पहुँचाने में पारा लीगल वॉलंटियर्स की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार रामगढ़ के चीफ एल.ए.डी.सी सुजित कुमार सिंह, पारा लीगल वॉलंटियर्स, पियर लीडर्स एवं अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

धीरज प्रसाद साहू ने की मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात, जेपीएससी-जेएसएससी आंदोलन पर हुई अहम चर्चा

बिभा संवाददाता

नई दिल्ली/लोहरदगा: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने नई दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अहम बैठक में झारखंड की वर्तमान राजनीतिक स्थिति, पार्टी संगठन को मजबूत करने और राज्य में चल रहे खढरउ-खररउ अभ्यर्थियों के आंदोलन को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

मुलाकात के दौरान धीरज साहू ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को खढरउ-खररउ अभ्यर्थियों की मांगों और नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने आग्रह किया कि कांग्रेस इन युवाओं की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाए। इसके जवाब में खड़गे ने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस अभ्यर्थियों के न्यायपूर्ण अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। पूर्व सांसद ने मल्लिकार्जुन खड़गे को झारखंड में होने वाली एक आगामी आमसभा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया। खड़गे ने इस आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए कहा कि वे जल्द ही झारखंड का दौरा करेंगे और कार्यकताओं के बीच पहुंचकर संगठन को नई ऊर्जा देंगे। बैठक में प्रदेश कांग्रेस संगठन को और अधिक धारदार बनाने, कार्यकताओं की सक्रियता बढ़ाने और भविष्य की राजनीतिक रणनीतियों पर भी सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ।

असामाजिक हो रहे सोशल मीडिया का नियमन जरूरी

उमेश चतुर्वेदी

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। जिसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्त्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। यह आग सीरिया, यमन और लीबिया तक जा पहुंची। वहां के पारंपरिक शासकों के खिलाफ लोगों का दबा हुआ गुस्सा निकला और कई जगह सत्ताएं बदल गईं। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई। फिर पंजाब में भी उसने पैठ बना ली।

इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल

मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। सोशल मीडिया के बारे में कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लेकिन यह उतना ही सच है कि इस माध्यम ने लोगों की नजर का पानी उतार दिया है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसके चरित्र पर आक्षेप लगाया जा सकता है। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो, उसकी उम्र चाहे जितनी भी बड़ी क्यों ना हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना अलगोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देखा। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। लेकिन जैसे ही किसी को कोई गाली देता है, किसी के चरित्र का बेवजह ही हनन करता है, किसी का घटिया कार्टून बनाता है, सोशल मीडिया का अलगोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया ने अब तक पर्दे के पीछे रही नंगई को भी उजागर कर दिया है। आज रील्स के चक्कर में अधनंगे और कई बार करीब-करीब नग्न फोटोग्राफ और वीडियो तक जारी किए जा रहे हैं। भले ही अपने परिवारों में महिलाएँ और युवतियां सलीके से रहती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने और उसके जरिए कुछ कमाने के चक्कर में अपने शील और अपनी लज्जा को भी बेपर्दा कर रही हैं। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका अलगोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है।

तीन साल पहले प्यू रिसर्च सेंटर ने 19 विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में सोशल मीडिया को लेकर एक शोध किया था। उसके मुताबिक, आम नागरिकों की नजर में सोशल मीडिया राजनीतिक जीवन के लिए रचनात्मक और विनाशकारी दोनों है। इस अध्ययन में शामिल देशों में, औसतन 57 प्रतिशत लोगों ने माना कि सोशल मीडिया लोकतंत्र के लिए अच्छा है, लेकिन इसे बिनाशकारी मानने वालों की संख्या भी कम नहीं रही। करीब 35 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का का कहना था कि सोशल मीडिया विनाशकारी साबित हो रहा है। सिर्फ 34 प्रतिशत अमेरिकियों ने ही सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए लाभकारी माना, जबकि 64 फीसद का कहना था कि इसने नकारात्मक प्रभाव ज्यादा डाला है। हाल ही में जेन जी से चर्चा के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी सोशल मीडिया को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उसमें उन्होंने कहा है कि यदि सोशल मीडिया पर उनके कारण दस लाख लोग कोई गलत निर्णय लेते हैं, तो उसकी जिम्मेदारी मेरी भी है। सोशल मीडिया पर सकारात्मक, उपयोगी और समाजहित की सामग्री साझा करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर केवल प्रामाणिक स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करना चाहिए। जेन-जी में भी यह विवेक विकसित होना चाहिए कि क्या सही है और क्या नहीं। वरिष्ठ पीढ़ी की भी जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करे तथा उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाए।

सोशल मीडिया का अनसोशल चेहरा और मंच आर्थिक कमाई का जरिया भी है। नंगई, हिंसा और व्यभिचार-अतिचार की कहानियां, दृश्य, वीडियो और फोटो को वायरल करने में उसका कोई सानी नहीं है। इस बहाने इसे प्रसारित करने वाले को सोशल मीडिया मंच आर्थिक कमाई भी कराते हैं। और तो और, वे खुद भी ऐसी घटनाओं, दृश्यों को प्रसारित-प्रचारित और वायरल करने के लिए बड़ी रकम लेते हैं। संसदीय समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इन कोशिशों का मकसद भारत में व्यापक पैमाने पर लोगों को उत्तेजित करके अराजकता फैलाना था। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती भी दे रहे हैं। वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं। जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की छूट नहीं।

संपादकीय

पैलेट के जख्म

इसमें दो राय नहीं कि किसी आंदोलन के दौरान आंदोलनकारियों के किन्हीं परिस्थितियों में उग्र होने और जन-धन की हानि रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन को कार्रवाई करनी होती है। इसमें भी दो राय नहीं है कि राज्य के पास हिंसा को रोकने और कानून-व्यवस्था को बनाये रखने के लिए पर्याप्त शक्तियां हैं। लेकिन प्रश्न इस बात का भी है कि लोकतांत्रिक तरीके से हो रहे विरोध को रोकने के लिए प्रयोग की गई ताकत का स्तर क्या रहा। जाहिर है राष्ट्रविरोधी ताकतों, हिंसक भीड़ तथा छात्रों के आंदोलन को एक ही तौर-तरीके से नहीं निपटा जा सकता है। इसी आलोक में सवाल पैदा होता है कि जंतर-मंतर से शुरू हुए संसद चलो मार्च को रोकने के लिए इस्तेमाल की गई ताकत क्या जरूरी थी? क्या उचित तरीके से अधिकृत थी? ऐसा ही विवाद इस आंदोलन के दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर खड़ा हुआ है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने शुरूआत से ही पैलेट गन के इस्तेमाल से इनकार किया। जबकि बाद में जनरल डायरी में यह दर्ज किया गया कि रैपिड एक्शन फोर्स ने एंटी-रायट गन से दो राउंड फायरिंग की थी। वहीं दूसरी ओर छात्र प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग को लेकर विपक्षी दल सरकार पर लगातार हमलावर रहे हैं। खासकर, कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्ष ने गृह मंत्री पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर तीखे प्रहार किए हैं। वे बाकायदा गृह मंत्री के इस्तीफे को लेकर लगातार अभियान चलाते रहे हैं। इसी बीच सूचना के अधिकार के तहत दिल्ली के दो अस्पतालों से एकत्र की गई जानकारी के अनुसार बीस जुलाई को छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम दस लोगों को पैलेट गन से चोट लगी थी। इन अस्पतालों में पैलेट गन से आहत छात्रों ने उपचार कराया था। निस्संदेह, पैलेट गन से घायल होने वालों का यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है क्योंकि यह एक आधिकारिक रिकॉर्ड पर आधारित है, न कि किसी बिना पुष्टि वाले दावों पर आधारित है। दरअसल, पैलेट गन की जद में आये छात्रों के अनुभव परेशान करने वाले रहे हैं। खबरों के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों के चेहरों, छाती और आंखों पर चोट आई है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि एक छात्र की आंख की रोशनी भी जा सकती है। सार्वजनिक विमर्श में सवाल उठाये जाते रहे हैं कि छात्र आंदोलनकारियों के विरुद्ध पैलेट गन का इस्तेमाल करने का तार्किक आधार क्या है। वहीं दूसरी ओर कानून-व्यवस्था बनाये रखने के दौरान मेटल पैलेट गन पर रोक लगाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में कहा था कि मौजूदा नियमों के तहत विशेष परिस्थितियों में इनका इस्तेमाल किया जा सकता है।

चिंतन-मनन

जो नहीं है उसे पाना हो ध्येय

असंतुष्ट होने का अर्थ दुखी होना नहीं है। असल में कोई आदमी पूरी तरह सुखी होकर भी असंतुष्ट हो सकता है। सुखी होने का मतलब है, जो है, उसे आनंद से भोगना। और असंतुष्ट होने का अर्थ है: जो नहीं है उसे आनंद से पैदा करने का श्रम करना। जब अधिकतम लोग समाज में इस भांति श्रम करते हैं तो समाज संपन्न और समृद्ध होता है। और जब अधिक लोग ऐसा सोचते हैं कि जो है बस ठीक है, वही रुक जाना है, तो फिर पूरा समाज धीरे-धीरे दरिद्र हो जाता है। जिंदगी का सारा विकास, जो नहीं है, उसे पाने से ही होता है। इसलिए मैं तो कहूंगा कि ऐसा किसी जगह मानने की जरूरत नहीं है कि अब सब पूरा हो गया, अब भला मुझे क्या करना है! यह मरने के ढंग हैं। यह अपने भीतर जिंदा रहते हुए मर जाना है। जब तक श्वास है, तब तक एक भी श्वास व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। फिर भी अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता हो कि मेरी तो सच में ही सारी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, तो फिर ऐसे व्यक्ति को दूसरों की आवश्यकताएं पूरा करने में लग जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को पक्का ऐसा लगता है कि मेरी तो सभी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, मैं क्यों श्रम करूं? तो उसे चारों तरफ देखना चाहिए कि अब मेरा काम तो जमीन पर खत्म हो गया, लेकिन दूसरों की आवश्यकताएं पूरी नहीं हुई हैं, उनके लिए मैं श्रम करने में लग जाऊं। लेकिन श्रम से नहीं बचा जा सकता। आपकी अपनी आवश्यकताएं पूरी हो गई हैं, तो अपने चारों तरफ देखिए। बहुत लोगों की पूरी नहीं हुई हैं, अतः उनके लिए श्रम करने में लग जाइए। लेकिन खाली बैठने का हक किसी को नहीं है। संन्यासी को भी खाली बैठने का हक नहीं है। देश को संपन्न करना है तो सभी को श्रम में लगना ही चाहिए। और श्रम में हम तभी लगेंगे जब कोई आवश्यकता पूरी करनी हो। चाहे अपनी, चाहे किसी दूसरे की, लेकिन आवश्यकता पूरी करने की दौड़ जारी रहनी चाहिए। यह दौड़ शांत हो, यह दौड़ आनंदपूर्ण हो, इतना मैं कहूंगा। यह दौड़ पागल की नहीं होनी चाहिए, विक्षिप्त की नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ नींद को हराम कर देने वाली नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ ऐसी नहीं होनी चाहिए कि आदमी बिल्कुल होश खो दे और दौड़ता रहे, और उसे पता भी न हो कि कहां दौड़ रहा है। यह दौड़ बहुत आनंदपूर्ण होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत शांत होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत स्वस्थ होनी चाहिए। यह हो सकती है। लेकिन हमने इस तरफ सोचा नहीं

अंगदान की संस्कृति ही मानवता को नई दिशा दे सकती है

ललित गर्ग

मनुष्य जीवनभर अपने लिए बहुत कुछ अर्जित करता है-धन, संपत्ति, प्रतिष्ठा, संबंध और सुविधाएँ। लेकिन जीवन की अंतिम घड़ी में इन सबका महत्व समाप्त हो जाता है। तब यदि हमारे शरीर का कोई अंग किसी दूसरे मनुष्य की धड़कन बन जाए, हमारी आँखें किसी अंधेरे जीवन में रोशनी भर दें, हमारा यकृत या गुर्दा किसी परिवार के बुझते चिराग को फिर से जला दे, तो इससे बड़ी जीवन-सार्थकता और क्या हो सकती है? अंगदान मृत्यु के बाद भी जीवन को जारी रखने की वह मानवीय संभावना है, जो मनुष्य को केवल अपने लिए जीने वाले प्राणी से उठाकर मानवता के लिए जीने वाला बना देती है। विश्व अंगदान दिवस हमें इसी महान विचार से जोड़ता है। आज आवश्यकता केवल अंगदान के बारे में जानकारी देने की नहीं, बल्कि हमारी सोच बदलने की है। हमें यह प्रश्न अपने आप से पूछना होगा कि जिस शरीर को मृत्यु के बाद पंचतत्व में विलीन होना है, उसके उपयोगी अंग यदि किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन दे सकते हैं तो उन्हें अपने साथ मिट्टी में मिला देना अधिक सार्थक है या किसी की सांसों का हिस्सा बना देना? मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन का कारण बनना हमारे हाथ में है।

भारत की सांस्कृतिक स्मृति में शरीर और जीवन के महान त्याग की परंपरा बहुत पुरानी है। महर्षि दधीचि की कथा इसका सबसे प्रभावशाली उदाहरण है। पौराणिक परंपरा के अनुसार जब देवताओं को असुरों से संघर्ष के लिए ऐसे अस्त्र की आवश्यकता हुई जिसे दधीचि की अस्थियों से बनाया जा सके, तब महर्षि दधीचि ने लोककल्याण के लिए अपना शरीर ही त्याग दिया। उनकी अस्थियों से वज्र बनाया गया और उससे जनकल्याण की रक्षा हुई। यह कथा आधुनिक अर्थों में अंगदान की चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, लेकिन अपने शरीर को भी समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए समर्पित कर देने की भारतीय त्याग-चेतना का अत्यंत शक्तिशाली प्रतीक अवश्य है। भारत के राष्ट्रपति सचिवालय ने भी अंग एवं देहदान की भारतीय परंपरा को समझाते हुए महर्षि दधीचि के इस प्रसंग का उल्लेख किया है। हमारी परंपरा में राजा शिवि की कथा भी त्याग और जीव-दया की अद्भुत मिसाल है। एक कबूतर की रक्षा के लिए उन्होंने अपने शरीर का मांस तक देने की तत्परता दिखाई। चाहे ये प्रसंग धार्मिक आख्यान हों, लेकिन इनके भीतर छिपा संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है-अपने जीवन और शरीर को केवल अपनी निजी संपत्ति न समझना, बल्कि उसे व्यापक जीवन के कल्याण से जोड़ना। जैन दर्शन का सूत्र ह्लपरस्परोपग्रहो जीवानाम्ह्व भी यही बताता है कि जीव एक-दूसरे के उपकार के लिए हैं। अंगदान इस विचार का आधुनिक वैज्ञानिक रूप कहा जा सकता है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने इस मानवीय भावना को वास्तविक जीवन बचाने की शक्ति प्रदान कर दी है। वर्ष 1954 में दुनिया का पहला सफल मानव किडनी प्रत्यारोपण हुआ। रोनाल्ड ली हेरिक ने अपनी एक किडनी अपने जुड़वां भाई रिचर्ड को दान की थी। यह घटना चिकित्सा इतिहास में एक ऐसी क्रांति की शुरूआत बनी, जिसने आगे चलकर अंग प्रत्यारोपण को लाखों लोगों के लिए जीवन की आशा बना दिया। इसके बाद 1967 में मानव हृदय प्रत्यारोपण की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि चिकित्सा विज्ञान मनुष्य की मृत्यु और जीवन के बीच खड़ी कई दीवारों को तोड़ सकता है। भारत ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय यात्रा की है। देश में पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण 1 दिसंबर 1971 को चेन्नई के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में हुआ था। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक दिन भारत में हजारों लोगों के लिए अंग प्रत्यारोपण जीवन का नया द्वार बनेगा। आज चिकित्सा तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि किडनी, लिवर, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंगों के साथ कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व जैसे ऊतकों का भी प्रत्यारोपण संभव है।

लेकिन विज्ञान की क्षमता जितनी बढ़ी है, हमारी सामाजिक चेतना उस गति से नहीं बढ़ पाई। यही सबसे बड़ी चुनौती है। भारत में आज भी प्रत्यारोपण की आवश्यकता और उपलब्ध अंगों के बीच बड़ा अंतर है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2024 में देश में अंग प्रत्यारोपण की गतिविधि व्यापक रही, लेकिन मृतक दाताओं की संख्या अभी भी आवश्यकता की तुलना में बहुत कम है। इसका अर्थ साफ है-हमारे अस्पतालों में तकनीक है, डॉक्टर हैं, सर्जरी की क्षमता है, लेकिन जीवन बचाने के लिए पर्याप्त अंग नहीं हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें अंगदान को मृत्यु की चर्चा नहीं, जीवन की चर्चा बनाना होगा। परिवारों में इस विषय पर समय रहते बातचीत होनी चाहिए। स्कूलों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और मीडिया को मिलकर ऐसी वातावरण-निर्मिति करनी होगी जिसमें अंगदान सुनते ही भय नहीं, बल्कि करुणा और जीवन बचाने का भाव पैदा हो। आज भी अनेक लोग सोचते हैं कि मृत्यु के बाद शरीर को क्षति पहुँचाना धर्म के विरुद्ध है। कुछ लोगों को अगले जन्म की चिंता होती है, कुछ को शरीर के साथ होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का भय होता है और कुछ परिवार अंतिम समय में मानसिक रूप से इतने टूट जाते हैं कि अंगदान का निर्णय नहीं ले पाते। इन भ्रमों का समाधान टकराव से नहीं, संवाद, संवेदना और वैज्ञानिक जानकारी से होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझनी होगी कि अंगदान किसी पर थोपा जाने वाला धार्मिक या सामाजिक कर्तव्य नहीं है। यह एक स्वैच्छिक, नैतिक और मानवीय निर्णय है, जिसे व्यक्ति को विश्वसनीय चिकित्सा एवं कानूनी जानकारी के आधार पर लेना चाहिए। लेकिन यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से यह संकल्प करता है कि मृत्यु के बाद उसके उपयोगी अंग किसी जरूरतमंद को मिलें, तो वह अपने जीवन की अंतिम घड़ी को भी मानवता के उत्सव में बदल सकता है। भारत में अंगदान की प्रेरक घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में नागपुर में 52 वर्षीय शिक्षक कोंडबा दत्तात्रेय मडावी मृतक अंगदान करने वाले 200वें दाता बने, उनके अंगों से तीन लोगों को नया जीवन मिला। ऐसी घटनाएँ हमें बताती हैं कि अंगदान कोई दूर की आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि हमारे आसपास घटने वाली वास्तविक जीवन-बचाने वाली प्रक्रिया है। दिल्ली में 70 वर्षीय मृत महिला के गुर्दों का सफल उपयोग कर एक 56 वर्षीय महिला को जीवन की नई उम्मीद मिली-यह घटना यह भी बताती है कि केवल उम्र के आधार पर किसी संभावित दाता के अंगों को अनुपयोगी मान लेना उचित नहीं है, अंतिम निर्णय चिकित्सा स्थिति पर निर्भर करता है। भारत के कुछ राज्यों ने इस दिशा में उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। तेलंगाना में 2024 में मृतक अंगदान की दर राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक रही और उसके ह्यजीवदानह्ण कार्यक्रम के माध्यम से हजारों प्रत्यारोपण संभव हुए। तमिलनाडु में भी मृतक अंगदान की व्यवस्था ने अनेक परिवारों को प्रेरित किया हैय 2026 में एक परिवार ने भाषा की बाधा के बावजूद डिजिटल अनुवाद की मदद से अपने प्रियजन के अंगदान का निर्णय लिया और अनेक मरीजों को जीवन मिला।

जंतर मंतर-रांची: छात्र आंदोलन एक रूप अनेक

निर्मल रानी

देश इन दिनों लगभग राष्ट्रव्यापी छात्र आक्रोश व आंदोलन से रूबरू है। अभी कुछ दिन पहले ही नीट पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली के खिलाफ 6 जून से शुरू होकर 25 जुलाई 2026 तक चला आंदोलन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खत्म हुआ था। इसके बाद ही झारखंड में भी जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरुद्ध 29 जुलाई से रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्र आंदोलन की शुरूआत हुई। यहाँ भी छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, धांधली और अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच आदि मांगों को लेकर धरना, प्रदर्शन और विधानसभा घेराव जैसे कार्यक्रम कर रहे हैं। परन्तु कुछ दिनों पूर्व हुये दिल्ली के जंतर-मंतर व वर्तमान समय रांची में चल रहे छात्र आंदोलन में जहां कुछ बातें समान हैं वहीं कई बातें विरोधाभासी भी हैं। उदाहरण के तौर पर दोनों ही आंदोलन पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली व अनियमितताओं के खिलाफ किये गए हैं। जंतर मंतर की ही तरह रांची में भी जहाँ आंदोलनस्थल पर अनेक स्वयंसेवी लंगर चला रहे हैं व आंदोलनकारी छात्रों के दूर दराज बैठे समर्थक फूड ऐप्स के जरिए सीधे आंदोलन स्थल पर भोजन ऑर्डर कर रहे हैं व छात्रों को मेडिकल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। यहाँ भी भोजन इतनी अधिक मात्रा में आ रहा है कि आंदोलनकारी छात्रों ने वीडियो जारी कर लोगों से कुछ दिन ऑर्डर रोकने की अपील की ताकि खाना बर्बाद न हो और बचे हुए भोजन को जरूरतमंदों में बांटा जा सके। इसके अलावा रांची के स्थानीय दुकानदारों और आम नागरिकों द्वारा आंदोलन स्थल पर भोजन,समोसे, बिरयानी,नाश्ता और पानी आदि पहुंचाया जा रहा है। अनशन पर बैठे छात्र नेताओं की सेहत की देखभाल के लिए रांची के सदर अस्पताल में मेडिकल टीम नियमित रूप से आंदोलन स्थल पर पहुंचकर स्वास्थ्य जांच (ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल) कर रही है। इसके अतिरिक्त झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने निर्देश जारी किया है कि आंदोलन के दौरान बीमार या चोटिल होने वाले छात्रों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी, चाहे वे सरकारी अस्पताल में इलाज कराएं या निजी अस्पताल में।

परन्तु इन दोनों अर्थात दिल्ली व रांची के आंदोलन में जो सबसे बड़ा विरोधाभास नजर आ रहा है वह है जंतर मंतर के छात्र आंदोलन का विरोध करने वालों का रांची के आंदोलन में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना। बड़ी हैरत की बात है कि जो वर्ग,जो संगठन और जिस विचारधारा से जुड़े लोग जंतर मंतर के आंदोलनकारियों को देशद्रोही, बदतमीज, गटर जनरेशन,गलियां बोलने व अपशब्द इस्तेमाल करने वालों का झुण्ड,विदेशी फंडिंग से चलने वाला आंदोलन बता रहे थे, दिल्ली के आंदोलन में जो लोग हिन्दू-मुस्लिम का दृष्टिकोण ढूंढ रहे थे,जिन्हें दिल्ली के आंदोलन कारी आवारा व चरित्रहीन नजर आ रहे थे वही लोग वही वर्ग और वही विचारधारा रांची के छात्र आंदोलन में कुछ इसतरह बढ़चढ़कर हिस्सा लेने को उतावली है गोया रांची का आंदोलन छात्र आंदोलन के बजाये देश का दूसरा स्वाधीनता संग्राम हो? याद कीजिये कि जंतर मंतर आंदोलन के संदर्भ में ही एक हिंदुत्व विचारक और केरल भाजपा के बौद्धिक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रमुख टीजी मोहनदास ने कहा था कि अगर स्थिति उनके नियंत्रण में होती, तो वे नई दिल्ली के आंदोलन स्थल के आसपास कर्फ़्यू लगाकर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवा देते। इस व्यक्ति ने प्रदर्शन में शामिल धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी विचारधारा वाली छात्राओं व महिलाओं के साथ रेप करवाने जैसी बेहद अमर्यादित और आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की थीं। साथ ही गोदी मीडिया के नाम से बदनाम सत्ता का पिछलग्गू मीडिया भी जो जंतर मंतर आंदोलन से या तो मुंह मोड़े हुआ था या इसी आंदोलन विरोधी वर्ग की तरह आंदोलन में केवल नकारात्मकता तलाश रहा था,जिसे संसद भवन के पास चल रहा इतना बड़ा छात्र आंदोलन नजर नहीं आ रहा था वही मीडिया रांची में डेरा जमाये हुये है और अपने तरीके से छात्र आंदोलन का नरेटिव सेट करने में लगा है। इस दोहरेपन का केवल एक ही कारण है कि दिल्ली में केंद्र व दिल्ली राज्य, दोनों ही जगह भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं जबकि झारखण्ड में झारखंड मुक्ति मोर्चा , कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल, के गठबंधन यानी इण्डिया गठबंधन की सरकार है और झामुमो के हेमंत सोरेन इस सरकार के मुख्यमंत्री हैं। इसलिये इनका समर्थन छात्र आंदोलन को नहीं बल्कि यह झारखण्ड में इण्डिया गठबंधन की सरकार का विरोध कर रहे हैं। इस अवसरवादी विचारधारा का विरोध करने वालों का चेहरा रांची में उस समय भी बेनकाब हुआ जबकि जंतर मंतर के आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा और वहां अनशन पर बैठने वाली अखिल भारतीय छात्र संगठन AISA की केंद्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा जब हजारों छात्रों के साथ विधानसभा के लिये मार्च निकाल रही थीं उस समय एक युवक ने नेहा पर स्याही फेंक कर छात्र आंदोलन को समर्थन देने की अपनी हकीकत को उजागर कर दिया। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों ने युवक को पकड़कर उसकी पिटाई की और फिर पुलिस के हवाले कर दिया और पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया। नेहा बोरा ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिनके पास तर्क या बहस की क्षमता नहीं होती, वे ऐसी हरकतों पर उतर आते हैं। उन्होंने इस हमले के पीछे भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोगों का हाथ होने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि नेहा बोरा व उनका संगठन अखिल भारतीय छात्र संगठन AISA जंतर मंतर के आंदोलन में भी शामिल था और उसी उत्साह के साथ रांची में भी सक्रिय है। जबकि रांची में छात्र आंदोलन का मुख्य चेहरा बनने की इच्छा पालने वाले लोग जंतर मंतर में न केवल लापता थे बल्कि उसके विरोध में भी खड़े थे। कहा जा सकता है कि जंतर मंतर व रांची दोनों जगह छात्र आंदोलन व उनकी मांगें व समस्याएँ तो लगभग एक हैं परन्तु उनके अनेक रूप देखे जा रहे हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

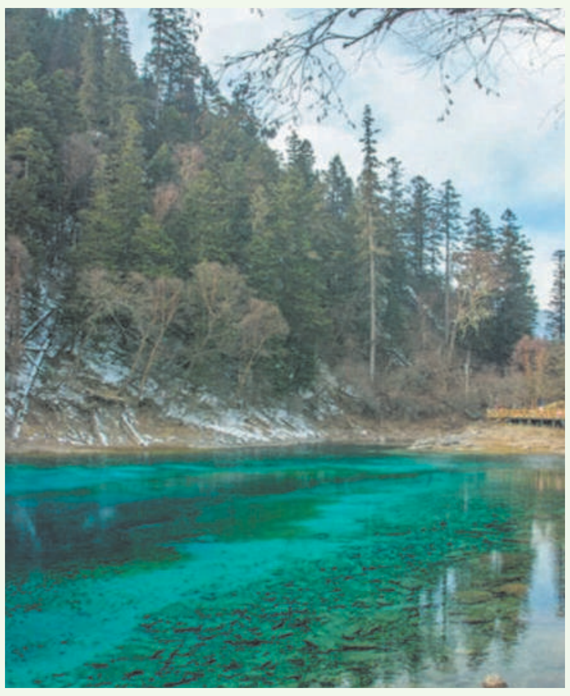

भारत की ये झीलें जन्नत से नहीं है कम, इस गर्मी ट्रैवल बकेट लिस्ट में करें शामिल

अगर आप भी इस गर्मी देश की फेमस और खूबसूरत झीलों को देखने का मन बना रहे हैं, तो आज हम आपको देश की कुछ अद्भुत और बेहद खूबसूरत झीलों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर जाकर आप अपनी छुट्टियों को खास बना सकते हैं।

गर्मियों के मौसम में लगभर हर कोई ठंडी जगहों या समुद्र तटीय क्षेत्रों पर जाना ज्यादा पसंद करते हैं। इसके अलावा इस मौसम में झीलों का नजारा भी देखने लायक होता है। ठंडी-ठंडी हवाओं के बीच झीलों को देखना काफी ज्यादा अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप भी इस गर्मी देश की फेमस और खूबसूरत झीलों को देखने का मन बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देश की कुछ अद्भुत और बेहद खूबसूरत झीलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाकर आप अपनी छुट्टियों को खास बना सकते हैं।

बड़ी लेक

राजस्थान के माउंट आबू में मीठे पानी की एक विशाल झील है। इसको बड़ी लेक के नाम से भी जाना जाता है। गर्मियों में यहां का नजारा बेहद खूबसूरत होता है। बताया जाता है कि बड़ी लेक को खुद भगवान ने बनाया था। हर साल यहां पर बड़ी संख्या में लोग अपनी छुट्टियों को यादगार बनाने के लिए आते हैं।

नैनी झील

नैनीताल के लोगों के लिए नैनी झील काफी ज्यादा फेमस है। नैनी झील को नैनीताल झील के नाम से भी जाना जाता है। नैनी झील में आप नौकायन यानी की नाव की सवारी का आनंद ले सकते हैं। हर साल यहां पर देशी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

हुसैन सागर झील

वहीं हैदराबाद में हुसैन सागर झील है, जोकि देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगती है। बताया जाता है कि इस हुसैन झील के तट पर गोलकुंडा और मुगलों के बीच संधि हुई थी। इसके साथ ही इस लेक में बुद्ध देवता की विशाल मूर्ति है। गर्मियों में हुसैन सागर झील का नजारा देखने लायक होता है।

लोकटक झील

लोकटक झील मणिपुर में है और यह झील पर्यटकों के बीच काफी ज्यादा फेमस है। इस झील को फ्लोटिंग झील के नाम से भी जाना जाता है। बताया जाता है कि लोकटक झील दुनिया की इकलौती ऐसी लेक है, जोकि तैरती हुई दिखाई देती है। ऐसे में अगर आप गर्मियों में मणिपुर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको एक बार लोकटक झील देखने जरूर जाना चाहिए।

टारसर झील

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में टारसर झील मौजूद है, जोकि काफी ज्यादा खूबसूरत है। यह झील पर्वतीय इलाके में जमीन से करीब 3,795 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। टारसर झील के आसपास बड़े-बड़े पहाड़ हैं, जोकि दिखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगते हैं।

प्रकृति, इतिहास और आध्यात्म का अद्भुत संगम है शिवपुरी

शिवपुरी का नाम भगवान शिव के नाम पर पड़ा है। यह नगर कभी नरवर रियासत का हिस्सा था और बाद में ग्वालियर राज्य के अधीन आ गया। सिंधिया राजवंश ने यहाँ कई महलों, उद्यानों और स्मारकों का निर्माण करवाया, जो आज भी उसकी राजसी भव्यता की गवाही देते हैं।

शिवपुरी मध्य प्रदेश का एक सुरम्य और ऐतिहासिक नगर है, जो अपनी हरियाली, प्राचीन स्मारकों, राजसी विरासत और धार्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह नगर एक समय में सिंधिया राजवंश की ग्रीष्मकालीन राजधानी रहा है और आज यह पर्यटकों के लिए एक शांत, सुंदर और विविध अनुभव प्रदान करता है।

शिवपुरी का ऐतिहासिक परिचय

शिवपुरी का नाम भगवान शिव के नाम पर पड़ा है। यह नगर कभी नरवर रियासत का हिस्सा था और बाद में ग्वालियर राज्य के अधीन आ गया। सिंधिया राजवंश ने यहाँ कई महलों, उद्यानों और स्मारकों का निर्माण करवाया, जो आज भी उसकी राजसी भव्यता की गवाही देते हैं।

शिवपुरी के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. माधव राष्ट्रीय उद्यान

शिवपुरी का सबसे प्रसिद्ध स्थल। यह राष्ट्रीय उद्यान कभी सिंधिया राजाओं का शिकार क्षेत्र हुआ करता था। अब यह बाघ, तेंदुआ, चीतल, सांभर, नीलगाय, मगरमच्छ, और अनेक पक्षियों का निवास स्थान है। यह प्रकृति प्रेमियों और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स के लिए स्वर्ग है।

2. सिंधिया की छतरियाँ

सिंधिया राजाओं और रानियों की याद में बने ये संगमरमर के स्मारक भारतीय और मुगल वास्तुकला के सुंदर मिश्रण का उदाहरण हैं। यहाँ की कलाकृति, मेहराबें और जालीदार खिड़कियाँ देखने योग्य हैं।

3. माधव विलास महल

यह एक भव्य शाही महल है, जहाँ सिंधिया परिवार गर्मियों में रहा करता था। ऊँचाई पर स्थित यह महल अपने बगीचों, झरोखों और शाही वातावरण के लिए प्रसिद्ध है।

4. सागर तालाब और भदैया कुंड

शिवपुरी के यह जल स्रोत प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ स्थानीय लोगों की आस्था से भी जुड़े हुए हैं। यहाँ बैठकर आप शांति का अनुभव कर सकते हैं।

5. नरवर किला

शिवपुरी से लगभग 40 किमी दूर स्थित यह प्राचीन किला 10वीं शताब्दी में बना था और चंदेल, परमार, तोमर, और मुगलों के अधीन रहा। किले से आसपास का मनोरम दृश्य दिखाई देता है।

धार्मिक स्थल

सिद्धेश्वर महादेव मंदिर - एक प्राचीन शिव मंदिर जो स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच अत्यंत पूजनीय है।

छत्री मंदिर परिसर - यहाँ भगवान विष्णु और अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियाँ स्थापत्य कला का अनोखा उदाहरण हैं।

क्या करें?

वन सफारी - माधव राष्ट्रीय उद्यान में सुबह या शाम की सफारी जरूर लें।

फोटोग्राफी - प्रकृति, इतिहास और संस्कृति का अद्भुत संगम आपको कैमरे से दूर नहीं रहने देगा।

स्थानीय भोजन - यहाँ का पारंपरिक मालवी और बुंदेली खाना जरूर चखें।

कैसे पहुँचे?

निकटतम रेलवे स्टेशनः शिवपुरी रेलवे स्टेशन, ग्वालियर (110 किमी)

निकटतम हवाई अड्डाः ग्वालियर

सड़क मार्गः ग्वालियर, झाँसी, भोपाल और इंदौर से सड़क मार्ग द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है

ठहरने की व्यवस्था

शिवपुरी में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित रिसॉर्ट्स, लॉज और कई निजी होटल उपलब्ध हैं। यदि आप प्रकृति के करीब रहना चाहते हैं, तो माधव राष्ट्रीय उद्यान के पास रिसॉर्ट एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच का मौसम शिवपुरी घूमने के लिए सबसे उपयुक्त है। इस समय तापमान सुखद होता है और वन्यजीव भी अधिक दिखते हैं।

शिवपुरी एक ऐसा स्थल है जहाँ इतिहास के पदचिन्ह, राजसी भव्यता, प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक शांति— सब एक साथ मिलते हैं। यह पर्यटन के शोरगुल से दूर, आत्मिक और सुकून भरी यात्रा के लिए आदर्श स्थल है। यदि आप मध्य प्रदेश की अनदेखी विरासत को महसूस करना चाहते हैं, तो शिवपुरी की यात्रा जरूर करें।

खूबसूरत तैमारा घाटी का खौफनाक रहस्य, यहां आते ही बदल जाता है मोबाइल का वक्त

झारखंड की खूबसूरत जगहों के बीच तैमारा घाटी के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। तैमारा घाटी झारखंड में %मौत का हाइवे% के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज हम आपको तैमारा घाटी की डरावनी कहानियों के बारे में बताने जा रहे हैं। झारखंड भारत का एक प्रमुख और खूबसूरत राज्य है। यह राज्य साल 2000 में बिहार से अलग होकर देश का 28वां राज्य बना था। आज झारखंड पूरे भारत का एक खनिज समृद्ध राज्य माना जाता है। झारखंड घने जंगलों, कोयला खदानों और बेहतरीन पर्यटन स्थलों के लिए जाना जाता है। झारखंड की पतरानू घाटी, हुंडरू, टैगोर हिल और दशम वॉटरफॉल, नेतरहाट और तोपचांची झील जैसी खूबसूरत जगहों के बारे में हर कोई जानता है।

इन खूबसूरत जगहों के बीच तैमारा घाटी के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। तैमारा घाटी झारखंड में %मौत का हाइवे% के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको तैमारा घाटी की डरावनी कहानियों के बारे में बताने जा रहे हैं।

तैमारा घाटी

तैमारा घाटी एक डरावनी जगह मानी जाती है, जोकि रांची-जमशेदपुर हाईवे यानी एनएच-33 पर है। यह जगह राजधानी रांची से करीब 30 किमी की दूरी पर है। हाइवे पर होने के कारण तैमारा घाटी को %मौत का हाइवे% के नाम से भी जानी जाती है। यह हाइवे घने जंगलों के बीच में है, जिसकी वजह से यह काफी डरावना लगता है।

तैमारा घाटी की घटनाएं

तैमारा घाटी की एक नहीं बल्कि कई घटनाएं प्रचलित हैं। यह घाटी देखने में तो काफी मनमोहक लगती है। लेकिन यह घाटी कई मौतों की गवाह भी बन चुकी है। बताया जाता है कि इस घाटी गुजरने पर टाइम और तारीख अपने आप बदल जाती है।

तैमारा घाटी को लेकर एक अन्य कहानी है कि जंगलों के बीच से जब गाड़ी गुजरती है, तो उस गाड़ी की स्पीड मीटर खुद ब खुद बदल जाती है। वहीं माना जाता है कि रात के समय इस घाटी से अजीबो-गरीब आवाजें आती रहती हैं। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि डर के कारण लोग रात में अकेले इस घाटी से गुजरना नहीं चाहते हैं।

तैमारा घाटी की डरावनी कहानियां

इस घाटी की सबसे डरावनी कहानियों में फेमस कहानी मोबाइल में डेट और समय का बदल जाना है। कई लोगों का इस घाटी के बारे में मानना है कि जब कोई यहां से गुजरता है तो उसके मोबाइल में साल, डेट और समय अपने आप बदल जाता है।

ऐसा होने के पीछे लोग कुछ और कहानी भी बताते हैं। लोगों का मानना है कि तैमारा घाटी से कुछ ही दूरी पर मैग्नेटाइज्ड रॉक है। जिसकी वजह से यह समस्या होती है। वहीं एक अन्य कारण यह भी है कि इसी घाटी से कर्क रेखा गुजरती है, जिस वजह से यह समस्या होती है।

तैमारा घाटी घूमने जाते हैं पर्यटक

बता दें कि झारखंड की राजधानी रांची से करीब 30 किमी दूर स्थित तैमारा घाटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहां पर भीषण गर्मी में भी ठंडी-ठंडी हवाएं चलती हैं। ऐसे में पर्यटक भी तैमारा घाटी घूमने के लिए पहुंचते हैं। मानसून के समय पर्यटक दूर-दूर से यहां पर लॉन्ग ड्राइव के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस घाटी की खूबसूरती देखने लायक होती है।

पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का किया विमोचन

–कार्यक्रम में शॉर्टकट के दौर में युवाओं को सावधान रहने का दिया संदेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा के विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने रामनाथ कोविंद की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में एक मिसाल कायम की है। पद छोड़ने के बाद भी रामनाथ कोविंद देश के लिए लगातार काम कर रहे हैं। वह 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर बनी जेपीसी के अध्यक्ष भी हैं। पीएम मोदी ने कोविंद की आत्मकथा 'भारतीय गणतंत्र की विजय- मेरा जीवन, मेरा संघर्ष' का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि देश की नई पीढ़ी को इस किताब को पढ़ना चाहिए और कोविंद के अनुभवों से सीखना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि किताब का शीर्षक बिल्कुल सही है। इसमें रामनाथ कोविंद के व्यक्तिगत जीवन और संघर्षों की कहानी है, लेकिन उनकी सफलता सिर्फ उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि भारतीय गणतंत्र और लोकतंत्र की जीत है। पीएम ने कार्यक्रम में एक वाकये का जिक्र करते हुए कहा कि जब वे प्रधानमंत्री के तौर पर राष्ट्रपति भवन में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिलने जाते थे। तब प्रोटोकॉल के बावजूद रामनाथ कोविंद अक्सर औपचारिकताओं से हटकर उनसे बातचीत करते थे। इतना ही नहीं, वह प्रधानमंत्री को विदा करने के लिए खुद कार के दरवाजे तक आते थे। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने कई बार पूर्व राष्ट्रपति से ऐसा न करने को कहा, लेकिन उन्होंने अपनी यह विनम्रता कभी नहीं छोड़ी।

पीएम मोदी ने रामनाथ कोविंद के गांव परौंख जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद जब कोविंद अपने गांव पहुंचे तो उन्होंने अपने शिक्षकों के पैर छुए, गांव की मिट्टी को नमन किया और वहां के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। पीएम मोदी ने कहा कि कोविंद का यह भावुक अंदाज पूरे देश ने देखा उनके व्यवहार ने दुनिया के सामने भारत के संस्कार और सांस्कृतिक मूल्यों की ऐसी तस्वीर पेश की, जिस पर हर भारतीय को गर्व होता है। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने जेन-जी को भी खास संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज के सोशल मीडिया के जमाने में कई इन्फ्लुएंसर्स युवाओं को आकर्षित करते हैं, लेकिन इस शॉर्टकट के दौर में भी युवाओं को सावधान रहना चाहिए। पीएम मोदी ने रेलवे स्टेशन पर लिखी एक लाइन का उदाहरण देते हुए कहा रेलवे स्टेशन पर भी लोग ब्रिज से जाने की बजाय पटरी पार करने की कोशिश करते हैं। उन्होने कहा कि यह गलत शॉर्टकट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने युवाओं से कहा कि अगर वे जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं और दूसरों के अनुभवों से सीखना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी पसंद के लोगों की ऑटोबायोग्राफी जरूर पढ़नी चाहिए।

मणिपुर के कांगपोकपी में नागा गांव पर हमला, नौ मकान जलाए

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में हथियारबंद बदमाशों ने एक नागा गांव पर हमला कर कई मकानों में आग लगा दी। सूत्रों के अनुसार, लियांगमाई नागा समुदाय के कम से कम नौ मकान पूरी तरह जलकर खाक हो गए। घटना मंगलवार रात करीब 9-30 बजे टोकपा लियांगमाई गांव में हुई। टोकपा लियांगमाई गांव महिका और लोअर थानंबा गांवों के बीच स्थित है। देर रात हुए हमले में नौ मकानों के पूरी तरह जलने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, हमले के पीछे की परिस्थितियों और इसमें शामिल लोगों की पहचान तत्काल स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना के बाद गांव में भय और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की तत्काल जांच कराने और क्षेत्र में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। बुधवार सुबह तक कांगपोकपी जिला प्रशासन, मणिपुर पुलिस या सुरक्षा बलों की ओर से घटना को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। यह भी स्पष्ट नहीं है कि हमले में किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की सूचना है या नहीं। मणिपुर के कई हिस्सों में पहले से जारी तनाव के बीच इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने बेंगलुरु जेल में छापा मारा, रेवन्ना व दो कैदियों के पास मिले फोन

बेंगलुरु (एजेंसी)। सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने बेंगलुरु स्थित परप्पना अग्रहारा जेल में छापेमारी की। छापेमारी में जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना और प्रताप राय नाम के एक अन्य कैदी के पास फोन मिले हैं। दोनों के खिलाफ परप्पना अग्रहारा जेल में प्रिजन्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह धारा जेल के अंदर या बाहर गैर-कानूनी सामान लाने, बिना इजाजत कैदियों से बात करने या इन नियमों को तोड़ने में मदद करने पर सजा का प्रावधान है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच अधिकारी नोटिस भेजने और आगे की कार्रवाई शुरू करने से पहले वे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं और और जानकारी जुटा रहे हैं। डीजीपी जेल ने बताया कि मंगलवार दोपहर सीसीबी ने सभी हाई-प्रोफाइल कैदियों के यहां छापेमारी की। प्रज्वल रेवन्ना के पास से एक एंड्रॉयड फोन ज़ब्त किया है। डीआईजी (साउथ) की रिपोर्ट पर संबंधित असिस्टेंट जेल सुपरिटेंडेंट को सस्पेंड कर दिया गया है और बैंगलोर सेंट्रल जेल के एसपी को शो कॉज नोटिस जारी किया गया है। इस घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

अमेरिकी वीज़ा के लिए फर्जीवाड़ा : आंध्र प्रदेश का युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी दूतावास की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने आंध्र प्रदेश के 25 वर्षीय युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। युवक पर गैर-आप्रवासी वीजा के लिए आवेदन करते समय फर्जी दस्तावेज जमा करने का आरोप है। घटना 7 अगस्त को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में हुई, जहाँ युवक वीज़ा इंटरव्यू के लिए पहुंचा था। आरोपी ने अपनी शैक्षिक योग्यता के रूप में राजस्थान के एक विश्वविद्यालय से कंप्यूटर्स में बैचलर ऑफ कॉमर्स की फर्जी डिग्री पेश की। इतना ही नहीं आरोपी ने 35,000 रुपये मासिक वेतन दिखाने वाला एक कंपनी का अप्रेजल पत्र और ढाई साल के अनुभव का दावा करने वाला अनुभव प्रमाण पत्र पेश किया। वित्तीय स्थिति को मजबूत दिखाने के लिए, युवक ने 1.2 करोड़ रुपये की संपत्ति दर्शाने वाला नेटवर्थ प्रमाण पत्र और बैंक खातों में 45 व 50 लाख रुपये का बैलेंस दिखाया। हालाँकि, इंटरव्यू के दौरान पूछताछ में युवक टूट गया और स्वीकार किया कि कभी विश्वविद्यालय में पढ़ाई नहीं की और सभी शैक्षणिक दस्तावेज फर्जी थे। युवक ने बताया कि ये फर्जी दस्तावेज विजयवाड़ा के वीजा एजेंट नितिन ने उपलब्ध कराए थे। युवक ने माना कि मैंने केवल दो-ढाई महीने ही काम किया था और रोजगार संबंधी दस्तावेज उसके चाचा की कंपनी ने दिए थे।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद : सपा सांसद का भाजपा पर बड़ा हमला, श्रद्धालु घटने का दावा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर सियासी बयानबाजी तेज है। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा पर तीखा हमला कर दावा किया है कि इस प्रकरण में कुछ छोटे लोगों को गिरफ्तार कर बड़ी मछली को बचाया गया है। उन्होंने मोदी सरकार से इस पूरे मामले पर सदन में जवाब देने की मांग की है।

सांसद प्रसाद ने अयोध्या की मौजूदा स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहले अयोध्या में रोजाना लाखों श्रद्धालु पहुंचते थे और बड़ी संख्या में सोने, चांदी व नकदी का चढ़ावा चढ़ाया जाता था। उनके अनुसार, अब श्रद्धालुओं की संख्या में भारी कमी आई है और रोजाना 10 हजार तक की भीड़ भी नहीं पहुंच रही है। सांसद प्रसाद ने दावा किया कि पहले जहां लाखों रुपये का चढ़ावा आता था, वहीं अब 5, 11, 21 और 51 रुपये जैसी छोटी रकम ही चढ़ावे में आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने अयोध्या की मर्यादा को तोड़ने और कलंकित करने का काम किया है। उन्होंने चंदा चोरी प्रकरण की निष्पक्ष जांच और इसके पीछे के दोषियों को सामने लाने की मांग भी की। वहीं, राम मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पद के लिए साक्षात्कार जारी हैं। उम्मीदवारों से इंटरव्यू से पहले करीब तीन दर्जन सवालों वाला ऑनलाइन गूगल फॉर्म भरवाया गया। इन सवालों में प्रशासनिक अनुभव के साथ-साथ धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत जीवन से जुड़े प्रश्न शामिल थे। उम्मीदवारों से पूछा गया कि क्या वे शिक्षा रखते हैं, जनेऊ पहनते हैं, शुद्ध शाकाहारी हैं या मांसाहारी, और क्या वे शराब का सेवन करते हैं। हिंदू धर्म के प्रति उनकी आस्था को लेकर भी सवाल किए। साक्षात्कार में प्रशासनिक क्षमता, नेतृत्व कौशल, धार्मिक-सामाजिक जुड़ाव और मंदिर के भविष्य को लेकर उनके दृष्टिकोण का मूल्यांकन किया गया है। मंगलवार को 18 में से 8 उम्मीदवारों का आमने-सामने साक्षात्कार हुआ, जिसमें चार पूर्व आईएएस अधिकारी शामिल थे।

दो किसानों को ले गए थे बांग्लादेशी- फ्लैग मीटिंग के बाद हुई रिहाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर उस समय अचानक तनाव गहरा गया जब बांग्लादेशी ग्रामीणों ने सीमा पार कर दो भारतीय किसानों का अपहरण कर लिया। यह घटना पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के सीमावर्ती इलाके में घटी, जहां खेत में काम कर रहे दो भारतीय किसानों को जबरन खींचकर बांग्लादेश ले जाया गया। हालांकि, दोनों देशों के सीमा सुरक्षा बलों के बीच तत्काल हुई उच्चस्तरीय फ्लैग मीटिंग के बाद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और आपसी सहमति से सभी नागरिकों को सुरक्षित रिहा करा लिया गया। विवाद की पूरी शुरुआत मंगलवार सुबह बांग्लादेश के मेहेरपुर स्थित इच्छाखाली बॉर्डर के पास हुई। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, अब्दुल मन्नान नामक एक बांग्लादेशी किसान सीमावर्ती क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन कर फसल पर कीटनाशक छिड़क रहा था, जिसके चलते भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने उसे हिरासत में ले लिया था। इस कार्रवाई से आक्रोशित होकर दर्जनों बांग्लादेशी ग्रामीण भड़क उठे और सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में दाखिल हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने खेतों में काम कर रहे सचिन कर्मकार और नारायण देब नामक दो भारतीय किसानों को बंधक बना लिया और उन्हें बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के हवाले कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तुरंत सुरक्षा बढ़ा दी गई और तनाव को कम करने के लिए मंगलवार दोपहर इच्छाखाली सीमा पर जीरो लाइन पर दोनों देशों के बलों के बीच फ्लैग मीटिंग बुलाई गई। लंबी बातचीत के बाद सहमति बनी, जिसके तहत बीएसएफ ने हिरासत में लिए गए बांग्लादेशी नागरिक को बीजीबी को सौंप दिया, और इसके बदले में बांग्लादेशी ग्रामीणों द्वारा उठाए गए दोनों भारतीय किसानों को सुरक्षित वापस भारत के हवाले कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि सीमा पार से भारतीय नागरिकों के अपहरण की इस क्षेत्र में हाल के दिनों में यह दूसरी बड़ी घटना है।

गटर जनरेशन कहकर फंसी कंगना! 21 को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

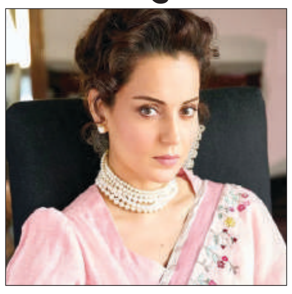

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी विवादित बयानों के चलते एक बार फिर कानूनी मुश्किलों में घिरती नजर आ रही हैं। प्रदर्शनकारियों और जेन जेड के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में उत्तर प्रदेश के आगरा की एक विशेष अदालत ने उनके खिलाफ दायर याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। यह याचिका जंतर-मंतर पर प्रश्न पत्र लीक के मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों, उनके माता-पिता और युवाओं पर की गई टिप्पणियों के संबंध में दाखिल की गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सुनवाई के लिए 21 अगस्त की तारीख मुकर्रर की है, जिस दिन दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी।

अदालत में याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने जानकारी दी कि सांसद कंगना रनौत के खिलाफ एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में वाद दायर किया गया है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि जब छात्र और युवा अपनी मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, तब अभिनेत्री ने उन्हें गटर जनरेशन या गटर छाप करार दिया और उनके माता-पिता के खिलाफ भी अपमानजनक बातें कहीं। वकील ने इसे देश के युवाओं और छात्रों का सीधा अपमान बताया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सुनवाई के लिए 21 अगस्त की तारीख मुकर्रर की है, जिस दिन दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी। याचिकाकर्ता ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि स्थानीय अदालत से इस मामले में राहत नहीं मिलती है, तो वह इस कानूनी लड़ाई को उच्च न्यायालय और जरूरत पड़ने पर देश के उच्चतम न्यायालय तक लेकर जाएंगे।

राहुल गांधी बोले- लेक्चर नहीं सुनना, पैलेट गन का आदेश दिया तो शाह इस्तीफा दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सदन में चर्चा के आह्वान पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें कोई लेक्चर नहीं सुनना है। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि अगर छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश अमित शाह ने दिया था तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, कि देश की युवा पीढ़ी अमित शाह के काल्पनिक भाषण सुनने में दिलचस्पी नहीं रखती। उन्होंने सरकार से सीधा सवाल करते हुए पूछा कि छात्रों पर बल प्रयोग का आदेश आखिर किसने दिया था। राहुल गांधी ने सवाल किया कि किसके आदेश पर एक छात्र को कथित तौर पर अंधा कर दिया गया और दूसरे छात्र को गोली मारी गई। उन्होंने यह भी पूछा कि छात्रों को कीलों वाली लाठियों से पीटने का आदेश किसने दिया था।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उन्हें और युवाओं को गृह मंत्री की सफाई या तर्क नहीं चाहिए। उनकी मांग है कि सरकार पहले यह स्पष्ट करे कि छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग का आदेश किस स्तर से दिया गया था। उन्होंने कहा कि जब तक इस सवाल का स्पष्ट जवाब नहीं मिलता, तब तक किसी तरह का लेक्चर या सामान्य चर्चा स्वीकार नहीं की जाएगी। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कार्रवाई के लिए जिम्मेदारी तय करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि पैलेट गन चलाने का आदेश अमित शाह ने दिया था तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में हाई अलर्ट, रातभर चलाई जा रही सघन चेकिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस से पहले पूरी दिल्ली को हाई अलर्ट पर रखा है। सुरक्षा में कोई चूक न हो, इसके लिए दिल्ली पुलिस ने राजधानी में देर रात मेगा सुरक्षा अभियान चलाया। रात 11 बजे से 2 बजे तक दिल्ली के तमाम जिलों में गश्त के साथ सघन चेकिंग की गई। द्वारका मोड़ पर पुलिसकर्मियों ने पूरी सतर्कता के साथ आधी रात को पेट्रोलिंग की। अधिकारियों ने गाड़ियों की सघन जांच की और हर गुजरने वाली कार की अंदर-बाहर से अच्छी तरह तलाशी ली गई। सिर्फ सुरक्षा जांच में पास होने वाली गाड़ियों को ही आगे जाने की इजाजत दी गई।

इसी तरह उत्तम नगर में पुलिस टीमों ने आधी रात को सघन चेकिंग अभियान चलाया। इलाके की मुख्य सड़कों से गुजरने वाली हर गाड़ी को रोका गया और उसकी बारीकी से जांच की गई। इस निगरानी का मकसद पूरे शहर में पूरी सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखना है। सीलमपुर इलाके में भी दिल्ली पुलिस ने अभियान चलाया। इस दौरान, संदिग्ध वाहनों और लोगों पर नजर रखी गई। सुरक्षा अभियान के तहत पुलिसकर्मियों को स्थानों पर तैनात किया गया। वहीं, पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने पीकेट लगाकर आने-जाने वाले वाहनों की जांच की। इस दौरान संदिग्ध वाहनों और लोगों पर विशेष नजर रखी गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक 15 अगस्त से पहले दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को रोकने के लिए इस तरह के अभियान जारी रहेंगे।

मुंबई के कुर्ला और घाटकोपर में जमीन धंसने से अब तक 6 की मौत

कई लोगों के दबे होने की आशंका

मुंबई (एजेंसी)। मूसलाधार बारिश ने एक बार फिर तबाही मचाई है। बुधवार तड़के भारी बारिश के कारण शहर के अलग-अलग इलाकों में भूस्खलन और घरों के ढहने की दुखद घटनाएं सामने आई हैं। कुर्ला के चिराग नगर और घाटकोपर के अशोकनगर इलाके में पहाड़ का हिस्सा गिरने और चॉल ढहने की चपेट में आने से कई लोगों की जान चली गई है, वहीं मलबे में अभी भी कई लोगों के दबे होने की आशंका है। हादसा बुधवार सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच हुआ, जब लोग गहरी नींद में सो रहे थे। अचानक हुए भूस्खलन के कारण गौसिया चॉल समेत अन्य मकान मलबे में तब्दील हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, अग्निशमन दल, पुलिस, एंबुलेंस और राहत एवं बचाव टीमों ने फौरन मोर्चा संभाल लिया। बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। मलबे को हटाने के लिए मशीनों और उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है और घायलों को निकालने के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है। मौके पर वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंच चुके हैं ताकि राहत कार्यों की निगरानी की जा सके और पीड़ितों को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाया जा सके। हर साल मानसून के दौरान मुंबई में इस तरह के हादसे चिंता का विषय बनते हैं। पहाड़ों के ढलान और असुरक्षित इलाकों में बनी चॉल व अस्थाई मकान बारिश में सबसे ज्यादा संवेदनशील हो जाते हैं। प्रशासन और बचाव एजेंसियां समय-समय पर लोगों को ऐसे क्षेत्रों को खाली करने की चेतावनी देती रही हैं और सतर्क रहने की अपील करती हैं, लेकिन इसके बावजूद कई लोग इन असुरक्षित घरों में रहने को मजबूर हैं। ये निर्माण न केवल भौगोलिक रूप से जोखिम भरे क्षेत्रों में होते हैं, बल्कि बारिश का दबाव झेलने में भी असमर्थ साबित होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी जानलेवा घटनाएं होती हैं। इस बीच, मौसम विभाग ने मुंबई और आसपास के क्षेत्रों–जैसे ठाणे, पालघर और रायगढ़–के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। शहर में मानसून की बारिश का सिलसिला अभी थमा नहीं है। पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश ने पहले ही जलभराव की समस्याएं पैदा कर दी हैं, और अब इन भूस्खलनों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। फिलहाल पूरा ध्यान मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने पर केंद्रित है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बारिश के दौरान पहाड़ी इलाकों और जर्जर मकानों के पास जाने से बचें और अत्यधिक सतर्कता बरतें।

फैल रहा वायब्रियो वल्निफिकस बैक्टीरिया, पाया जाता है समुद्री और खारे पानी में

-विशेषज्ञों ने दी चेतावनी- बैक्टीरिया गंभीर घाव का कारण बनकर हो सकता है जानलेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के कुछ तटीय इलाकों में इन दिनों समुद्र किनारे जाने वाले लोगों के लिए चेतावनी जारी की है। यहां वायब्रियो वल्निफिकस नामक एक खतरनाक बैक्टीरिया, जो गर्म समुद्री और खारे पानी में पाया जाता है। हाल के महीनों में इसके संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अमेरिका के लुइसियाना राज्य में इस साल अब तक नौ लोग इसकी चपेट में आए हैं, जिनमें सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि पांच लोगों की मौत हो चुकी है। गंभीर मामलों में यह बैक्टीरिया शरीर के ऊतकों को तेजी से नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए इसे आम बोलचाल में फ्लेश-ईटिंग बैक्टीरिया यानी मांस को नुकसान पहुंचाने वाला बैक्टीरिया कहा जाता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक वायब्रियो वल्निफिकस प्राकृतिक रूप से गर्म समुद्री और खारे-मीठे पानी के मिश्रित क्षेत्रों में पाया जाता है। संक्रमण मुख्य रूप से दो तरीकों से फैलता है। पहला यदि किसी व्यक्ति के शरीर पर कट, घाव या त्वचा पर चोट हो और वह दूषित समुद्री पानी के संपर्क में आए। दूसरा- कच्चे या अधपके समुद्री भोजन, विशेषकर ऑयस्टर जैसी शेलफिश के सेवन से। ज्यादातर संक्रमण सामान्य हो सकते हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह बैक्टीरिया रक्त संक्रमण और गंभीर घाव का कारण बनकर जानलेवा भी साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि समुद्री पानी के संपर्क के बाद यदि घाव के आसपास लालिमा, सूजन, तेज दर्द, त्वचा का रंग बदलना, बुखार, ठंड लगना या त्वचा पर छाले बनने जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टरों की मदद लें। गंभीर स्थिति में ऊतक काले पड़ने लगते हैं और संक्रमण तेजी से फैल सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के संदर्भ में विशेषज्ञों का कहना है कि देश की लंबी समुद्री तटरेखा और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की जरुरत है। मछुआरे, समुद्री खाद्य पदार्थों से जुड़े कर्मचारी और नियमित रूप से समुद्र में जाने वाले लोग इस बैक्टीरिया के संपर्क में आने की आशंका वाले समूहों में शामिल हो सकते हैं। हालांकि फिलहाल भारत में अमेरिका जैसी व्यापक स्थिति या किसी बड़े प्रकोप की पुष्टि नहीं हुई है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि घबराने की जरुरत नहीं है, लेकिन सावधानी जरूरी है।

यदि शरीर पर कोई खुला घाव हो तो समुद्र या खारे पानी में जाने से बचें। यदि घाव समुद्री पानी के संपर्क में आ जाए तो उसे तुरंत साबुन और स्वच्छ पानी से अच्छी तरह धोएं। साथ ही समुद्री भोजन, विशेष रूप से शेलफिश, को हमेशा अच्छी तरह पकाकर ही खाएं। विशेषज्ञों के मुताबिक गर्म मौसम में यह बैक्टीरिया ज्यादा सक्रिय रहता है, इसलिए बारिश और गर्मी में तटीय क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतना ही सबसे प्रभावी बचाव है।

लाल किले पर 80 साल बाद सुनाई देगा वंदे मातरम: क्यों बदला इतिहास और क्या है नया कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से नया इतिहास रचा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन से ठीक पहले, पूरे लाल किले में राष्ट्रगीत वंदे मातरम की गूंज सुनाई देगी। आजादी के बाद पहला मौका है जब स्वतंत्रता दिवस के आधिकारिक और मुख्य प्रोटोकॉल में वंदे मातरम को इतना विशिष्ट स्थान मिला है। अब तक, कड़े सैन्य और राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत ध्वजारोहण समारोह में केवल राष्ट्रगान जन गण मन को प्राथमिकता मिलती थी। लेकिन रक्षा मंत्रालय के नए और ऐतिहासिक प्रोटोकॉल बदलावों के तहत, इस बार पूरे वंदे मातरम के ओजस्वी स्वरों से देश के स्वाभिमान का एक नया अध्याय शुरू होगा।

इस बदलाव की जड़ें लंबे समय से चली आ रही बहस में निहित हैं। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की इस कविता के शुरुआती दो पद मातृभूमि की सामान्य स्तुति करते हैं, लेकिन बाद के पदों में हिंदू देवियों, विशेषकर दुर्गा, का स्पष्ट उल्लेख और उनसे जुड़ी कल्पनाएं हैं। इन्हीं धार्मिक संदर्भों पर मुस्लिम लीग और अन्य समूहों की आपत्तियां थीं, इसकारण 1937 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने महात्मा गांधी और रवींद्रनाथ टैगोर जैसी हस्तियों की सलाह पर बाद के पदों को हटाने और सार्वजनिक राजनीतिक मंचों के लिए केवल शुरुआती दो पदों का इस्तेमाल करने का फैसला किया था। भारत के गणतंत्र बनने पर, 1950 में संविधान सभा ने जन गण मन को आधिकारिक राष्ट्रगान और वंदे मातरम के शुरुआती दो पदों को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया। इस प्रकार उन्हें समान सम्मान दिया गया, लेकिन सरकारी प्रोटोकॉल के लिए धर्मनिरपेक्ष संतुलन भी बनाए रखा गया।

अब संसद ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) अधिनियम, 2026 पारित किया है, इसके तहत वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर कानूनी दर्जा मिला है। यह नया कानून, जो पिछले महीने जुलाई में ही पास किया गया, जान-बूझकर वंदे मातरम के गायन में बाधा डालने या इसका अनादर करने को दंडनीय अपराध बनाता है। यह संशोधन 1971 के उस अधिनियम में किया गया है जो पहले केवल राष्ट्रगान से संबंधित था। इस ऐतिहासिक बदलाव के तहत, स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में, राष्ट्रगान से ठीक पहले लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम बजाया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस अवसर पर भारतीय वायुसेना का एक हेलीकॉप्टर वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक बड़ा ध्वज भी लेकर उड़ेगा, जो इस आयोजन की भव्यता को और बढ़ाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा, अधिकाधिक मामलों के निष्पादन पर जोर

चेक बाउंस समेत समझौता योग्य मामलों के त्वरित निपटारे का निर्देश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेर्शानुसार आगामी 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों एवं अधिकाधिक मामलों के निष्पादन को लेकर माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज अखिल कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में न्यायिक पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। वहीं बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित न्यायिक पदाधिकारियों को अधिक से अधिक समझौता योग्य मामलों को चिन्हित कर त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से निष्पादन की दिशा में प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। लंबित मामलों की पहचान, पक्षकारों से समय पर संपर्क, आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने तथा समझौते की संभावनाओं वाले मामलों को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही बैठक में परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) के चेक अनादरण (चेक बाउंस) मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष चर्चा की गई। संबंधित न्यायालयों को आवश्यक अभिलेख समय पर उपलब्ध कराने तथा पक्षकारों से संपर्क स्थापित कर समझौते की संभावना वाले मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने में सक्रिय सहयोग करने का निर्देश दिया गया। वहीं राष्ट्रीय लोक अदालत में धन वसूली, बैंक ऋण, एनआई एक्ट, बिजली एवं पानी के बिल, भरण-पोषण, श्रम विवाद, आपराधिक शमनीय अपराध, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, उपभोक्ता एवं बीमा विवाद सहित विभिन्न समझौता योग्य मामलों का निपटारा आपसी सहमति एवं सुलह के आधार पर किया जाएगा। वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज द्वारा लंबित समझौता योग्य मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षकारों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही, आम लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के लाभों से अवगत कराने के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक विधिक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वहीं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार ने कहा कि लोक अदालत लंबित मामलों के निष्पादन के साथ-साथ आपसी सहमति, सुलह एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में विवादों के समाधान का प्रभावी मंच है। इसके माध्यम से पक्षकारों को समय एवं धन की बचत के साथ लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलती है। साथ ही उन्होंने प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत को संबंधित न्यायालयों, बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित कर अधिकाधिक मामलों का त्वरित एवं सरल तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिले के नागरिकों एवं संबंधित पक्षकारों से अपील की कि वे 12 सितम्बर 2026 की राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। वहीं समझौता योग्य मामलों के निःशुल्क एवं त्वरित समाधान के इच्छुक पक्षकार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, व्यवहार न्यायालय मुख्य भवन, प्रथम तल, साहेबगंज अथवा अनुमंडल विधिक सेवा समिति, राजमहल में संपर्क कर सकते हैं। साथ ही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आम नागरिकों से आपसी सहमति के माध्यम से अपने विवादों का समाधान कराकर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

सशक्त युवा, सशक्त भारत अभियान से युवाओं को किया जा रहा जागरूक

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार एवं झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार साहेबगंज जिले में ह्यजागृति योजना, 2025ह्व के तहत ह्यसशक्त युवा, सशक्त भारतह्व अभियान का व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। वहीं पूरे माह चलने वाले इस विशेष अभियान को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज अखिल कुमार द्वारा विशेष प्रधानता दी गई है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष अखिल कुमार ने अभियान की महत्ता को देखते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए अभियान का प्रभावी एवं व्यापक अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने निर्देश दिया है कि जिले के अधिक से अधिक विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों एवं ग्रामीण तथा सामुदायिक क्षेत्रों तक विधिक जागरूकता कार्यक्रमों की पहुंच सुनिश्चित की जाए, ताकि युवा अपने अधिकारों, कर्तव्यों एवं कानूनी संरक्षण के प्रति जागरूक हो सकें। निर्देश के अनुपालन में सचिव श्री विश्वनाथ भगत के द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को उनके मौलिक अधिकारों, किशोर न्याय व्यवस्था, कानून के उल्लंघन की स्थिति में किशोरों के अधिकार, पहली बार अपराध करने वाले युवाओं के पुनर्वास एवं मुख्यधारा में वापसी सहित विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही वर्तमान समय की चुनौतियों को देखते हुए युवाओं को साइबर अपराध, एआई आधारित धोखाधड़ी, डीपफेक, ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी एवं अन्य डिजिटल अपराधों से बचाव के व्यावहारिक उपायों के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है ।शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग विरोधी कानून एवं नालसा रैगिंग पर छात्र जागरूकता संसाधन 2026 के संबंध में भी विद्यार्थियों को जानकारी दी जा रही है। अभियान का उद्देश्य केवल कानूनी जानकारी देना ही नहीं, बल्कि युवाओं को जिम्मेदार, जागरूक और सशक्त नागरिक बनाना है। उन्होंने बताया कि पैरा लीगल वॉलंटियर्स -न्याय मित्र इस अभियान को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पीएलवीएस की सक्रिय भागीदारी से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी युवाओं एवं आम लोगों तक विधिक जागरूकता का संदेश पहुंचाया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

अभिभावकों ने विद्यालय के बेहतर संचालन का लिया संकल्प, रंजू देवी को मिली अध्यक्ष की जिम्मेदारी

साहेबगंज (बिभा)। उत्क्रमित उच्च विद्यालय सोतीचौकी पांगड़ो में विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन को लेकर बुधवार को आयोजित बैठक में अभिभावकों और ग्रामीणों ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान शनिचर मुंडा ने की। वहीं समिति के पुनर्गठन के दौरान अभिभावकों ने सर्वसम्मति से रंजू देवी को अध्यक्ष और सुमन कुमारी को उपाध्यक्ष चुना। वहीं फिरदौस खातून को संयोजिका की जिम्मेदारी दी गई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के चयन के बाद उपस्थित अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने विद्यालय के विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी का भरोसा जताया। वहीं पर्यवेक्षक फैजल अफरोज की मौजूदगी में समिति के गठन की प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापिका सुस्मिता सोरेन, शिक्षक अणोजा सिंह आर्या, अजय कुमार ठाकुर, रमेश कुमार समेत अन्य शिक्षक, अभिभावक एवं ग्रामीण मौजूद रहे। वहीं नवनिर्वाचित अध्यक्ष रंजू देवी सहित अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि समिति विद्यार्थियों के हित को प्राथमिकता देते हुए विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन और विकास से जुड़े कार्यों में अपनी जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करेगी।

उधवा में जाति-आवास प्रमाण-पत्र के हजारों आवेदन लंबित, विधायक प्रतिनिधि ने सीओ से की मुलाकात

उधवा(बिभा) ।उधवा अंचल कार्यालय में जाति और आवास प्रमाण-पत्र के लिए आवेदनों का अंबार लग गया है। आवेदनों की संख्या घटने के बजाय बैकलॉग लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी समस्या को लेकर राजमहल विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू और कांग्रेस जिला महासचिव ऐनुल हक अंसारी ने सोमवार को अंचलाधिकारी उधवा आशीष कुमार मंडल से मुलाकात कर हजारों लंबित आवेदनों का मुद्दा उठाया। मुलाकात के दौरान नेताओं ने बताया कि उधवा प्रखंड में बड़ी आबादी के पास साक्षरता प्रमाण पत्र नहीं है। ऐसे में एसआईआर प्रक्रिया में मतदाताओं के बीच भय का माहौल बना हुआ है। प्रखंड में हजारों निरक्षर मतदाताओं के लिए जाति और निवास प्रमाण-पत्र ही सबसे आसान और सहज दस्तावेज है। लेकिन अब भी हजारों आवेदकों के प्रमाण-पत्र लंबित पड़े है। जिससे लोगों में असमंजस और घबराहट है। वहीं अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने दोनों नेताओं की बातों को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वस्त किया कि एसआईआर प्रक्रिया में मांगे जाने वाले दस्तावेज के लिए जो भी आवेदक जाति अथवा आवास प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन करेंगे। उन्हें अपने आवेदन के साथ एसआईआर प्रपत्र की नोटिस संलग्न करनी होगी। सीओ ने कहा कि ऐसे मामलों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर जल्द से जल्द प्रमाण-पत्र निर्गत किया जाएगा। किसी भी पात्र व्यक्ति को प्रमाण-पत्र के अभाव में परेशानी नहीं होने दी जाएगी। बैठक के बाद विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू और कांग्रेस जिला महासचिव ऐनुल हक अंसारी ने संयुक्त रूप से कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में किसी भी मतदाता को चिंता करने की आवश्यकता नही है। जिनके पास अन्य दस्तावेज नही है। वे तुरंत जाति-आवास प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन करें और साथ में एसआईआर नोटिस लगा दें। उनका काम प्राथमिकता से होगा।

उधवा में कल 9 घंटे बाधित रहेगी बिजली,33 केवी विद्युत उपकेन्द्र से जुड़े कई क्षेत्र रहेंगे प्रभावित

उधवा (बिभा)। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार गुरुवार को उधवा क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। 33 के.वी. विद्युत शक्ति उपकेन्द्र उधवा से निर्गत 11 के.वी. इंग्लिश फीडर की जर्जर विद्युत लाइनों को बदलने और आवश्यक रखरखाव का कार्य किया जाना है। इस मरम्मत कार्य के कारण सुबह 09:00 बजे से लेकर शाम 06:00 बजे तक बिजली आपूर्ति पूर्णतः बंद रहेगी। इस संदर्भ में विद्युत कनीय अभियंता चंदन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि मेंटेनेंस कार्य से इंग्लिश,मनिहारी टोला गोहलबाड़ी,अमानत दियारा,पूर्वी उधवा,पश्चिमी उधवा,पलशगाछी,उत्तर पियारपुर तथा दक्षिण पियारपुर सहित आसपास के बड़े इलाकें प्रभावित रहेंगे। कनीय विद्युत अभियंता ने क्षेत्र के उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि जर्जर तारों को बदलने से भविष्य में निर्बाध और सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। कार्य पूर्ण होते ही विद्युत आपूर्ति तत्काल बहाल कर दी जाएगी। प्रशासन ने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे बिजली से जुड़े अपने जरूरी काम सुबह 9:00 बजे से पहले ही निपटा लें।

तिरंगे के रंग में रंगा साहेबगंज, रेलवे परिसर से स्कूल तक गूंजा देशभक्ति का संदेश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । स्वतंत्रता दिवस के पूर्व साहेबगंज में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर बुधवार को रेलवे परिसर से लेकर रेलवे हाई स्कूल तक देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। रेलवे स्टेशन परिसर में रेलकर्मियों, आरपीएफ और जीआरपी जवानों ने तिरंगा लेकर जागरूकता रैली निकाली, वहीं पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी तिरंगा यात्रा के माध्यम से लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति का संदेश दिया। वहीं स्टेशन परिसर में आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व स्टेशन मास्टर गुड्डू कुमार ने किया। रैली स्टेशन परिसर से निकलकर स्टेशन चौक, ग्रीन होटल मोड़ समेत प्रमुख चौक-चौराहों से होते हुए पुनः स्टेशन परिसर पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान हाथों में तिरंगा लिए रेलकर्मियों और सुरक्षा जवानों ने लोगों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की। स्टेशन मास्टर गुड्डू कुमार ने कहा कि ह्यहर घर तिरंगाह्व अभियान का उद्देश्य लोगों के मन में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ाना है। उन्होंने रेलकर्मियों के साथ आम लोगों से भी अभियान में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। कार्यक्रम में एएमई पवन कुमार सिंह, एआरटी आईसी मो. रिजवान अहमद, एसएसई कैरेज एंड वैगन इंचार्ज गुरुदेव प्रसाद साह सहित रेलवे के दर्जनों कर्मचारी तथा आरपीएफ और जीआरपी के महिला-पुरुष जवान मौजूद रहे।

इधर, रेलवे हाई स्कूल में भी दिखा तिरंगे का उत्साह

हर घर तिरंगा अभियान के तहत पूर्व रेलवे उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बुधवार को जागरूकता तिरंगा यात्रा निकाली। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर विद्यार्थी विद्यालय से निकले और शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से गुजरते हुए लोगों को देशभक्ति का संदेश दिया। यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने आम लोगों को भी अभियान से जुड़ने और अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय पहुंचने के बाद अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाओं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। दोनों आयोजनों के माध्यम से साहिबगंज में स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

परियोजना निदेशक ने किया सदर अस्पताल का निरीक्षण, मरीजों से लिया फीडबैक

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। उपायुक्त के निदेर्शानुसार परियोजना निदेशक संजय कुमार दास ने बुधवार को सदर अस्पताल साहेबगंज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, मरीजों को प्रदान की जा रही चिकित्सा सेवाओं तथा अस्पताल की समग्र व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना था। वहीं औचक निरीक्षण के दौरान परियोजना निदेशक ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी, आपातकालीन सेवाओं, दवा वितरण, जांच एवं अन्य प्रमुख चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्वच्छता, साफ-सफाई, मरीजों की सुविधा, चिकित्सकीय सेवाओं की उपलब्धता तथा आवश्यक संसाधनों की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से अस्पताल में आने वाले मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा मरीजों एवं उनके परिजनों से भी बातचीत कर चिकित्सा सुविधा, दवा, जांच एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। वहीं परियोजना निदेशक ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को सम्मानजनक व्यवहार के साथ समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने तथा मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं आमजनों से सीधे जुड़ी हुई हैं और सरकारी अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज, आवश्यक दवाएं एवं जांच की सुविधा सुचारू रूप से मिले, इसे लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। वहीं निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार की संभावनाओं को चिन्हित करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर बल दिया।

15वें वित्त आयोग की योजनाओं की डीसी ने की समीक्षा, गुणवत्तापूर्ण कार्य और तेजी से राशि खर्च करने का निर्देश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। वहीं बैठक के दौरान जिला परिषद, प्रखंडवार पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत स्तर पर 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के विरुद्ध किए जा रहे व्यय एवं योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा राशि के व्यय की प्रगति में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने आगामी जी.पी.डी.पी के तहत चयनित योजनाओं में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने योजनाओं के चयन एवं क्रियान्वयन में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को प्राथमिकता देने तथा योजनाओं से संबंधित आवश्यक प्रविष्टियों एवं प्रगति की जानकारी को ससमय पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने तथा योजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। मौके पर जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, कनीय अभियंता एवं अन्य उपस्थित रहे।

श्रावणी मेला में वर्चुअल रियलिटी शिविर बना श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र

देवघर। श्रावणी मेला में बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचने वाले कांवरियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ उनके आध्यात्मिक अनुभव को समृद्ध करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से लगातार अभिनव प्रयोग किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आधुनिक तकनीक और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। मेला क्षेत्र में लगाए गए विशेष वर्चुअल रियलिटी (वीआर) शिविर श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।इन वीआर शिविरों के माध्यम से श्रद्धालुओं को 3-डी एनीमेशन और अत्याधुनिक ग्राफिक्स तकनीक के जरिए बाबा बैद्यनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास, द्वादश ज्योतिर्लिंगों में शामिल बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग की स्थापना से जुड़ी पौराणिक कथा और देवघर के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक सफर की जानकारी दी जा रही है।

श्रावणी मेला में पट खुलते ही बाबा बैद्यनाथ मंदिर में उमड रहे श्रद्धालु

बिभा संवाददाता

देवघर। श्रावणी मेला में बाबा बैद्यनाथ मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड उमड रही है। श्रावणी मेला के 14वें दिन बुधवार को बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जलार्पण के लिए तडके सुबह से ही आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। प्रातः 4:07 बजे जैसे ही बाबा मंदिर के गर्भगृह का पट खुला, कांवरियों और शिवभक्तों ने कतारबद्ध होकर सुलभ तरीके से बाबा पर जलार्पण शुरू किया।

पट खुलते ही पूरा मेला क्षेत्र और रूट लाइन बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान हो उठी। सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल लेकर बाबा धाम पहुंचे हजारों कांवरिया पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ बाबा का जयघोष करते हुए मंदिर की ओर बढ़ते रहे। श्रावणी मेला को लेकर जिला प्रशासन की ओर से की गई चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच कांवरिया अनुशासित तरीके से कतार में आगे बढ़ रहे हैं। अहले सुबह से ही बीएड कॉलेज से कांवरियों की लंबी कतार लगी रही, जो निर्धारित रूट लाइन के माध्यम से बाबा मंदिर की ओर बढ़ती रही।

रूट लाइन में प्रशासन की ओर से सुरक्षा के साथ पेयजल, स्वास्थ्य और स्वच्छता की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। जगह-जगह तैनात पुलिसकर्मी एवं प्रशासनिक अधिकारी कांवरियों की सुविधा और व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं।

बुधवार को पिछले दिनों की तुलना में कांवरियों की भीड़ में कुछ कमी देखने को मिली। सुबह की तेज धूप के कारण कांवरियों के कदम कुछ धीमे पड़े। हालांकि दोपहर बाद अचानक हुई बारिश से मौसम में थोड़ी शीतलता आई तो कांवरियों में फिर उत्साह नजर आया और कांवरिया पथ पर उनकी रफ्तार बढ़ गई। लंबी दूरी तय कर बाबा धाम पहुंच रहे कांवरिया थकान दूर करने के लिए विभिन्न कांवरिया सेवा शिविरों का भी सहारा ले रहे हैं। यही वजह है कि दिन के समय शहर के अंदर कांवरियों की मौजूदगी अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है, लेकिन शाम होते-होते कांवरिया पथ से लेकर शहर के प्रमुख मार्ग एक बार फिर बोल बम के जयघोष से गुलजार हो उठते हैं।

श्रावणी मेला में खामियां दिखे तो क्यूआर कोड स्कैन कर करें शिकायत

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन ने शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए तकनीक का सहारा लिया है। मेला क्षेत्र में जगह-जगह क्यूआर कोड लगाए गए हैं, जिन्हें स्कैन कर श्रद्धालु किसी भी प्रकार की असुविधा या कमी की शिकायत सीधे प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने कहा कि राज्य सरकार के निदेर्शानुसार श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं के बाबा बैद्यनाथ की नगरी से सुखद एवं बेहतर अनुभव लेकर अपने गंतव्य तक भेजना है? उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में यदि किसी श्रद्धालु को साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, होल्डिंग प्वाइंट, प्रशासनिक शिविर, स्वास्थ्य शिविर या कांवरिया रूटलाइन से संबंधित कोई समस्या दिखाई देती है, तो वे संबंधित स्थान पर लगे क्यूआर कोड को अपने मोबाइल से स्कैन कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। क्यूआर कोड स्कैन करते ही गूगल फॉर्म खुलेगा, जहां शिकायत दर्ज करने का विकल्प उपलब्ध रहेगा। श्रद्धालु अपनी समस्या लिखने के साथ जरूरत पड़ने पर उसकी तस्वीर भी अपलोड कर सकते हैं। इससे प्रशासन को समस्या की वास्तविक स्थिति और स्थान की जानकारी मिलने में आसानी होगी। प्राप्त शिकायतों की निगरानी के लिए मेला कंट्रोल रूम में एक विशेष सेल बनाया गया है। श्रद्धालु की ओर से दर्ज की गई शिकायत और अपलोड की गई तस्वीर कंट्रोल रूम के सिस्टम में प्राप्त होते ही संबंधित विभाग को टैग कर समस्या के समाधान का निर्देश दिया जाएगा। इसके बाद मेला में प्रतिनियुक्त संबंधित टीम मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान करेगी। प्रशासन ने शिकायत प्रणाली को इस तरह विकसित किया है कि शिकायत मिलने से लेकर उसके समाधान तक पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जा सके। उपायुक्त ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि है। उन्होंने अपील की कि यदि मेला क्षेत्र में कहीं भी कोई कमी, असुविधा या सुधार की आवश्यकता दिखाई दे, तो श्रद्धालु तत्काल वहां उपलब्ध क्यूआर कोड स्कैन कर प्रशासन को जानकारी दें, ताकि समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: ईएल-एमएलडीटी-ई-निविदा-453, दिनांक 10.08.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सा.), पूर्व रेलवे, मालदा टाउन, ऑफिस बिल्डिंग, पी.ओ.-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए अनुभवी एवं वित्तीय संपन्न ख्यातिप्राप्त फर्मों/एजेंसियों/ठेकेदारों से खुली ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **निविदा सं.: ईएल-एमएलडीटी-ई-निविदा-453, कार्य का नाम :** 3 वर्ष की अवधि के लिए डिवीजनल रेलवे हॉस्पिटल, मालदा के ओटी में 2x7.5 टन पैकेज्ड एसी प्लांट और डीआरएम बिल्डिंग, मालदा के कंट्रोल रूम में स्थापित 5x11 टन क्षमता के स्क्रॉल कंप्रेसर युक्त एयर कूल्ड फ्लोर माउंटेड पैकेज्ड यूनिट एयर कंडीशनर का दैनिक संचालन और ओवरहॉलिंग सहित व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (सीएएमसी)। **निविदा मूल्य :** रु. 29,82,415.65, **बयाना राशि :** रु. 59,700/-, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **ई-निविदा जमा करने की तिथि और समय :** दिनांक 18.08.2026 से 01.09.2026 को 15.30 बजे तक। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट :** वेबसाइट **www.ireps.gov.in** सूचना पट: **वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/ (सा.), पूर्व रेलवे, मालदा टाउन का कार्यालय।** निविदाकारों से अनुरोध है कि वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में विस्तृत निविदा सूचना एवं कागजात देखें। किसी भी परिस्थिति में किसी मैनुअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
MLD-161/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

जिले में पर्यटन विकास को गति देने के उद्देश्य से उपायुक्त ने पेरवाघाघ एवं पांडुपुडिंग जलप्रपात का किया स्थल निरीक्षण

बिभा संवाददाता

खूँटी/तोरपा: जिले में पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपायुक्त मो० जावेद हुसैन द्वारा आज तोरपा प्रखंड अंतर्गत पेरवाघाघ एवं पांडुपुडिंग जलप्रपात का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने दोनों स्थलों पर चल रहे विकासात्मक कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए उन्हें गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकारी एजेंसी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सर्वप्रथम उपायुक्त ने पांडुपुडिंग जल प्रपात का निरीक्षण किया। उन्होंने पर्यटकों के लिए बैठने की व्यवस्था, शौचालय एवं आवश्यक आधारभूत संरचनाओं के विकास कार्य हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी पर्यटक को स्थल भ्रमण के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। पहुंच पथ, वाहन पार्किंग समेत अन्य को लेकर भी निर्देश दिए गए। साथ हीं पेरवाघाघ से पांडुपुडिंग तक ट्रेकिंग पाथवे बनाने को लेकर भी विचार विमर्श कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

जिसके पश्चात उपायुक्त ने पेरवाघाघ जल प्रपात का निरीक्षण किया। उन्होंने वेलकम गेट, रेस्टोरेंट, रिसॉर्ट, बम्बू कॉटेज, चिल्ड्रन पार्क, सीढ़ी, शौचालय, गजीबो, वॉच टावर, स्टाफ क्वार्टर एवं दुकान सहित अन्य निमार्णाधीन संरचनाओं का विस्तार से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित कार्यकारी एजेंसी एवं संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप तथा उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएँ ताकि पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके। उपायुक्त ने विद्युतीकरण को लेकर भी निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने दोनों स्थलों पर स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने अपील किया कि पर्यटक एवं स्थानीय लोग मिलकर क्षेत्र को साफ-सुथरा रखें। साथ ही, सुरक्षा की दृष्टि से जल प्रपात में जल स्तर की स्पष्ट मार्किंग करने तथा आवश्यक स्थानों पर बैरिकेडिंग लगाने के निर्देश भी दिए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, जिला खेल एवं पर्यटन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

जेपीएससी सीजीएल परीक्षा फल पर भाजपा ने सीबीआई जांच की मांग

खूँटी । झारखंड में जेपीएससी सीजीएल परीक्षा में घपला मामले पर लगातार विरोध जारी है। जिसपर झारखण्ड सरकार विद्यार्थियों की मांग मानने को तैयार नहीं है। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने भी इसपर सीबीआई जाँच की मांग की है। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुण्डा ने कहा कि झारखंड सरकार अगर दोषी नहीं है तो क्यों छात्रों की मांग को मान नहीं लेती। आज मांग मान ली होती तो ये विरोध का दिन देखना नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि छात्रों का भविष्य को झारखंड सरकार बेचने का काम की है। सरकार विद्यार्थियों के साथ खिलवाड़ करने का काम की है। इसलिए सीबीआई जांच से कम और कुछ नहीं चाहिए। नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि हेमंत सोरेन कहते कुछ और है करते कुछ और हैं। शांतिपूर्ण तरीके से छात्रों द्वारा अपनी जायज मांग किया जा रहा था लेकिन उनकी मांगों को मान ली गई होती और तो फिर लाठी क्यों चलवाए। अश्रु गैस क्यों दागे गये , उनकी मांगों को क्यों नहीं मानी जा रही है इसलिए सीबीआई जांच आवश्यक है।

मुरी-गोला मार्ग पर स्कॉर्पियो और बाइक की टक्कर, एक युवक की मौत, दो गंभीर घायल

बिभा संवाददाता

सिल्ली : मुरी ओपी क्षेत्र के मुरी-गोला मुख्य मार्ग पर कुतरू के पास बुधवार सुबह करीब 11 बजे स्कॉर्पियो और बाइक की आमने-सामने हुई टक्कर में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस की मदद से इलाज के लिए सिल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। दो अन्य घायलों को बेहतर इलाज के लिए सिंगपुर नर्सिंग होम रेफर किया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार रामगढ़ जिले के नेमरा गांव निवासी लोबीन सोरेन (21), सुभाष टुडू (19) और लखीराम सोरेन (20) एक ही बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान कुतरू के समीप विपरीत दिशा से आ रही स्कॉर्पियो से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही मुरी ओपी पुलिस गश्ती दल मौके पर पहुंचा और स्थानीय लोगों की सहायता से सभी घायलों को सिल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां इलाज के दौरान चिकित्सकों ने लोबीन सोरेन को मृत घोषित कर दिया, जबकि सुभाष टुडू और लखीराम सोरेन का प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए सिंगपुर नर्सिंग होम भेज दिया गया। हादसे के बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो को जब्त कर मुरी ओपी परिसर में रखा है। वहीं मृतक लोबीन सोरेन के शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

संक्षिप्त खबरें

सशक्त युवा, सशक्त भारत के संदेश के साथ डालसा ने किया जागरूकता कार्यक्रम

खूँटी(बिभा)। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूँटी के द्वारा दो स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित सहपाठी विधिक साक्षरता सत्र में विधिक साक्षरता क्लब की छात्राओं ने डायन प्रथा, सामाजिक कुरीतियों, नशापान और बाल विवाह के विरुद्ध जागरूक किया। मुख्य विधिक सहायता प्रतिरक्षा पैनल अधिवक्ता राजीव कमल ने युवाओं को दृढ़ संकल्प, समर्पण और निष्ठा के तीन सूत्र अपनाने का संदेश दिया। इसके अलावे खूँटी के उप-कारा में भी जागरूकता कार्यक्रम किया गया। जिसमें डीएलएसए सचिव कमलेश बेहरा ने बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता, कारा विधिक सहायता केंद्र, विधिक सहायता प्रतिरक्षा पैनल तथा विचाराधीन बंदी समीक्षा समिति की जानकारी दी। उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 479 के तहत जमानत संबंधी प्रावधानों और समयपूर्व रिहाई के नियमों से भी अवगत कराया।

स्मार्ट मीटर लगाने के बाद बिजली बिल में बढ़ोत्तरी होने पर ग्रामीण पहुंचे विभागीय कार्यालय

खूँटी(बिभा) । विद्युत विभाग के द्वारा लगाए गए स्मार्ट मीटर से ज्यादा बिजली बिल आने से नाराज तोरपा के मस्जिद गली के लगभग 80 स्थानीय विद्युत कनेक्शन धारी तोरपा के सहायक विद्युत अभियंता के कार्यालय पहुँचकर लिखित आवेदन सौंपा और स्मार्ट मीटर से ज्यादा बिजली बिल आने से हो रही परेशानी पर ध्यान आकर्षित कराया है। लोगों ने बताया कि जिन घरों में पुराना मीटर लगा था उसमें बिल उतना नहीं आता था जितना स्मार्ट मीटर लगाने के बाद आ रहा है। लोगों ने कहा कि सरकार 200 युनिट बिजली फ्री करके स्मार्ट मीटर लगा दिया ताकि लोगों का मीटर 200 युनिट से अधिक उठ जाए और पैसा भी आ जाए। इससे वैसे घरों के लिए परेशानी बढ़ गया है जिसका तीन सौ चार सौ युनिट बिजली खपत होती रही उसका अब बढ़कर कहीं ज्यादा ही बिल भाग जाता है। वैसे लोगों ने स्मार्ट मीटर को हटाकर पुराने मीटर को लगाने की बात कही। स्थानीय लोगों के द्वारा बताया गया कि पुराने मीटर में बिजली का बिल सामान्य आता था। पिछले 6 महीने से स्मार्ट मीटर विभाग के द्वारा लगाया गया। तब से बिजली का बिल बेहिसाब आ रहा है। विभागीय पदाधिकारी के साथ तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया को आवेदन सौंपकर लोगों ने गंभीर समस्या का समाधान की दिशा में ठोस पहल करने की बात कही है। अब देखना ये है कि जनता की सुनवाई विभाग और जनप्रतिनिधि कब तक करते हैं।

खूँटी में अंतर-बटालियन टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में राँची विजयी

खूँटी(बिभा)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 94वीं वाहिनी के द्वारा महादेव मंडा मंदिर के पास के मैदान में बुधवार को अंतर बटालियन टी20 क्रिकेट प्रतियोगिता शुभारम्भ किया गया है। यह आयोजन झारखण्ड सेक्टर के पुलिस महानिरीक्षक निर्देश पर आयोजित किया गया था। जिसमें 94वीं वाहिनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमाण्डेंट अशोक कुमार सिंह के मार्गदर्शन में शुभारम्भ हुआ है। प्रतियोगिता 12 से 15 अगस्त तक आयोजित की जा रही है। उद्घाटन समारोह 94वीं वाहिनी के खूँटी स्थित शिविर परिसर में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन 209वीं वाहिनी के कमांडेंट सौरभ भटनागर ने किया। प्रतियोगिता में 11वीं, 26वीं, 60वीं, 134वीं, 172वीं, 174वीं, 193वीं एवं 197वीं वाहिनी के साथ ग्रुप केंद्र राँची और ग्रुप केंद्र जमशेदपुर की दल भाग ले रही हैं। समारोह में 94वीं वाहिनी के उप कमांडेंट रवि शंकर, सहायक कमांडेंट संजीव कुमार तथा निरीक्षक अजीत कुमार ठाकुर सहित सभी दलों के खिलाड़ी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कमांडेंट भटनागर ने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दी। प्रतियोगिता के उद्घाटन मुकाबले में ग्रुप केंद्र राँची और 193वीं वाहिनी के बीच मैच खेला गया, जिसमें ग्रुप केंद्र रांची की टीम विजयी रही।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक आयोजित, अर्जुन मुंडा ने कार्यकर्ताओं को दिया संगठन की मजबूती का मंत्र

बिभा संवाददाता

खूँटी । भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय खूँटी में बुधवार को भाजपा की संगठनात्मक बैठक किया गया। संगठन को मजबूती और समाज के बीच योजनाओं की जानकारी के साथ उनके हित रक्षक बनकर काम करने के दृष्टिकोण से हुई भाजपा की इस बैठक में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा शामिल हुए।

मौके पर, अर्जुन मुंडा ने कहा कि पूरा देश भाजपा पर केवल विश्वास ही नहीं बल्कि भाजपा से ही आशान्वित हैं कि जनता के हित अगर कोई कर सकता है तो केवल भाजपा ही है। चाहे वो किसान हो या फिर मजदूर। वहीं जिस प्रकार छात्र परेशान हैं तो उन्हें एक राह चाहिए। जो भाजपा ही तय कर सकती है। लोगों को तै पार्टी गुमराह के लिए लगते ही हैं। लेकिन भाजपा कार्यकर्ता समाज के हित के साथ कार्य करती है। झारखण्ड में विद्यार्थी आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन उनकी सुनी तक नहीं जा रही है। वहीं उन्होंने कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास चाहती है। उन्होंने कहा कि अभी संत शिरोमणि कबीरदास जी की पवित्र कलश में मिट्टी गांव गांव तक जा रही है जो ये संदेश देती है कि संत कबीर जी महाराज क्या थे। जिनकी गाथा सभी लोग जाने । उनके सदगुणों की पूजा किया जाता है। ये एकात्म भाव केवल भाजपा के ही पास है।

जिलाध्यक्ष आनंद कुमार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा शामिल हुए।

कार्यक्रम के पश्चात बनारस से संत शिरोमणि श्री रविदास जी महाराज का पवित्र कलश की मिट्टी जिले के सभी मंडलों में मंडल अध्यक्षों को सुपुत्र किया गया। इस अवसर पर अर्जुन मुंडा ने कहा पार्टी की मजबूती के लिए कार्यकर्ता बूथ स्तर पर जाकर काम करें। पार्टी संगठन के नीति सिद्धान्त को गाँव-गाँव तक पहुचाएँ। मन की बात के प्रदेश प्रभारी अमित कुमार ने कहा बूथों पर अंतिम रविवार को मोदी जी का मन की बात को बुथस्तर पर कार्यकर्ता। अवश्य सुनें। इस अवसर पर जिला प्रभारी सुनीता सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य अरुण चंद्रगुप्ता, संतोष साहू , जिला महामंत्री निखिल कंडुलना ,संदीप आनंद, कैलाश राम, प्रियांक भगत, सीमा देवी, गोपाल स्वर्णकार, उर्मिला देवी, सरस्वती देवी, सुदर्शन भोक्ता, मंडल अध्यक्ष आशीष कुमार ,रुकमिला सारू, किशोर बराइक, विजय स्वामी, सुबोध कुमार, ज्ञान रंजन सिंह, सुधीर सिंह परशुरामदास, आदर्श अंशुल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मध्याह्न भोजन में स्वच्छता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश

बिभा संवाददाता

खूँटी । प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय कक्ष में बुधवार को प्रखंड स्तरीय स्टीयरिंग सह निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने की। बैठक में झारखंड राज्य मध्याह्न भोजन प्राधिकरण एवं जिला शिक्षा अधीक्षक के निदेशों की समीक्षा करते हुए विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाध्यापकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी ने कहा कि सभी विद्यालयों में संबंधित पंजी अद्यतन रखना अनिवार्य है। बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मध्याह्न भोजन योजना का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्धारित मेन्यू के अनुसार प्रतिदिन स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। विद्यालयों में हाथ धोने की व्यवस्था तथा ब्लीचिंग पाउडर की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में बताया गया कि सभी मध्याह्न भोजन संचालित विद्यालयों को आवंटित चावल का विद्यालय स्तर पर वितरण किया जा चुका है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने रसोइया-सहायिकाओं को भोजन तैयार करने और परोसने के दौरान विशेष स्वच्छता बरतने तथा किसी भी परिस्थिति में मध्याह्न भोजन बाधित नहीं होने देने का निर्देश दिया। उन्होंने विद्यालयों में प्लास्टिक एवं पॉलिथीन के उपयोग पर पूरी तरह रोक लगाने को कहा।

बैठक में प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सहायक गोदाम प्रबंधक, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अजय कुमार गंझू सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

सांप काटने से 13 वर्षीय बालक गम्भीर, रिम्स रेफर

खूँटी । जिले के खूँटी थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरही गाँव निवासी मदन तिर्की का 13 वर्षीय पुत्र मनीदीप तिर्की को साँप काटने से गम्भीर है। पीड़ित घायल मनीदीप के पिताजी मदन तिर्की ने बताया कि उनका लड़का मनीदीप बुधवार दोपहर को मवेशी चराने खेत पर गया हुआ था। इसी क्रम में कोई सांप काट दिया । फिर घर आकर उसने सांप काटने की बात बतायी और गिर गया । फिर उसे सदर अस्पताल खूँटी लाया गया ।जहां चिकित्सकों ने मनीदीप को एंटीवेनम इंजेक्शन दिया लेकिन स्वास्थ्य के बिगड़ती स्थिति और गम्भीरता को देखते हुए उसे तुरंत रिम्स रेफर कर दिया। समाचार लिखे जाने तक मनीदीप की स्थिति गम्भीर बनी हुई थी।

रूडसेट संस्थान सिल्ली में 17 अगस्त से शुरू होगा 12 दिवसीय निःशुल्क बकरी पालन प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

सिल्ली : रूडसेट संस्थान सिल्ली में आगामी 17 अगस्त, सोमवार से 12 दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में बकरी पालन की सम्पूर्ण जानकारी,उन्नत नस्लों की पहचान,रोग नियंत्रण एवं टीकाकरण,बाजार एवं व्यवसाय प्रबंधन की व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क होगा। प्रशिक्षणार्थियों के लिए रहना और खाना की व्यवस्था भी संस्थान द्वारा मुफ्त की जाएगी। कार्यक्रम पूरा होने पर प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। नामांकन की

अंतिम तिथि 15 अगस्त दिन शनिवार। इच्छुक युवा निर्धारित तिथि तक संस्थान कार्यालय में संपर्क कर अपना नामांकन करा सकते हैं। प्रशिक्षणार्थी इस नंबर पर 9523381187,9717369763,7370885508 संपर्क कर सकते हैं।

उसुर्लाइन स्कूल मुरी में देशभक्ति से सराबोर पेट्रियोटिक स्किट एंड डांस प्रतियोगिता का आयोजन

बिभा संवाददाता

मुरीः उसुर्लाइन इंग्लिश मीडियम स्कूल मुरी में बुधवार को देशभक्ति की भावना को समर्पित सीनियर छात्र छात्राओं का ₹पेट्रियोटिक स्किट एंड डांस₹ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रतियोगिता को चार हाउस में विभाजित किया गया था - संत ऑगस्टीन, संत एंजेला, फादर जॉन लैंबर्ट्ज. और संत उसुर्ला। चारों हाउस के विद्यार्थियों ने देशभक्ति, शहीदों के बलिदान और भारत की संस्कृति पर आधारित शानदार स्किट और नृत्य प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का जजमेंट आदित्य बिरला स्कूल मुरी से आमंत्रित शिक्षिका वैशाली ऐश और स्वर्णा श्री ने किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद परिणाम घोषित किए गए। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार फादर जॉन लैंबर्ट्ज. ग्रुप ने जीता। द्वितीय पुरस्कार संत एंजेला ग्रुप को मिला, वहीं तृतीय स्थान संत ऑगस्टीन ग्रुप के नाम रहा। सभी विजेता प्रतिभागियों को सिस्टर प्रिंसिपल मीनाक्षी ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सिस्टर प्रिंसिपल मीनाक्षी ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों में देशभक्ति, अनुशासन और टीम भावना विकसित करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और शिक्षकों की मेहनत की सराहना की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस दौरान स्कूल के शिक्षक, शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नई दिल्ली में पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू से सांसद के. सुरेश की आत्मीय मुलाकात, झारखंड कांग्रेस के संगठनात्मक विषयों सहित विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड के वरिष्ठ कांग्रेस नेता, इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू से बुधवार को नई दिल्ली में सांसद के. सुरेश ने आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच झारखंड कांग्रेस से जुड़े संगठनात्मक विषयों, पार्टी की वर्तमान स्थिति तथा प्रदेश में संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान झारखंड में कांग्रेस संगठन की गतिविधियों को और गति देने, पार्टी कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा संगठन को जमीनी स्तर तक अधिक सक्रिय बनाने पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी राजनीतिक दल की मजबूती उसके संगठन और समर्पित कार्यकताओं से होती है। ऐसे में बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठन को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

चर्चा के दौरान झारखंड की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों और आने वाले समय में पार्टी के सामने मौजूद विभिन्न चुनौतियों को लेकर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दोनों नेताओं ने संगठन के विभिन्न स्तरों पर कार्यकताओं और पदाधिकारियों के बीच संवाद को और बेहतर बनाने तथा कार्यकताओं को पार्टी की गतिविधियों से लगातार जोड़कर रखने पर जोर दिया।

पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि कांग्रेस की वास्तविक ताकत उसके कार्यकर्ता हैं। कार्यकताओं की मेहनत और सक्रियता के बल पर ही पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए बूथ स्तर तक कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। साथ ही कार्यकताओं की समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को गंभीरता से सुनकर उनके समाधान की दिशा में पहल की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का संगठन जितना मजबूत होगा, पार्टी उतनी ही प्रभावी ढंग से जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने में सक्षम होगी। उन्होंने कार्यकताओं से भी आपसी समन्वय और अनुशासन के साथ संगठन को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

सांसद के. सुरेश ने भी झारखंड में पार्टी संगठन की स्थिति तथा कार्यकताओं की भूमिका को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने संगठन में आपसी संवाद, सक्रियता और समन्वय को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि पार्टी को मजबूत बनाने के लिए सभी स्तरों पर मिलकर काम करने की जरूरत है।

मुलाकात के दौरान झारखंड में कांग्रेस की आगामी संगठनात्मक गतिविधियों, कार्यकताओं के बीच बेहतर तालमेल, पार्टी के जनाधार को और मजबूत करने तथा जनता से जुड़े मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठाने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं के बीच हुई यह मुलाकात राजनीतिक एवं संगठनात्मक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मुलाकात के दौरान पुराने राजनीतिक एवं संगठनात्मक संबंधों को लेकर भी आत्मीय संवाद हुआ। नेताओं ने भविष्य में भी आपसी समन्वय के साथ पार्टी संगठन को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास करने पर जोर दिया।

कांग्रेस नेताओं का मानना है कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में संगठन की सक्रियता और कार्यकताओं की एकजुटता पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य के साथ झारखंड में संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में कार्य किए जाने की आवश्यकता पर चर्चा हुई। नई दिल्ली में हुई इस आत्मीय मुलाकात को झारखंड कांग्रेस के संगठनात्मक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत से आने वाले दिनों में प्रदेश में पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

24 दिनों की 24 स्वास्थ्य गतिविधियां जमीनी स्तर तक पहुँचाने का निर्देश

बिभा संवाददाता

खूँटी । राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आशा एकीकृत प्रशिक्षण मॉड्यूल पर आधारित 10 दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण बुधवार को राँची-खूँटी मार्ग स्थित मोमेंट्स रिसॉर्ट में संपन्न हुआ। 3 से 12 अगस्त तक चले प्रशिक्षण में सात राज्यों के 35 चिकित्सा अधिकारियों, कार्यक्रम समन्वयकों एवं प्रशिक्षकों ने हिस्सा लिया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य राज्य एवं जिला स्तर के प्रशिक्षकों को दक्ष बनाकर सहियाओं और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकताओं की क्षमता विकसित करना था। प्रतिभागियों को आपातकालीन चिकित्सा, जीवन रक्षक तकनीक, सर्पदंश, विषाक्तता, हृदयाघात, आघात, मधुमेह जैसी आपात स्थितियों में प्राथमिक उपचार एवं सुरक्षित स्थानांतरण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही मलेरिया, डेंगू, टीबी, कुष्ठ, फाइलेरिया सहित संक्रामक रोगों की निगरानी और जलवायु परिवर्तन के स्वास्थ्य प्रभावों की जानकारी दी गई।

समापन अवसर पर अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी स्तर पर बैठक कर 24 दिन-24 गतिविधियां लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रतिदिन एक घंटे की गतिविधियों के साथ योजना संचालित करने, 104 हेल्पलाइन एवं टेली-मानस की जानकारी शामिल करने तथा सभी स्वास्थ्य कार्यकताओं का शत-प्रतिशत प्रशिक्षण सुनिश्चित करने को कहा। प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षित दल जिला एवं प्रखंड स्तर पर सहियाओं को प्रशिक्षण देगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 188 अंक, निफ्टी 35 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 187.90 अंक नीचे आकर 77,966.35 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 35.75 अंक फिसलकर 24,435.95 पर बंद हुआ। आज आईटी शेयरों में आई गिरावट का प्रभाव भी बाजार पर पड़ा है। कारोबार के दौरान सूचकांकों में निफ्टी आईटी में सबसे अधिक गिरावट रही। इसके बाद निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी कंजप्शन , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.45 , निफ्टी हेल्थकेयर , निफ्टी ऑटो , निफ्टी सर्विसेज 0.14 और निफ्टी कमोडिटीज के शेयरों में भी गिरावट रही।

दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया, निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.70 , निफ्टी मेटल

0.54, निफ्टी पीएसई , निफ्टी इन्फ्रा और निफ्टी एनर्जी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में मिलाजुला कारोबार हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। आज सुबह निफ्टी करीब 80 अंक गिरकर 24400 के नीचे आ गया, जबकि सेंसेक्स लगभग 250 अंकों की गिरावट के साथ 77900 के नीचे कारोबार करता दिखा।

युलु ने सीरीज सी फंडिंग में जुटाए 9.3 करोड़

अगले दो साल में बेड़ा 2 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों का होगा

मुंबई ।

इलेक्ट्रिक परिवहन मंच युलु ने अपने सीरीज सी वित्त पोषण दौर में 9.3 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटा लिए हैं। इस पूंजी के साथ कंपनी ने अगले दो वर्षों में अपने इलेक्ट्रिक वाहन बेड़े को चार गुना बढ़ाकर 2 लाख करने, सेवा नेटवर्क के विस्तार और शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की अपनी योजनाओं को तेज करने का लक्ष्य रखा है। युलु के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि यह वित्तपोषण कंपनी के कारोबारी मॉडल की मजबूती और मांग की व्यापक संभावनाओं की पुष्टि करता है। उन्होंने कहा कि युलु भारत की शहरी स्थानीय परिवहन गतिविधियों की आधारशिला के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने और शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए तैयार है। बजाज ऑटो और मैग्ना इंटरनेशनल इंक जैसी रणनीतिक साझेदारियों ने युलु को विशेष हार्डवेयर, प्रौद्योगिकी और व्यापक ऊर्जा बुनियादी ढांचे वाला एक एकीकृत इलेक्ट्रिक वाहन परिवेश बनाने में मदद की है। अब कंपनी युलु एक्सप्रेस के साथ शहरी लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में भी प्रवेश करने की योजना बना रही है। यह ई-कॉमर्स, बाइक टैक्सी और त्वरित पार्सल डिलीवरी के लिए डिज़ाइन किया गया एक उच्च क्षमता वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर होगा। कंपनी का उद्देश्य इन विस्तार योजनाओं के माध्यम से टिकाऊ शहरी गतिशीलता में अपनी स्थिति मजबूत करना है।

आरडी इंडस्ट्रीज का शेयर करीब 39 प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

आरडी इंडस्ट्रीज का शेयर बुधवार को शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत के साथ सूचीबद्ध हुआ। कंपनी के शेयर ने अपने 53 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 39 प्रतिशत की शानदार बढ़त दर्ज की, जिससे निवेशकों को लिस्टिंग के दिन ही उल्लेखनीय मुनाफा हुआ। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों से भारी प्रतिक्रिया मिली थी। बीएसई पर आरडी इंडस्ट्रीज का शेयर 73.60 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो इसके निर्गम मूल्य से 38.86 प्रतिशत अधिक है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर यह 35.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इस दमदार प्रदर्शन के साथ कंपनी का बाजार पूंजीकरण 2,119.10 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी के 426 करोड़ रुपये के आईपीओ को निवेशकों ने हाथों-हाथ लिया था और पिछले सप्ताह शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन यह 133.66 गुना से अधिक अभिदान के साथ बंद हुआ था। 50-53 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे वाले इस आईपीओ ने बाजार में कंपनी की सर्कुलर इकोनॉमी आधारित व्यावसायिक मॉडल की स्वीकार्यता को दर्शाया है। आरडी इंडस्ट्रीज ऊर्जा भंडारण उत्पादों और गैर-लौह धातु कबाड़ के पुनर्चक्रण तथा अपशिष्ट से महत्वपूर्ण संसाधनों को पुनः प्राप्त करने का काम करती है।

ओला इलेक्ट्रिक को 7,240 करोड़ का पीएलआई लाभ

मंत्रालय ने बढ़ाई सेल उत्पादन प्रोत्साहन समयसीमा

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड को भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) से बड़ी राहत मिली है। मंत्रालय ने कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी ओला सेल टेक्नोलॉजीज (ओसीटी) के लिए उन्नत रसायन सेल उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की समयसीमा में संशोधन को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से ओला इलेक्ट्रिक को अपने 20 गीगावाट आवंटन के लिए 2031 तक पूरे पांच साल की पीएलआई अवधि मिलेगी, जिससे उसे कुल 7,240 करोड़ रुपए तक का प्रोत्साहन लाभ प्राप्त हो सकेगा। कंपनी ने बुधवार को बताया कि यह प्रोत्साहन राशि अगली तिमाही से तिमाही आधार पर मिलनी शुरू हो जाएगी। ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भविष अग्रवाल ने कहा कि संशोधित समयसीमा महज विस्तार से कहीं अधिक है; यह उनके सेल कारोबार की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह बदल देती है। फिलहाल ओला इलेक्ट्रिक के पास 2.5 गीगावाट की स्थापित सेल विनिर्माण क्षमता है, जिसमें 3.5 गीगावाट की अतिरिक्त क्षमता जोड़ी जा रही है। कंपनी ने कहा कि चालू तिमाही के अंत तक उसकी क्षमता 6 गीगावाट हो जाएगी, जो दिसंबर 2026 की संशोधित समयसीमा से काफी पहले शुरुआती स्थापित क्षमता का लक्ष्य हासिल कर लेगी। लिथियम सेल इलेक्ट्रिक परिवहन, ऊर्जा भंडारण जैसे क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

वस्तु निर्यात दूसरी तिमाही में 131 अरब डॉलर पार करेगा- एग्जिम बैंक

नई दिल्ली ।

भारत के निर्यात-आयात बैंक (एग्जिम बैंक) ने एक सकारात्मक अनुमान जारी करते हुए कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में देश का कुल वस्तु निर्यात 131.2 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा।

बैंक के बुधवार को जारी बयान के अनुसार यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 17.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक शुभ संकेत है। एग्जिम बैंक के विश्लेषण के मुताबिक इस वृद्धि में गैर-तेल निर्यात का बड़ा योगदान होगा, जिसके 20.3 प्रतिशत बढ़कर 113.8 अरब डॉलर होने की संभावना है।

इसी तरह, गैर-तेल और गैर-रत्न एवं आभूषण निर्यात में भी 20.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का अनुमान है, जिससे यह आंकड़ा 105.8 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विविध क्षेत्र निर्यात वृद्धि को गति प्रदान कर रहे हैं और वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति मजबूत हो रही है। इस अनुमान से देश की व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 95.33 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया छह पैसे नीचे आकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.42 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी अनिश्चितता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह फिसलकर 95.42 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया मंगलवार को छह पैसे टूटकर 95.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 99.87 पर रहा।

बैंकिंग में एआई का जिम्मेदारी से करें इस्तेमाल- आरबीआई गवर्नर

बैंक के फैसलों की जिम्मेदारी अंततः बैंक की ही होती है, न कि उसके एल्गोरिद्म की

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बैंकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने की नसीहत दी है। एफआईबीएसी 2026 सम्मेलन को संबोधित करते हुए मल्होत्रा ने साफ कहा कि एआई को नियंत्रित किए जाने वाले जोखिम के बजाय एक क्षमता के रूप में देखा जाना चाहिए जिसका सावधानी से उपयोग हो। साथ ही उन्होंने कड़े शब्दों में आगाह किया कि बैंक के फैसलों की जिम्मेदारी अंततः बैंक की ही होती है, न कि उसके एल्गोरिद्म की।

इसके अलावा, उन्होंने बताया कि ब्रिक्स देशों के सदस्य तेज भुगतान प्रणाली को केंद्रीय बैंक की डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) से जोड़ने पर भी चर्चा कर रहे हैं। आरबीआई गवर्नर ने एआई मॉडल से जुड़े जोखिमों पर बोलते हुए कहा कि आरबीआई इसे क्षमता के रूप में देखता है। हालांकि, उन्होंने चेताया कि बैंकिंग प्रणाली में एआई अपनाने से मानवीय निर्णय क्षमता और जवाबदेही कम होने का जोखिम हो सकता है।

मल्होत्रा ने जोर दिया, हम यह नहीं कह सकते कि फैसला मॉडल ने किया। इसमें सार्थक मानवीय निगरानी, फैसले को समझाने और हस्तक्षेप करने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने इसे ब्लैक बॉक्स समस्या बताते हुए कहा कि एआई सिस्टम के किसी छोटे व्यवसाय को कर्ज न देने की सलाह देने पर, ऋणदाता और नियामक दोनों को कारण जानने का हक है। मल्होत्रा ने एआई में पक्षपात और भेदभाव के जोखिम पर भी आगाह किया, खासकर अगर वह पुराने कर्ज के आंकड़ों पर आधारित हो।

उन्होंने थर्ड-पार्टी वेंडर पर निर्भरता और डेटा गोपनीयता के खतरों का भी जिक्र किया, कहा कि ग्राहकों को डिजिटल पर्सनल डेटा सुरक्षा कानून के पालन से कहीं ज्यादा की उम्मीद करनी चाहिए।

आरबीआई गवर्नर ने भारतीय बैंकों को एआई अपनाने में पीछे न रहने पर जोर देते हुए कहा कि वैकल्पिक डेटा जैसे नकदी प्रवाह और जीएसटी फाइलिंग पर प्रशिक्षित एआई मॉडल ऋण आवंटन की लागत को कम कर सकते हैं।

सेबी का प्रस्ताव: कमोडिटी डेरिवेटिव में एफपीआई की बढ़ेगी भागीदारी, खुलेंगे नए रास्ते

इन बदलावों से बाजार में तरलता, मूल्य खोज और वैश्विक बाजारों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने एक्सचेंज-ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव्स (ईटीसीडी) में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भागीदारी बढ़ाने का प्रस्ताव किया है। इसका उद्देश्य गैर-कृषि इंडेक्स डेरिवेटिव्स और नकदी के बिना सेटल होने वाले गैर-कृषि जिंस डेरिवेटिव्स में एफपीआई को व्यापार की अनुमति देना है। सेबी का मानना है कि इन बदलावों से बाजार में तरलता, मूल्य खोज और वैश्विक बाजारों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित होगा।

मंगलवार को जारी अपने परामर्श पत्र में सेबी ने दो प्रमुख प्रस्ताव रखे हैं। पहले प्रस्ताव के तहत, एफपीआई को अब गैर-कृषि इंडेक्स डेरिवेटिव अनुबंधों में भाग लेने की अनुमति मिलेगी, भले ही इनकी अंतर्निहित संपत्तियां नकदी में सेटल होती हों या नहीं। वर्तमान में, एफपीआई केवल नकदी में सेटल होने वाले गैर-कृषि डेरिवेटिव अनुबंधों में ही निवेश कर सकते हैं।

चूंकि इंडेक्स डेरिवेटिव्स का निपटान हमेशा नकदी में ही होता है, इसलिए यह बदलाव डिलीवरी से जुड़ी कोई समस्या पैदा नहीं करेगा। कमोडिटी डेरिवेटिव एडवाइजरी कमेटी (सीडीएसी) ने भी इस प्रस्ताव पर सहमति जताई है।

दूसरे प्रस्ताव में एफपीआई को घरेलू एक्सचेंजों पर उपलब्ध फिजिकली सेटल होने वाले गैर-कृषि जिंस डेरिवेटिव्स में भी भागीदारी की इजाजत देने की बात कही गई है। इनमें कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, सोना, चांदी और आधार धातु जैसे वैश्विक बेंचमार्क से जुड़े जिंस शामिल हैं। सेबी के अनुसार, इससे बाजार में प्रतिभागियों का आधार और तरलता बढ़ेगी, साथ ही भारत का कमोडिटी डेरिवेटिव बाजार अंतरराष्ट्रीय जिंस बाजार से गहराई से जुड़ सकेगा।

हालांकि, एफपीआई को टेंडर अवधि शुरू होने से पहले (एक्सपायरी से तीन दिन पूर्व) अपने निवेश को बेचना या रोल-ओवर करना होगा।

ऐसा न कर पाने पर उनकी खुली पोजीशन स्वचालित रूप से किसी ट्रेडिंग मेंबर के खातों में हस्तांतरित हो जाएंगी।

टाटा संस के चेयरमैन पद से एन. चंद्रशेखरन ने दिया इस्तीफा

फरवरी 2027 तक पूरा करेंगे कार्यकाल

मुंबई ।

टाटा ग्रुप में एक बड़ा नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिला है। एन. चंद्रशेखरन ने टाटा संस के चेयरमैन पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया है, हालांकि वह फरवरी 2027 तक अपना मौजूदा कार्यकाल पूरा करेंगे और दोबारा नियुक्ति नहीं मांगेंगे। इस निर्णय के पीछे टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा की आपत्तियां और टाटा संस व टाटा ट्रस्ट्स के बीच गहरे मतभेद प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। नोएल टाटा ने फरवरी में उनकी दोबारा नियुक्ति पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद यह फैसला टाल दिया गया था। दोनों संस्थाओं के बीच बोर्ड प्रतिनिधित्व, रणनीति और शापूरजी पल्लोनजी समूह की हिस्सेदारी जैसे मुद्दों पर मतभेद थे। चंद्रशेखरन 1987 में टाटा ग्रुप से जुड़े थे और 2017 में टाटा संस के चेयरमैन बने थे। यह इस्तीफा 18 अगस्त की एजीएम से ठीक पहले आया है, जहां उनकी दोबारा नियुक्ति पर शेयरधारकों की वोटिंग होनी थी। यह कदम टाटा ग्रुप के शीर्ष नेतृत्व में एक अहम बदलाव है।

अंबानी 25.8 लाख करोड़ की संपत्ति के साथ शीर्ष स्थान पर

बिड़ला परिवार से तीन गुना ज़्यादा संपत्ति, टॉप 300 व्यवसायों की कुल वैल्यू 138 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली

बार्कलेज और हुरुन इंडिया की हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत के सबसे अमीर परिवारों की सूची में अंबानी परिवार शीर्ष पर है। उनकी कुल संपत्ति 25.8 लाख करोड़ रुपये है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद कुमार मंगलम बिड़ला परिवार की संपत्ति से लगभग तीन गुना अधिक है। यह रिपोर्ट देश में पारिवारिक व्यवसायों की बढ़ती आर्थिक शक्ति को रेखांकित करती है। रिपोर्ट बताती है कि भारत के 300 शीर्ष पारिवारिक व्यवसायों की कुल वैल्यू 138 लाख करोड़ रुपये थी। कुमार मंगलम बिड़ला परिवार 8.1 लाख करोड़ रुपये और जिंदल परिवार 8 लाख करोड़ रुपये के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। पिछले एक साल में इन तीनों परिवारों की संपत्ति 1.57 लाख करोड़ रुपए बढ़ी, कुल मूल्यांकन 42 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा, जो देश के सूचीबद्ध बाजार पूंजीकरण का लगभग 9 फीसदी है। शीर्ष 10 में शामिल होने के लिए आवश्यक मूल्यांकन एक साल में 14 फीसदी बढ़कर 2.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इस दौरान, वेदांत के अनिल अग्रवाल परिवार मूल्यांकन में 74.7 फीसदी वृद्धि के साथ तीन पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर आ गया। वहीं, एचसीएल टेक का नाडर और विप्रो का प्रेमजी परिवार रैंकिंग में नीचे खिसके, क्रमशः 38 और 2.3 फीसदी गिरावट के बाद अब आठवें और नौवें स्थान पर हैं। पहली पीढ़ी के सबसे धनी परिवारों में अदाणी परिवार 19.57 लाख करोड़ रुपये के साथ सबसे आगे है। उसके बाद भारती एयरटेल के सुनील भारती मित्तल (12.1 लाख करोड़) और सन फार्मा के दिलीप सांघवी (4.54 लाख करोड़) का परिवार है। इन 300 फैमिली समूहों ने पिछले दो सालों में औसतन हर दिन 4,076 करोड़ रुपये की संपदा जोड़ी है, और 54 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया है।

टाटा कैपिटल का रिवॉल्विंग क्रेडिट एक्सपोजर 5 फीसदी से कम

आरबीआई के नए प्रस्ताव से कंपनी पर पड़ेगा सीमित असर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को रिवॉल्विंग क्रेडिट स्कीम बंद करने के प्रस्ताव से टाटा कैपिटल पर नाम मात्र का असर पड़ेगा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि उनके कुल ऋण पोर्टफोलियो में रिवॉल्विंग क्रेडिट का हिस्सा 5 फीसदी से भी कम है, जबकि इस कदम से बजाज फाइनेंस जैसी अन्य एनबीएफसी को बड़ी चुनौती मिल सकती है। टाटा कैपिटल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक बैंकिंग सम्मेलन में बताया कि वे आरबीआई के इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देंगे और अंतिम विनियमन का पालन करेंगे। रिवॉल्विंग क्रेडिट एक ऐसी वित्तीय व्यवस्था है जिसमें एक तय सीमा तक बार-बार पैसे उधार लेने और चुकाने की अनुमति होती है। जून के अंत तक टाटा कैपिटल का सकल ऋण 2.86 लाख करोड़ रुपये था। आरबीआई का यह कदम एवरग्रीनिंग के जोखिम को कम करने के उद्देश्य से है, जहां उधारकर्ता नए ऋण से पुराने ऋण चुकाते हैं। एनबीएफसी की स्व-नियामक संस्था वित्तीय उद्योग विकास परिषद (एफआईडीसी) भी इस सप्ताह इस मुद्दे पर चर्चा करेगी। विश्लेषकों का अनुमान है कि इस प्रस्ताव से बजाज फाइनेंस सर्वाधिक प्रभावित होगी। आईआईएफएल कैपिटल के मुताबिक, उसकी लचीली ऋण योजनाएं समेकित एयूएम का लगभग 15 फीसदी और स्वतंत्र ऋण पोर्टफोलियो का 20 फीसदी बनाती हैं। तुलनात्मक रूप से, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट का एक्सपोजर 1 फीसदी से भी कम है, जबकि एलएंडटी फाइनेंस और पूनावाला फिनकॉर्प के लिए यह नगण्य है।

ग्रामीण भारत और छोटे व्यवसायों को एआई से सशक्त करें- एसबीआई चेयरमैन

तकनीक की वास्तविक परीक्षा बारीकियों में नहीं, उपलब्धियों में

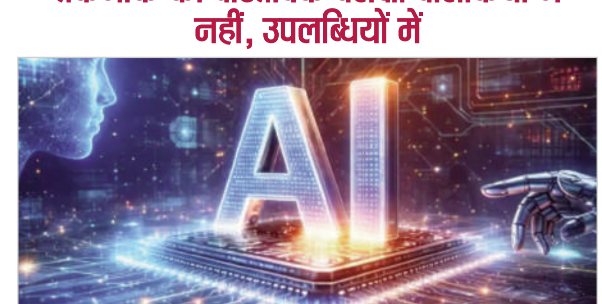

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने बैंकिंग क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग को ग्रामीण ग्राहकों, छोटे व्यवसायों और कृषि तक गहरा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह भारत के 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। शेट्टी ने स्पष्ट किया कि एआई की वास्तविक परीक्षा उसकी बारीकियों में नहीं, बल्कि उससे हासिल होने वाली उपलब्धियों में है। उन्होंने जोर दिया कि एआई को अर्थव्यवस्था में गहराई तक ले जाना होगा, खासकर ग्रामीण भारत, छोटे कारोबारियों और पारंपरिक ऋण मॉडल में शामिल न होने वाले ग्राहकों तक। उन्होंने बताया कि एआई कृषि क्षेत्र में जोखिम आकलन, डिजिटल रिकॉर्ड और सैटेलाइट इमेज के माध्यम से ऋण पहुंच और पोर्टफोलियो प्रबंधन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। हालांकि, शेट्टी ने स्वीकार किया कि कुछ एआई तकनीकों को कृषि ऋण में पहले से अपनाया जा रहा है, लेकिन चुनौती उन्हें पायलट प्रोजेक्ट से आगे ले जाकर अंतिम छोर तक किफायती और व्यावहारिक बनाने की है। उन्होंने आगाह किया कि एआई के बढ़ते उपयोग से साइबर सुरक्षा जैसे नए जोखिम उत्पन्न होंगे, क्योंकि यह हमलावरों को अधिक परिष्कृत खतरे विकसित करने की अनुमति दे सकता है। बैंकों को अपनी सुरक्षा मजबूत करनी होगी और विश्वास बनाए रखने के लिए अपने ढांचे पर पुनर्विचार करना होगा, क्योंकि एआई सिस्टम अधिक स्वायत्त हो जाएंगे।

बैंकों में 2.31 लाख करोड़ रुपए से ज़्यादा के फ्रॉड, वसूली केवल 2.7 फीसदी

वित्त मंत्रालय के आंकड़ों में खुलासा- 2021–26 के बीच 1 करोड़ से अधिक के 5,607 मामले

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों में बड़े वित्तीय फ्रॉड की चिंताजनक तस्वीर पेश की है। वित्तीय वर्ष 2021 से 2026 के दौरान 1 करोड़ रुपए से अधिक के कुल 5,607 धोखाधड़ी मामलों में 2,31,710.12 करोड़ रुपए की रकम शामिल थी, जिसमें से महज 6,283.14 करोड़ रुपए की ही वसूली हो पाई।

यह दर्शाता है कि 2,25,426.98 करोड़ रुपए की बड़ी राशि अभी भी फंसी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, जहां 2021 से 2024 तक बड़े फ्रॉड के मामलों और राशि में गिरावट देखी गई, वहीं वित्तीय वर्ष 2025 और 2026 में इनमें तेज उछाल आया।

` वित्त वर्ष 24 में 641 मामलों के साथ 9,080.50 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी हुई, जो छह साल का निचला स्तर था। हालांकि,`` वित्त वर्ष 25 में यह संख्या बढ़कर 941 और` वित्त वर्ष 26 में 1,330 हो गई, जो` वित्त वर्ष 24 के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है।`` वित्त वर्ष 26 में धोखाधड़ी की राशि भी बढ़कर 46,559.84 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष से लगभग 55 फीसदी अधिक है। कुल मिलाकर, पांच सालों में 2.31 लाख करोड़ से अधिक के फ्रॉड में केवल 2.7 फीसदी (6,283.14 करोड़ रुपए) की ही वसूली हो सकी है। हालांकि, मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह अंतिम नुकसान नहीं है और कानूनी तथा रिकवरी प्रक्रियाओं के जरिए भविष्य में भी कुछ रकम वापस मिल सकती है।

विश्व हाथी दिवस पर मानव-हाथी संघर्ष से सह-अस्तित्व की ओर बढ़ने का कार्य करें : संजीव कुमार

बिभा संवाददाता

रांची। विश्व हाथी दिवस के अवसर पर झारखंड सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा बीएनआर चाणक्य होटल, रांची में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य विषय 'मानव-हाथी संघर्ष एवं सह-अस्तित्व' रहा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ) संजीव कुमार उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि संजीव कुमार ने बताया कि झारखंड में हाथियों के आवागमन के लगभग 75 मुख्य मार्ग हैं। हाथियों के सुरक्षित आवागमन के लिए उनके रास्तों में चरागाह, भोजन और स्वच्छ पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भविष्य की किसी भी योजना को अगले 10 वर्षों के दृष्टिकोण से तैयार करना होगा, ताकि हाथियों के कॉरिडोर प्रभावित न हों। इसके लिए बिजली, सड़क, परिवहन, जल और वन विभाग सहित सभी संबंधित एजेंसियों को आपसी समन्वय बनाकर काम करने की नितांत आवश्यकता है।

कार्यशाला में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (बंजर भूमि विकास बोर्ड) ए. टी. मिश्रा ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करने और हाथियों के प्राकृतिक क्षेत्रों में दखलअंदाजी कम करने पर जोर दिया। वहीं, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) रवि रंजन ने कहा कि वन विभाग हाथियों को मनोरंजन या कौतूहल के बजाय उनकी और ग्रामीणों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से देखता है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वन संरक्षक एस. आर. नटेश के स्वागत संबोधन से हुआ। इसके बाद वैज्ञानिक डॉ. बियास पांडेय, प्रशांत बासविकार, रुद्र महापात्र और डॉ. नवीन पांडेय जैसे विशेषज्ञों ने हाथियों के बदलते व्यवहार, पयार्वास, सुरक्षित कॉरिडोर और कनेक्टिविटी पर अपनी विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। असम से आए हितेन बैसिया ने भी मानव-हाथी संघर्ष प्रबंधन के अपने अनुभव साझा किए।

इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में राज्यभर से आए वनरक्षियों, त्वरित प्रतिक्रिया दलों और ग्रामीण प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि मानव-हाथी संघर्ष का स्थायी समाधान केवल तात्कालिक राहत से नहीं, बल्कि वैज्ञानिक निगरानी, समय पर चेतावनी प्रणाली और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। कार्यक्रम में वन विभाग के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों ने हाथी संरक्षण और मानव जीवन की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाते हुए शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की दिशा में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

पीवीयूएनएल ने चलाया 'हर घर तिरंगा' अभियान, स्कूली बच्चों के बीच बांटे गए राष्ट्रीय ध्वज

बिभा संवाददाता

पतरातू। पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल), एनटीपीसी के तत्वावधान में 9 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा अभियान' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव और तिरंगे के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। 9 अगस्त को टाउनशिप में प्रभात फेरी निकालकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। इसमें एनटीपीसी के अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके परिजनों और सीआईएसएफ के जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान लोगों को तिरंगे बांटे गए और एलईडी स्क्रीन के जरिए जागरूकता संदेश भी प्रसारित किए गए।

अभियान के तहत 12 अगस्त को पीवीयूएनएल के एचआर विभाग द्वारा एसएस हाई स्कूल, पतरातू में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नारे, कविता और भाषण के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 20 उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही, बच्चों और शिक्षकों के बीच 200 राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए गए, ताकि वे अपने घरों में गर्व से तिरंगा फहरा सकें। इस पहल के माध्यम से पीवीयूएनएल समाज में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

के राजू 15 को आएंगे रांची, विभिन्न सांगठनिक बैठकों में होंगे शामिल

रांची(बिभा)। झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के राजू पांच दिवसीय दौरे पर 15 अगस्त को रांची आएंगे। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव और मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने बताया कि कांग्रेस प्रभारी 16 अगस्त को धनबाद संसदीय क्षेत्र के पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। अगले दिन 17 अगस्त को हुए लोहरदगा संसदीय क्षेत्र के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक करेंगे, जबकि 17 अगस्त को ही कांग्रेस प्रभारी शाम में रांची स्थित होटल बीएनआर में झारखंड प्रोफेशनल कांग्रेस के पदाधिकारी की बैठक में भी शामिल होंगे। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने बताया कि कांग्रेस प्रभारी 18 अगस्त को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक करेंगे। इन बैठकों में संबंधित संसदीय क्षेत्र की पार्टी गतिविधियों की समीक्षा बैठक की जाएगी। बैठक में संबंधित संसदीय प्रभारी, सह-प्रभारी, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, जिला प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष और प्रदेश सचिव के अलावा ब्लॉक अध्यक्ष और एसआईआर प्रशिक्षक उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही संबंधित संसदीय क्षेत्र के वर्तमान, पूर्व सांसद, विधायक और चुनाव में प्रत्याशी रहे उम्मीदवार मौजूद रहेंगे। झारखंड प्रभारी 19 अगस्त को रांची से हैदराबाद के लिए रवाना हो जाएंगे।

श्रावणी मेले में उमड़ती भीड़ को लेकर रेलवे चलाएगा इतवारी-मधुपुर स्पेशल ट्रेन के दो अतिरिक्त फेरे

आसनसोल(बिभा)। श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं और यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने एक अहम फैसला लिया है। यात्रियों की सुविधाजनक यात्रा के लिए 08895/08896 इतवारी-मधुपुर-इतवारी श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन के दो अतिरिक्त फेरे चलाने का निर्णय लिया गया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, यह स्पेशल ट्रेन अपने पूर्व निर्धारित मार्ग, ठहराव और समय-सारणी के अनुसार ही चलेगी। जारी किए गए शेड्यूल के मुताबिक, 08895 इतवारी-मधुपुर स्पेशल ट्रेन महाराष्ट्र के इतवारी स्टेशन से 18 अगस्त 2026 और 25 अगस्त 2026 को प्रस्थान करेगी। वहीं, वापसी में 08896 मधुपुर-इतवारी स्पेशल ट्रेन झारखंड के मधुपुर स्टेशन से 19 अगस्त 2026 और 26 अगस्त 2026 को प्रस्थान करेगी। रेलवे के इस कदम से बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं और आम यात्रियों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी।

बिना प्राधिकरण टिकट जांच करने वाली महिला को धनबाद लेडीज स्क्वायड ने पकड़ा

धनबाद(बिभा) : यात्रियों की सुरक्षा एवं रेलवे की व्यवस्था की सतत निगरानी के क्रम में बुधवार को ट्रेन संख्या 13545 आसनसोल-गया मेमू एक्सप्रेस में धनबाद लेडीज स्क्वायड टिकट चेकिंग दस्ता द्वारा आसनसोल से धनबाद के मध्य टिकट जांच अभियान चलाया जा रहा था। टिकट जांच के दौरान ट्रेन में मौजूद हॉकरों एवं यात्रियों द्वारा लेडीज स्क्वायड को सूचना दी गई कि एक महिला द्वारा स्वयं को टी.टी. बताकर बिना किसी वैध प्राधिकरण के यात्रियों के टिकटों की जांच की जा रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए धनबाद लेडीज स्क्वायड की प्रभारी श्रीमती नूतन माला कुजूर एवं अन्य महिला टिकट जांच कर्मचारियों द्वारा उक्त महिला की पहचान एवं सत्यापन किया गया। जांच के दौरान संदेह की पुष्टि होने पर धनबाद कमर्शियल कंट्रोल को तत्काल सूचना देते हुए धनबाद स्टेशन पर उप स्टेशन अधीक्षक (वाणिज्य) एवं रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की उपस्थिति में उसे ट्रेन से उतारा गया तथा अग्रेतर आवश्यक कार्रवाई हेतु जीआरपी, धनबाद को सुपुर्द कर दिया गया। धनबाद मंडल यात्रियों से अपील करता है कि यदि कोई व्यक्ति संदिग्ध रूप से रेलवे कर्मचारी बनकर टिकट जांच अथवा अन्य किसी प्रकार की गतिविधि करता हुआ दिखाई दे, तो इसकी सूचना तत्काल रेल कर्मियों अथवा रेलवे हेल्पलाइन 139 पर दें।

आत्मनिर्भर भारत' के लिए कोयला गैसीफिकेशन जरूरी : सीजीएआई

हाई-ऐश कोयले की समस्या के समाधान, आयात पर निर्भरता कम करने और वायबिलिटी गैप फंडिंग पर चर्चा के लिए भुबनेश्वर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में इस्पात क्षेत्र के अग्रणी व्यक्तियों और विश्व स्तरीय विशेषज्ञों का जमावड़ा

बिहान भारत

भुवनेश्वर: देश की प्रमुख संस्था कोल गैसीफायर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीजीएआई) ने हाल ही में भुबनेश्वर में कोयला गैसीफिकेशन में चुनौतियां, अवसर और नई तकनीक विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में देश के विशाल कोयला भंडार और वायबिलिटी गैप फंडिंग योजना के तहत कोयला मंत्रालय की वित्तीय सहायता को ध्यान में रखते हुए, आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कोयला गैसीफिकेशन को बढ़ावा देने की जरूरत और इसके व्यावसायिक लाभों पर चर्चा की गई।

इस ऐतिहासिक आयोजन को कोल इंडिया, महानदी कोलफील्ड्स, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स, गेल, एनटीपीसी और जिन्दल स्टील सहित प्रमुख औद्योगिक समूहों के दिग्गज शामिल हुए। इसमें श्रीलंका और कनाडा के बड़े विशेषज्ञों ने भागीदारी की।

सम्मेलन में 25 से अधिक विशेषज्ञों ने तकनीकी शोध-पत्र प्रस्तुत किये, जिनमें भारत में बहुतायत में पाए जाने वाले हाई-एश कोयले के प्रसंस्करण के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग और विदेशी आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए अनेक सुझाव शामिल थे। सम्मेलन में एनटीपीसी और जिन्दल स्टील समेत अनेक उद्योगों के प्रमुखों ने 'आत्मनिर्भर भारत' के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कोयला गैसीफिकेशन को प्राथमिकता दिये जाने का आह्वान किया।

आयोजन के प्रमुख आकर्षणों में से एक कोल गैसीफायर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा जिन्दल स्टील के अंगुल स्थित प्रमुख औद्योगिक संयंत्र का आधिकारिक दौरा था। प्रतिनिधियों ने भारत की अनूठी कोल गैसीफिकेशन आधारित डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन सुविधा का दौरा किया, जहां कोयला गैसीफिकेशन तकनीक का उपयोग कर उच्च गुणवत्ता वाले स्टील का उत्पादन किया जाता है।

अंगुल प्लांट में स्टील बनाने के लिए देश का पहला सीजीपी-डीआरआई प्लांट स्थापित किया गया है। यह कोयले के बेहतर उपयोग और आधुनिक तकनीक का एक बेहतरीन उदाहरण है। आधुनिक तकनीकों, अत्याधुनिक सुविधाओं और बेहतर उत्पादन क्षमता के साथ जिन्दल स्टील का अंगुल प्लांट देश के सबसे आधुनिक स्टील संयंत्रों में से एक है।

प्रतिनिधियों ने प्लांट के कामकाज की सराहना की, जिसमें देश की सबसे बड़ी ब्लास्ट फर्नेस भी शामिल है। उन्होंने प्लांट के आगामी विस्तार में अपनाई जा रही वैश्विक स्तर की आधुनिक तकनीकों और बेहतर कार्यप्रणालियों को भी करीब से समझा।

सम्मेलन में जिन्दल स्टील के सलाहकार और कोल गैसीफायर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष संजय सिंह, महासचिव डॉ. ए.के. बाल्यान, उपाध्यक्ष और कोयला गैसीफिकेशन विशेषज्ञ कपिल धगत, आर.के. सिंघल, निदेशक, बिजनेस डेवलपमेंट, गेल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि ओडिशा के पूर्व मुख्य सचिव असीत त्रिपाठी थे।

कोल गैसीफायर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीजीएआई) देश में स्वच्छ कोयला तकनीक और कोयला गैसीफिकेशन को बढ़ावा देने वाली प्रमुख संस्था है। यह उद्योग जगत, तकनीकी विशेषज्ञों और नीति निमार्ताओं को एक मंच पर लाकर काम करती है। इसका उद्देश्य देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने, आत्मनिर्भरता बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने में योगदान देना है।

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की जिला कमेटी घोषित, राजकुमार केशरी बने अध्यक्ष

बिभा संवाददाता

रामगढ़: रामगढ़ के रोटरी क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने रामगढ़ जिला कमेटी की नई सूची जारी कर दी है। इस कमेटी में राजकुमार केशरी (कुजू) को जिलाध्यक्ष, मुन्ना प्रसाद गुप्ता को कार्यकारी अध्यक्ष, शंकर प्रसाद को महासचिव, महेंद्र मोदी को कोषाध्यक्ष और सुनील कुमार श्रीवास्तव को प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही कई अन्य समर्पित चेहरों को उपाध्यक्ष, सचिव, सह-सचिव और कार्यकारिणी सदस्य के रूप में संगठन में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।

इस अवसर पर केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि अधिकारों की बड़ी लड़ाई लड़ने के लिए संगठन का मजबूत होना बेहद जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वैश्य मोर्चा न केवल वैश्य समाज बल्कि ओबीसी वर्ग के हकों के लिए भी मजबूती से आवाज उठा रहा है। उन्होंने सरकार के समक्ष अपनी प्रमुख मांगें रखते हुए कहा कि ओबीसी को 27% आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन, छोटे दुकानदारों का 10 लाख रुपये तक का कर्ज माफ करने, ऑनलाइन मार्केटिंग पर रोक लगाने और समाज के लोगों पर हो रहे हमलों व रंगदारी पर लगाम लगाने जैसे मुद्दों पर जब तक जीत नहीं मिल जाती, मोर्चा का संघर्ष जारी रहेगा।

आगे की रणनीति पर बात करते हुए साहु ने घोषणा की कि आगामी 30 और 31 अक्टूबर को कांके में वैश्य मोर्चा का तृतीय ऐतिहासिक महाधिवेशन आयोजित किया जाएगा। इसमें राज्य ही नहीं बल्कि देशभर से वैश्य समाज के नेता जुटेंगे और मांगों को लेकर एक बड़े आंदोलन का ऐलान किया जाएगा। इस मौके पर प्रधान महासचिव बीरेन्द्र कुमार, उप प्रधान महासचिव अशोक गुप्ता, केंद्रीय संगठन सचिव बसंत प्रसाद साहु और हजारीबाग जिलाध्यक्ष महेंद्र प्रसाद साहु सहित कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

बिना टिकट यात्रियों से वसूला 8.90 करोड़ का जुमार्ना, उत्कृष्ट टिकट चेकिंग स्टाफ सम्मानित

बिभा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वालों के खिलाफ चलाए गए सघन अभियान में रेलवे ने जुलाई 2026 माह में 8.90 करोड़ का शानदार राजस्व अर्जित किया है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) हरि मोहन ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले टिकट चेकिंग स्टाफ को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

विभिन्न श्रेणियों में अव्वल रहे कर्मचारियों की बात करें तो ओपन स्क्वाड श्रेणी में मुख्य टिकट निरीक्षक (प्रयागराज) कुणाल कुमार ने 952 मामलों में कार्रवाई कर 10.09 लाख का जुमार्ना वसूलते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। संतोष कुमार (9.98 लाख) दूसरे और राजकुमार यादव (9.24 लाख) तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में उप मुख्य टिकट निरीक्षक श्वेताम सिंह ने 891 मामलों में कार्रवाई कर ?8.48 लाख का राजस्व अर्जित किया और महिला टिकट चेकिंग कर्मचारियों में पहला स्थान हासिल किया।

वहीं, स्टेशन स्टाफ श्रेणी में मानिकपुर के मुख्य टिकट निरीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने 799 मामलों में कार्रवाई करते हुए 7.82 लाख का राजस्व जुटाकर प्रथम स्थान पाया। मानिकपुर के सुशांत कुमार द्वितीय और फिरोजाबाद की ममता रानी तृतीय स्थान पर रहीं। एमेनिटी स्टाफ श्रेणी में प्रयागराज के मुख्य टिकट निरीक्षक विजय पाल ने सर्वाधिक आय अर्जित कर पहला स्थान प्राप्त किया। इनके साथ ही पोपट लाल मीणा, लज्जा राम मीणा, बीकेश कुमार सिंह और कृष्णा कुमार चौरसिया का कार्य भी सराहनीय रहा।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हरि मोहन ने सम्मानित कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से न केवल रेलवे के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, बल्कि यात्रियों के बीच वैध टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है। कार्यक्रम में सहायक वाणिज्य प्रबंधक (टिकट चेकिंग) शशिरंजन और मुख्य वाणिज्य निरीक्षक अंबरीश कुमार राय भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रयागराज मंडल ने भविष्य में भी बेहतर कार्य करने वाले कर्मचारियों को इसी तरह प्रोत्साहित करते रहने की बात कही है।

पूर्व रेलवे ने सुरक्षित ट्रेन परिचालन के लिए आयोजित की विशेष 'सुरक्षा संगोष्ठी'

बिहान भारत

कोलकाता। ट्रेन परिचालन में सुरक्षा और कार्यकुशलता को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पूर्व रेलवे ने एक विशेष 'इंटरैक्टिव सुरक्षा संगोष्ठी' का आयोजन किया। महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित यह अपनी तरह की एक अनूठी पहल थी, जिसमें फील्ड में काम करने वाले कर्मचारियों को सीधे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद और विचार-विमर्श करने का मौका मिला। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य दैनिक ट्रेन परिचालन, क्रू बुकिंग प्रबंधन और फील्ड स्तर पर आने वाली चुनौतियों पर खुलकर चर्चा करना और उनके व्यावहारिक समाधान निकालना था। इसमें सभी मंडलों में सुरक्षा नियमों और प्रोटोकॉल के कड़ाई से अनुपालन के साथ-साथ सिस्टम में आवश्यक सुधार लाने पर विशेष जोर दिया गया।

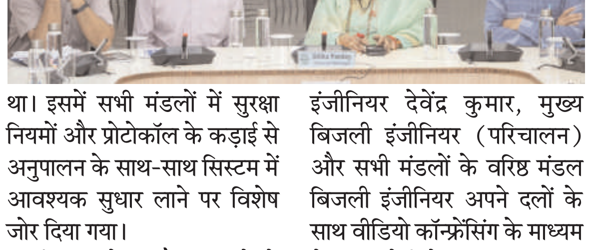

कार्यक्रम के दौरान लोको निरीक्षकों, क्रू लॉबी प्रभारियों और ट्रैक्शन लोको नियंत्रकों जैसे फ्रंटलाइन कर्मचारियों ने अपने दैनिक कार्यों से जुड़े जमीनी अनुभव और चुनौतियां वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साझा कीं। पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर देवेंद्र कुमार, मुख्य बिजली इंजीनियर (परिचालन) और सभी मंडलों के वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर अपने दलों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस संगोष्ठी में शामिल हुए। इस सहभागी पहल के जरिए पूर्व रेलवे ने स्पष्ट किया है कि वह फील्ड स्तर के व्यावहारिक अनुभवों और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों के तालमेल से सुरक्षित, सुचारू और कुशल ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पश्चिम मध्य रेलवे की टीम ने किया प्रयागराज-फतेहपुर रेलखंड का सेफ्टी ऑडिट, सुरक्षा मानकों की हुई गहन जांच

बिहान भारत

प्रयागराज। रेल परिचालन में संरक्षा मानकों को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे की टीम प्रयागराज मंडल के प्रयागराज-फतेहपुर रेलखंड का दो दिवसीय इंटर-रेलवे सेफ्टी ऑडिट कर रही है। बुधवार (12 अगस्त) को ऑडिट टीम ने इस रूट के प्रमुख स्टेशनों, यार्ड, लेवल क्रॉसिंग, पुलों और पॉइंट-क्रॉसिंग का सघन निरीक्षण किया।

पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी मनोज गुरुमुखी के मार्गदर्शन और CTPM राजेश दत्त बाजपेयी के नेतृत्व में टीम ने ऑडिट की शुरूआत भरवारी स्टेशन से की। यहाँ यार्ड, लेवल क्रॉसिंग गेट LC-13A, पॉइंट-क्रॉसिंग और कर्व नंबर 12 UP का बारीकी से निरीक्षण किया गया। टीम ने सिराथू-अथसराय के बीच स्थित मेजर गर्डर ब्रिज नंबर 109 और LHS नंबर 40 की भी जांच की। इसके बाद फतेहपुर स्टेशन, यार्ड, रिले रूम और SEJ की तकनीकी व्यवस्थाओं को परखा गया।

ऑडिट के दौरान टीम ने न सिर्फ तकनीकी पहलुओं की जांच की, बल्कि मौके पर काम कर रहे रेल कर्मचारियों से भी बातचीत की। उनसे संरक्षा नियमों, कार्यप्रणाली और आपातकालीन प्रक्रियाओं के बारे में सवाल पूछकर उनकी कार्य दक्षता और जागरूकता का आकलन किया गया।

ऑडिट के दूसरे दिन, यानी आज (13 अगस्त) टीम प्रयागराज स्टेशन पर दुर्घटना राहत ट्रेन, ARME, क्रू लॉबी और रनिंग रूम का निरीक्षण करेगी। इसके बाद प्रयागराज के मंडल रेल प्रबंधक के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक प्रस्तावित है, जिसमें ऑडिट की रिपोर्ट और सुधार के बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान प्रयागराज मंडल की ओर से अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) एम.एम. वारिस, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी यू.सी. शुक्ला सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने ऑडिट टीम को आवश्यक जानकारी और तकनीकी डेटा उपलब्ध कराया।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com